जबलपुर बुधवार 11 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, द्वितीय

वर्ष 32 अंक 132 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत



अब हर रोज दर्पण

▶▶ 3

मौसम

अधिकतम तापमान 30.5°C

न्यूनतम तापमान 13.3 °C

सूर्योदय - 6.22 | सूर्यास्त - 5.27

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



चित्रकूट में पेट्रोल पंप के जरिए साइबर... ▶▶ 4



57 वर्ष की हुईं अभिनेत्री नीलम... ▶▶ 7



सहवाग के आतिशी शतक से अंडर 19 एशिया ... ▶▶ 10

सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग जारी

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, पुस्तक प्रेम, साहस, संघर्ष की असाधारण कहानी

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव पुस्तक का मंगलवार को विमोचन हुआ। इस पुस्तक में श्रीमती गांधी ने अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं, अनुभवों और राजनीतिक सफर के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपने संबंधों और मुलाकातों का भी जिक्र किया है। श्रीमती गांधी की इस आत्मकथा की शुरुआत ऋग्वेद की पंक्तियों से होती है, जिनमें एकजुट होकर आगे बढ़ने, मिलकर बोलने और विचारों में सामंजस्य बनाए रखने का संदेश दिया गया है। इन पंक्तियों के माध्यम से एकता, सामूहिक उद्देश्य और आपसी सद्भाव का भाव व्यक्त किया गया है। इस बीच, कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति एवं उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा ने श्रीमती गांधी की आत्मकथा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए



कहा कि उन्हें श्रीमती गांधी की असाधारण जीवन यात्रा पर बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि उनकी कहानी प्रेम, साहस, संघर्ष, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की एक असाधारण मिसाल है। श्री वाड्रा ने कहा कि जीवन में तमाम कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के बावजूद श्रीमती गांधी आज भी पूरी गरिमा, आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास के साथ खड़ी हैं। उनकी जीवन यात्रा हर महिला के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भारत के लिए श्रीमती गांधी ने जो कुछ किया और जिस प्रतिबद्धता के साथ अपना जीवन जिया, उसके पीछे प्रेम की भावना रही है। यह प्रेम उनके परिवार, मूल्यों और देश के प्रति रहा है। श्री वाड्रा ने कहा कि पुस्तक में श्रीमती गांधी के जीवन, अनुभवों और विचारों को गहराई, समझदारी और ईमानदारी के साथ प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस पुस्तक को पढ़ें और सोनिया गांधी के अपने शब्दों, अनुभवों तथा जीवन यात्रा के आधार पर उनके व्यक्तित्व और योगदान के बारे में अपनी राय बनाएं।

मथुरा में 10 हजार विदेशी गोवर्धन परिक्रमा करने पहुंचे

मथुरा

मथुरा में मंगलवार को गोवर्धन पूजा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने लेट-लेटकर गोवर्धन पर्वत की 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा की और गिरिराज जी को 56 भोग अर्पित किए। 40 देशों से 10 हजार से ज्यादा विदेशी श्रद्धालु भी पहुंचे। भजन-कीर्तन के साथ ढोल-नगाड़ों पर नाचते नजर आए। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर के बाहर 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी रही। वहीं, इस्कॉन की गोशाला में 2 हजार किलो सूजी के हलवे से गिरिराज जी की आकृति



बनाई गई। अमेरिका से आईं गौरा मणि देवी दासी ने 250 किलो हलवा तैयार किया। उन्होंने भजन सुनाते हुए कहा कि यहां आकर मन को सुकून मिलता है। मान्यता है कि द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर 7 दिन तक ब्रजवासियों की रक्षा की थी। उन्होंने इंद्र का मान भंग किया था। तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा चली आ रही है। मथुरा के कलाकारों ने वाराणसी में गोवर्धन पूजा की शोभायात्रा के दौरान पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से लोगों का ध्यान खींचा। दिल्ली से गिरिराज भगवान की पूजा करने आई श्रद्धालु ने कहा मैं दिल्ली से परिक्रमा करने आई हूं। यहां गोवर्धन पूजा का महोत्सव मनाया जा रहा है। चारों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और भक्ति का अद्भुत माहौल देखकर बहुत अच्छा लग रहा है।

जवाहर लाल नेहरू पोर्ट पर 13 हजार ई-सिगरेट जब्त

नई दिल्ली (वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने जवाहर लाल नेहरू पोर्ट पर गैर-कानूनी व्यापार पर लगातार कार्रवाई करते हुए चार करोड़ रुपये से ज़्यादा कीमत की करीब 13,000 ई-सिगरेट ज़ब्त की हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार डीआरआई ने खास जानकारी मिलने पर एक आयात कंसाइनमेंट पकड़ा जिसमें ई-सिगरेट होने का शक था। इस सामान को मॉप रॉड बताया गया था। कंटेनर की बारीकी से जांच करने पर पता चला कि कंटेनर के आखिर में मोप रॉड (हैंडल) के बताये गये कार्गो के बीच 6,000 पीस यूओटो थानोस ई-सिगरेट और 7,000 पीस यूओटो लेंस ब्रांड की ई-सिगरेट छिपायी हुई थीं।

असम में वन्यजीव तस्करों से 3.7 किलो हाथी दांत बरामद

नई दिल्ली (वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने असम में वन्यजीव तस्करी की कोशिश नाकाम करते हुए हाथी के दो दांत बरामद किये हैं जिनका कुल वजन करीब 3.7 किलोग्राम है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि डीआरआई अधिकारियों ने पांच नवंबर को गुवाहाटी से करीब 27 किलोमीटर दूर सोनापुर टोल गेट के पास हाथी के दांतों की तस्करी की सूचना मिलने पर कार्रवाई की। अधिकारियों ने दो दोपहिया वाहनों पर सवार पांच संदिग्धों को देखा जिनमें से एक के पास हाथी के दांत होने के संदेह वाला बैग था। अधिकारियों ने जब संदिग्धों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने खुखरी और दाओ दिखाकर पीछा कर रहे अधिकारियों को डराने का प्रयास किया। इसके बाद वे बैग छोड़कर पास के एक गांव में भाग गये। बैग की तलाशी लेने पर उसमें 29 और 30 इंच लंबे हाथी के दो दांत मिले जिनका कुल वजन करीब 3.7 किलोग्राम था।

रिटायर्ड अफसरों पर भी लागू होगी आचार संहिता

5 राज्यों में चुनाव से पहले आयोग का फैसला, कैंपेनिंग से दूर रहना होगा, मीटिंग भी नहीं करेंगे

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने आचार संहिता को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत आचार संहिता सिर्फ मौजूदा सरकारी कर्मचारियों पर ही नहीं, बल्कि रिटायर होकर फिर से सरकार के लिए काम कर रहे अफसरों और लोगों पर भी लागू होगी। आयोग ने यह फैसला कुछ लोगों पर सरकारी पद के गलत इस्तेमाल की शिकायतों के बाद लिया। अब उन्हें राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखनी होगी और चुनाव प्रचार या कैंपेनिंग से दूर रहना होगा। चुनाव आयोग ने इस फैसले को लेकर गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 9 नवंबर को लेटर भेजा है। आयोग ने चुनाव वाले क्षेत्रों में अधिकारियों के साथ बैठकें और वीडियो कॉन्फ्रेंस करने पर भी रोक लगाई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले भी ऐसी शिकायतें मिली थीं। इनमें कहा गया था कि राज्य सरकारों से अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रिटायर्ड अधिकारी चुनाव के दौरान सरकारी अधिकारियों की बैठकें बुलाते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि राज्य सरकारों से जुड़े, नियुक्त या दोबारा नियुक्त किए गए लोगों पर भी सरकारी कर्मचारियों जैसी पाबंदियां



लागू होंगी। ये पाबंदियां आचार संहिता लागू रहने तक प्रभावी रहेंगी। आयोग ने निर्देश दिया कि ऐसे लोग किसी विधानसभा क्षेत्र या जिले के चुनाव से जुड़े अधिकारी को आधिकारिक चर्चा या बैठक के लिए नहीं बुला सकते। यह रोक उन क्षेत्रों में लागू होगी, जहां चुनाव घोषित हो चुके हैं। वे इन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस या बैठक भी नहीं कर सकते। आयोग ने कहा कि निर्देशों के उल्लंघन में किया गया कोई भी काम या लापरवाही गंभीरता से ली जाएगी। राज्यों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

राजनीतिक गतिविधियों से दूरी जरूरी

दोबारा नियुक्त किए गए लोग अपने नाम, सरकारी पद या अधिकार का इस्तेमाल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति के पक्ष में नहीं कर सकते। आयोग ने यह भी दोहराया कि आचार संहिता उन संस्थाओं, समितियों, निगमों और आयोगों पर लागू होती है, जिन्हें सरकार पूरी तरह या आंशिक रूप से फंड देती है। मतलब सरकारी पैसों से चलने वाली कोई भी संस्था चुनाव के दौरान किसी पार्टी का प्रचार नहीं कर सकती।

2022 में भी ऐसा हुआ था, लेकिन दायरा छोटा था

इन्हीं 5 राज्यों के 2022 में चुनाव से पहले आयोग ने कहा था कि जिन अफसरों का कार्यकाल बढ़ाया गया है या जिन्हें फिर से नौकरी दी गई है, उन्हें चुनाव ड्यूटी नहीं दी जाएगी। सिर्फ सीईओ ऑफिस वालों को छोड़कर। इस बार ईसी ने इस आदेश का दायरा बड़ा करके एमसीसी पर लागू कर दिया है।

अब सीधे चुनाव आयोग की नजर रहेगी

यूपी, पंजाब जैसे राज्यों में जहां रिटायर्ड अफसरों को सलाहकार / ओएसडी बनाकर रखा गया है, उन पर अब सीधे चुनाव आयोग की नजर रहेगी। चुनाव के दौरान कोई रिटायर्ड अफसर डीएम , एसडीएम, या चुनाव अधिकारी को अपने ऑफिस बुलाकर मीटिंग नहीं कर पाएगा। अगर कोई ऐसा करता पकड़ा गया, तो ईसी उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है और राज्य सरकार को भी जवाब देना होगा।

अमेरिकी आयोग पक्षपातपूर्ण संगठन अमेरिका में भारतीय समुदाय के खिलाफ नफरत से जुड़े अपराधों पर चुप: भारत

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) को पक्षपातपूर्ण और अधूरी जानकारी रखने वाला संगठन बताया है और आरोप लगाया है कि वह अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नफरत या अपराधों पर चुप्पी साधे रहता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में इस संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि इस आयोग और इसके आयुक्तों ने अमेरिका में धार्मिक स्थलों पर हुए हमलों, भारतीय समुदाय को निशाना बनाकर किए गए नफरत से प्रेरित अपराधों और नस्लीय दुर्व्यवहार के मामलों पर हमेशा चुप्पी साधे रखी है। प्रवक्ता ने कहा कि इस संगठन का एजेंडा पूरी तरह राजनीतिक है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे पूर्वाग्रह से ग्रस्त संगठन को आखिर कितनी गंभीरता से लिया जा सकता है। श्री जायसवाल ने कहा,जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, यूएससीआईआरएफ एक पक्षपातपूर्ण और अधूरी जानकारी रखने वाला संगठन है, जिसका एजेंडा पूरी तरह से राजनीतिक है। यह बात विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि इस आयोग और इसके आयुक्तों ने अमेरिका में धार्मिक स्थलों पर हुए हमलों, और वहां भारतीय समुदाय को निशाना बनाकर किये गये नफरत से प्रेरित अपराधों हेट क्राइम तथा नस्लीय दुर्व्यवहार के मामलों पर हमेशा चुप्पी साधे रखी है। ऐसे पूर्वाग्रह से ग्रस्त संगठन को शायद ही गंभीरता से लिया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इस आयोग ने दावा किया है कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता का व्यवस्थित और गंभीर उल्लंघन हो रहा है।



3.5 करोड़ की विदेशी मुद्रा जब्त

नई दिल्ली (वार्ता)। वित्त मंत्रालय की एजेंसी राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआईआई) के अधिकारियों ने देश से अवैध तरीके से विदेशी मुद्रा बाहर ले जाने वालों के खिलाफ अभियान में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विदेश जा रहे कई यात्रियों की तलाशी लेकर उनके पास से कुल 3.5 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा पकड़ी। वित्त मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार डीआरआई की टीम ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर 6 नवंबर को तड़के बैंकॉक जा रहे सात यात्रियों को रोका। अधिकारियों ने उनके हैंड बैगेज और चेक-इन बैगेज की गहन जांच में अमेरिकी डॉलर और ब्रिटिश पाउंड सहित विभिन्न देशों की मुद्राएं बरामद की गईं, जिनका कुल मूल्य लगभग 3.12 करोड़ रुपये है।

गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

गंगोत्री। उत्तरकाशी के गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस साल 19 अप्रैल को कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे। कपाट बंद होने से पहले मंदिर को 5 क्विंटल फूलों से सजाया गया। इसके बाद सेना के बैंड की धुन के साथ मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। मां गंगा की डोली करीब 25 किमी की यात्रा कर मुखबा पहुंचेगी।

भोपाल में डीआरआई ने 6.642 किलोग्राम एम्फेटामाइन जब्त किया

नयी दिल्ली (वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 6.642 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि विशेष खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों ने पांच नवंबर 2026 को दिल्ली से भोपाल जा रही बस में नशीले पदार्थ तस्कर को रोका। यात्री के सामान की तलाशी के दौरान अधिकारियों ने उसके बैग में छिपाकर रखे गए चमकीले चांदी के रंग के तीन प्लास्टिक पैकेट बरामद किये। इनमें सफेद रंग का क्रिस्टल जैसा पदार्थ था, जिसका कुल वजन 6.642 किलोग्राम था।

हैदराबाद में 13-14 नवंबर को होगा भारत समिट: खुर्शीद

नई दिल्ली (वार्ता)

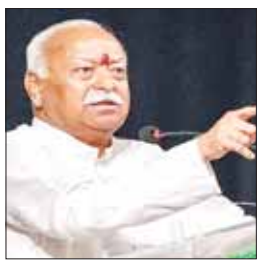
कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग के अध्यक्ष सलमान खुर्शीद ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 13 और 14 नवंबर को भारत समिट का आयोजन किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया के 70 देशों से करीब 1,000 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इनमें विभिन्न



देशों के नीति-निर्माता और दुनिया भर के प्रगतिशील आंदोलनों के प्रमुख नेता शामिल होंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और राज्य के मंत्री डी. श्रीधर बाबू भी मौजूद रहे। श्री खुर्शीद ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी की भारत और दुनिया के भविष्य को लेकर परिकल्पना, उभरती नई वैश्विक व्यवस्था और उसमें भारत की भूमिका पर विचार-विमर्श करना है। सम्मेलन में मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों पर भी चर्चा होगी।

मोहन भागवत ने आरएसएस स्वयंसेवकों के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की

नागपुर (वार्ता)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संगठन ने अपने स्वयंसेवकों के समर्पण, प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों से 100 साल का सफर पूरा किया है, न कि किसी के संरक्षण या मदद से। श्री भागवत ने नागपुर में सिटिजन्स को-ऑपरेटिव बैंक के मुख्यालय और सभागार के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए



कहा कि व्यक्ति के विकास के जरिए राष्ट्र-निर्माण का संघ का काम अपनी शुरुआत से ही लगातार जारी है। स्वयंसेवक अपने समय का एक बड़ा हिस्सा संगठनात्मक कार्यों में लगाते हैं, जबकि जो लोग ऐसा नहीं कर पाते, वे अपने आचरण और जीवनशैली के जरिए समाज में एक सकारात्मक माहौल बनाकर योगदान देते हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। श्री भागवत ने कहा कि भले ही आरएसएस ने 100 साल पूरे कर लिए हैं लेकिन इसका सफर अभी भी जारी है। बदलते समय के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए संगठन की गतिविधियों में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज में आ रही गिरावट और उसे सुधारने के प्रयासों के बीच एक संतुलन बनाये रखना जरूरी है। उन्होंने स्वयंसेवकों के योगदान के बारे में बताते हुए कहा कि कुछ लोग संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जबकि अन्य अपने निजी जीवन और आचरण के जरिए संघ के आदर्शों का प्रसार करते हैं। स्वयंसेवक संघ की विचारधारा को अपने जीवन में उतारने और इसके मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। श्री भागवत ने आरएसएस प्रचारकों के जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि वे अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं और मोह-माया को त्यागकर अपना पूरा जीवन संगठन को समर्पित कर देते हैं। उनकी प्रतिबद्धता और जीवनशैली समाज में सम्मान पैदा करती है और अन्य स्वयंसेवकों को भी प्रेरित करती है।

वायु प्रदूषण में विश्वगुरु क्यों बन रहे हैं हम?: खड़गे

नई दिल्ली (वार्ता)

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता और दमघोंटू प्रदूषण को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सवाल किया कि आखिर हम वायु प्रदूषण के मामले में विश्वगुरु क्यों बनते जा रहे हैं? श्री खड़गे ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार के लिए प्रदूषण से निपटने के बजाय दिखावटी उपाय, जनसंपर्क के हथकंडे, अधूरे वादे और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप ही शासन की पहचान बन गए हैं। श्री खड़गे ने कहा कि पिछले वर्ष वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के आसपास पानी के टैंकरों से छिड़काव किए जाने पर प्रदूषण के आंकड़ों को प्रभावित करने के आरोप लगे थे, जबकि इस साल प्रदूषण चरम पर पहुंचने के दौरान दिल्ली के 59 में से 36 निगरानी केंद्रों पर पीएम 2.5 के आंकड़े ही उपलब्ध नहीं हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 8 मई 2019 को वायु प्रदूषण को बड़ी चुनौती बताया था, लेकिन पिछले 12 वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए केवल बयानबाजी हुई है और कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के लोग भी स्वच्छ हवा के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या वे देश को वायु प्रदूषण पर जवाब देने और हवा का हिसाब देने का साहस दिखाएंगे? श्री खड़गे ने प्रदूषण से जुड़े आंकड़ों का हवाला देते हुए



कहा कि 2023 में दिल्ली में कणीय वायु प्रदूषण के कारण अनुमानित 17,188 लोगों की मौत हुई, जो कुल मौतों का लगभग 15 प्रतिशत है। वहीं, स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के 1,69,400 बच्चों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़े कारणों से हुई। उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपलब्ध धनराशि के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। श्री खड़गे के मुताबिक, सितंबर 2026 में आरटीआई के जरिए सामने आई जानकारी के अनुसार, दिल्ली में पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के रूप में एकत्रित 1,154 करोड़ रुपये, यानी करीब 60 प्रतिशत राशि खर्च नहीं की गई। वहीं, दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जारी धनराशि में से दिल्ली सरकार केवल 17 प्रतिशत का ही उपयोग कर पाई। श्री खड़गे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भाजपा शासित दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकारों को प्रदूषण संकट से निपटने के लिए विस्तृत जवाब और प्रस्तावित उपाय पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर साल अक्टूबर से फरवरी के बीच जहरीली धुंध छा जाती है, लेकिन सरकारों की ओर से वही पुराने आश्वासन और एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने का सिलसिला जारी रहता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपलब्ध धनराशि खर्च करने, उत्सर्जन में कमी लाने और नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की।

एंबुलेंस खुद बीमार...भगवान भरोसे मवेशी!

शहडोल जिले में चलित पशु चिकित्सालय का हाल

शहडोल (स्वतंत्र मत)

सरकार ने सोचा होगा कि जब बीमार मवेशी अस्पताल नहीं आ सकते, तो अस्पताल खुद चलकर मवेशियों के पास जाएगा। इसी कल्याणकारी और महत्वाकांक्षी सोच के साथ च्मोबाइल वेटरनरी यूनिटज् (चलित पशु चिकित्सालय) की शुरुआत की गई थी। लेकिन शहडोल जिले में आकर यह योजना ऐसी पटरी से उतरी है कि अब एंबुलेंस कम, किसी वीआईपी की लग्जरी गाड़ी ज्यादा लगती है जो न समय पर मिलती है, न काम पर, और फोन तो उठाना जैसे उनकी तौहीन हो! इन दिनों शहडोल जिला मुख्यालय के पास स्थित छतवई गांव में मवेशियों पर कुदरत और व्यवस्था दोनों की दोहरी मार पड़ रही है। गांव में मवेशियों के बीच एक बेहद अजीब और खतरनाक बीमारी फैली हुई है। इस बीमारी का खौफनाक रूप यह है कि पशुओं के पूरे शरीर पर बड़े-बड़े फोड़े निकल आते हैं। कुछ ही दिनों में ये फोड़े बड़े-बड़े जख्मों (घावों) में बदल जाते हैं। इन घावों से लगातार खून और मवाद रिसता रहता है, जिससे जानवर दर्द से तड़पते रहते हैं। अंततः, उचित इलाज के अभाव में मवेशी दम तोड़ देते हैं और किसान अपने जीवनभर की पूंजी यानी अपने बहुमूल्य



पशुधन से हमेशा के लिए हाथ धो बैठते हैं।

डॉ. साहब मर्जी के मालिक

जिले में चलित पशु चिकित्सालय की कमान संभाले बैठे हैं डॉ. डी. के. यादव। जनाब के तेवर देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि वे कोई सरकारी डॉक्टर हैं, बल्कि उनका रवैया यह बयां करता है कि वे मध्य प्रदेश सरकार की नौकरी नहीं कर रहे, बल्कि सरकार पर कोई बहुत बड़ा एहसान (उपकार) लाद रहे हैं। किसानों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि डॉ. डी. के. यादव कभी फोन उठाते ही नहीं। और अगर इत्तेफाक से कभी उनकी घंटी बज जाए और वे फोन उठा भी लें, तो उनकी बातचीत का लहजा ऐसा होता है मानो आम जनता से बात करना उनके कीमती वक्त की बर्बादी हो। अब ऐसे च्कर्मठज् और च्संवेदनशीलज् अधिकारियों के रहते, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रशासनिक सख्ती भी शायद इन साहब के आगे बेबस नजर आती है। तभी तो लगता है कि च्शायद डॉ. मोहन यादव भी इस डॉ. यादव का बाल भी बांका नहीं कर सकते!

किसानों की बेबसी

चूंकि बीमारी के चलते मवेशी बेहद गंभीर और नाजुक हालत में होते हैं, इसलिए किसानों के लिए यह मुमकिन ही नहीं है कि वे उन्हें पैदल या किसी साधन से चलकर जिला पशु चिकित्सालय तक पहुंचा सकें। ऐसे हालात में ही च्चलित पशु चिकित्सालयज् की असली परीक्षा होती है। वही एकमात्र उम्मीद जो किसानों का सहारा बन सकती थी। लेकिन विडंबना देखिए कि संकट के इस वक्त में यह च्सहाराज् ही किसानों को सबसे ज्यादा मायूस कर रहा है। जब मवेशियों को डॉक्टर की सबसे ज्यादा जरूरत है, तब डॉक्टर साहब अपने फोन की दुनिया में मस्त हैं और एंबुलेंस शायद किसी गैरेज की शोभा बढ़ा रही है।

भटक गई सरकार की मंशा

सरकार की मंशा साफ थी-गाँव-गाँव तक पशुओं को समय पर इलाज मिलना चाहिए। लेकिन शहडोल में अमले की लचर कार्यशैली, संवेदनहीनता और डॉक्टरों के वीआईपी नखरों ने इस योजना को कागजों तक सीमित कर दिया है। नतीजा सबके सामने है- तड़पते बेजुबान जानवर, लाचार किसान, और अपने दफ्तर या एसी कमरों में खर्राटे भरती व्यवस्था। सरकार की एंबुलेंस भले ही च्चलितज् हो, लेकिन शहडोल में किसानों की उम्मीदें पूरी तरह दम तोड़ती नजर आ रही हैं।

बांधवगढ़ से उमरिया आ रही कार पेड़ से टकराई, तीन गंभीर घायल



उमरिया (स्वतंत्रमत) । बांधवगढ़ से उमरिया की ओर आ रही एक होंडई कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई ,हादसे में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कार में कुल पांच लोग सवार थे। सभी घायल पाली क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।जानकारी के अनुसार, कार नंबर यूके 07 एव्ही 4645 में सवार पांच लोग बांधवगढ़ से उमरिया की ओर आ रहे थे। इसी दौरान सिद्ध बाबा के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोगों को चोटें आईं। जिसमें दो लोगो का पैर फैक्चर हुआ और एक के सिर पर गंभीर चोट आई।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना बीते दिन लगभग 7 बजे के आस पास बताई जा रही है जैसे ही सूचना पुलिस चौकी ताला को मिली तत्काल डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय उमरिया पहुंचाया, जहां तीन गंभीर घायलों को भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल सभी पांचों लोगों के पाली निवासी होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दो बाइक के आमने सामने की टक्कर में दोनों चालको की मौत, पीछे बैठे दोनों घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत) । जिले के चंदिया थाना क्षेत्र में बरहटा बहरघटा के पास सोमवार 9 नवम्बर की शाम दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक चालकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान राकेश यादव और बारे लाल यादव के रूप में हुई है।

धौरखोह के जंगल में पेड़ से बंधा मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

उमरिया (स्वतंत्रमत) । जिले के चंदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत धौरखोह के जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव जिस संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ, उसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक के हाथ पेड़ के पीछे बंधे हुए थे, जबकि पैरों में भी गमछा बंधा मिला। शरीर पर चोट के निशान और नाक से खून निकलने के कारण प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। जंगल में शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मृतक के दोनों हाथ पेड़ के पीछे बंधे पाए गए। वहीं पैरों में भी गमछा बंधा हुआ था। मृतक की गर्दन पर चोट के निशान भी मिले हैं। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने हत्या से संबंधित सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। हालांकि, अब तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस जिले के विभिन्न थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों को खंगाल रही है। इसके साथ ही मृतक के फोटोग्राफ वाले पंपलेट भी प्रसारित किए जा रहे हैं, ताकि उसकी पहचान जल्द से जल्द हो सके। फिलहाल पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती मृतक की शिनाख्त करना है। आखिर कौन है यह व्यक्ति, जंगल तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत के पीछे किसका हाथ है?



तालाब हादसे में मृत तीन किशोरों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय स्थित चौपाटी के पीछे तालाब में हुए दर्दनाक हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। सोमवार शाम तालाब में चार युवकों के कूदने की घटना में गौरव, दुर्गेश एवं सौरभ की डूबने से दुखद मृत्यु हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ। तीन किशोरों की असामयिक मौत से उनके परिवारों में मातम पसरा हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन सक्रिय हुआ और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की पहल की गई। घटना पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत किशोरों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदनाएं



व्यक्त कीं। घटना की गंभीरता और पीड़ित परिवारों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने शासन को आर्थिक सहायता का प्रस्ताव भेजा था। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से तीनों मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं। इस तरह तीनों परिवारों को कुल 12 लाख रुपये की सहायता मिलेगी।

रेडक्रास से 25-25 हजार रुपये की तत्काल सहायता- कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जिला चिकित्सालय की मर्चुरी पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने रेडक्रास सोसायटी की ओर से प्रत्येक पीड़ित परिवार को 25-25 हजार रुपये की तत्काल सहायता राशि के चेक सौंपे। इसके अलावा अनुसूचित जाति विभाग द्वारा संकटापन्न परिवारों को 10 हजार से 18 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता भी स्वीकृत की गई है। कलेक्टर ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में जिला प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से परिवारों को लाभान्वित कराने तथा उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की बात भी कही।

पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने भी घटनास्थल पहुंचकर हादसे की परिस्थितियों का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने पुलिस प्रशासन की ओर से मामले की निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

तीन सदस्यीय समिति करेगी हादसे की जांच

घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच के लिए कलेक्टर ने अपर कलेक्टर संरोधन सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं सिविल सर्जन को सदस्य बनाया गया है। जांच समिति को घटना के कारणों, परिस्थितियों, राहत एवं बचाव व्यवस्था सहित सभी संबंधित पहलुओं की जांच कर तीन दिवस के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

डिंडौरी-समनापुर मार्ग पर दो इलेक्ट्रिक ऑटो में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत, चार लोग घायल; एक की हालत गंभीर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। डिंडौरी-समनापुर मार्ग पर लाखों तिराहे के पास दो इलेक्ट्रिक ऑटो के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों ऑटो में सवार कुल चार लोग घायल हो गए। दुर्घटना में एक चालक को गंभीर चोटें आई हैं, जिसकी हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, दोनों इलेक्ट्रिक ऑटो में दो-दो लोग सवार थे। लाखों तिराहे के पास दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ऑटो क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें सवार लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल घायलों की मदद की। लोगों ने बिना देर किए घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। गंभीर रूप से घायल चालक की स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया गया। सड़क हादसे के बाद मार्ग पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।



डोडका की कामधेनु गौशाला में गोवर्धन पूजा कार्यक्रम एवं गोपाल कृष्ण पुरस्कार विजेताओं का किया गया सम्मान

उमरिया (स्वतंत्रमत)। गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित योजना है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गोवंश पालन, दुग्ध उत्पादन तथा उन्नत देशी नस्ल की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना है। इस योजना के माध्यम से अधिक दूध देने वाली गायों के पशुपालकों को प्रोत्साहित कर आर्थिक पुरस्कार दिया जाता है। योजना के प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाना, उन्नत देशी नस्ल की गायों का संरक्षण करना पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है। उक्त आशय के विचार कलेक्टर श्रीमती राखी



सहाय ने मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत डोडका में आयोजित गोवर्धन पूजा, गोपाल कृष्ण पुरस्कार के विजेताओ को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि कृषक खेती, उद्यानिकी के साथ साथ भारतीय गौ नस्ल की गौवंश भी पाले तथा उसका भरण पोषण करेंगे तो निश्चित रूप से कृषकों के जीवन में सुधार होगा और वे आत्म निर्भरता की ओर आगें बढेगे।उन्होने कहा कि किसानों के संवागीर्ण उत्थान एवं कल्याण के लिए मप्र सरकार व्दारा अनेको योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। कृषक आगें आकर उन सभी योजनाओ का लाभ उठाए। सनातन काल से गायों की पूजा होती आ रही है। गायों मे विभिन्न देवी देवताओ का वास होता है। इसलिए आवश्यक है कि गायों की पूजा करें। इसके साथ ही गायो को सड़को पर नही छोडे।

विधायक एवं कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम हेतु कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 16 नवम्बर को जिले के ब्यौहारी में प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए विधायक शरद कोल, कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कार्यक्रम स्थल एवं हैलीपैड का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मंचीय कार्यक्रम, वाहन पार्किंग, बैठक व्यवस्था, लोगो के आने जाने हेतु मार्ग चयन सहित अन्य व्यवस्थाओ की जानकारी प्राप्त की एवं सभी व्यवस्थाओ को बेहतर ढंग से कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश किया। साथ ही कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने हैलीपैड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देष दिए कि बैरिकैडिंग समय पर करा दें। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अर्चना मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।



दीपावली की खुशियां मातम में बदलीं, जलाशय में डूबने से 12 और 13 साल की दो मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत, तीसरी ने तैरकर बचाई जान

डिंडौरी(स्वतंत्र मत)। दीपावली का त्यौहार था... हर तरफ रोशनी थी, घरों में खुशियां थीं, बच्चे त्यौहार की उमंग में डूबे थे। लेकिन ग्राम सरई माल के दो परिवारों के लिए यह दीपावली जिंदगी का सबसे दर्दनाक दिन बन गई। जिन घरों में दीपों की रोशनी के बीच हंसी-खुशी का माहौल होना था, वहां दो मासूम बेटियों की मौत ने ऐसा अंधेरा कर दिया, जिसकी भरपाई शायद कभी नहीं हो सकेगी। जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरई माल स्थित सरई जलाशय में नहाने गईं तीन नाबालिग बच्चियों में से दो की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। वहीं तीसरी बच्ची किसी तरह तैरकर अपनी जान बचाने में सफल रही। हादसे में जान गंवाने वाली



दोनों बच्चियों की उम्र 12 और 13 वर्ष बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को तीनों बच्चियां सरई जलाशय में नहाने पहुंची थीं। नहाते समय वे गहरे पानी की ओर चली गईं। इसी दौरान दो बच्चियां पानी में डूबने लगीं। देखते ही देखते खुशियों से भरा दिन चीख-पुकार और जिंदगी बचाने की जद्दोजहद में बदल गया। साथ मौजूद तीसरी बच्ची किसी तरह तैरकर बाहर निकल आई और उसकी जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से जलाशय में तलाश अभियान चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चियों के शव पानी से बरामद किए गए। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की। दीपावली पर हर मां-बाप की तरह उन परिवारों ने भी अपनी बेटियों के साथ खुशियां मनाने के सपने संजोए होंगे। शायद घरों में दीप जलाने की तैयारी रही होगी, त्योहार की मिठास और बच्चों की हंसी से आंगन गूंजने की उम्मीद रही होगी।

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत पलकी, जनपद पंचायत डिंडौरी, जिला डिंडोरी (म.प्र.)

ग्राम पंचायत पलकी अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आवश्यक निर्माण सामग्री (सीमेंट, रेत, गिट्टी, सरिया, ईंट, मुरुम आदि) की आपूर्ति के लिए योग्य एवं पंजीकृत फर्म/आपूर्तिकर्ताओं से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

इच्छुक फर्म/आपूर्तिकर्ता निर्धारित तिथि तक अपने निविदा प्रपत्र आवश्यक दस्तावेज (पंजीयन प्रमाण पत्र, जीएसटी नंबर, पैन कार्ड) सहित ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा करें।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि- 12/11/2026

निविदा खोलने की तिथि- 14/11/2026

पंचायत को किसी भी या सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

स्थान- ग्राम पंचायत पलकी, जनपद पंचायत डिंडौरी

सरपंच/सचिव

ग्राम पंचायत पलकी

जबलपुर-अमरकंटक हाईवे पर बड़ा हादसा, अमरकंटक जा रहा सवारियों से भरा तूफान वाहन बाईक को टक्कर मारकर सड़क पर पलटा, 9 लोग घायल

मुंडन संस्कार कराने जा रहे थे मंडला जिले के ग्रामीण, टांकी नाला जेल बिल्डिंग के पास हुआ हादसा, सभी घायलों को जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। कोतवाली थाना अंतर्गत कनाईसांगवा गांव के पास जबलपुर- अमरकंटक नेशनल हाईवे पर मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। अमरकंटक में बच्चे का मुंडन संस्कार कराने जा रहे ग्रामीणों से भरा तूफान वाहन सड़क किनारे खड़ी बाइक से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में एक महिला का पैर टूट गया, जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। सभी नौ घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार मंडला जिले के मोहगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत खाल्हे गिठौरी गांव के लगभग 18 ग्रामीण दो तूफान वाहनों में सवार होकर अमरकंटक जा रहे थे। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे सभी



गांव से रवाना हुए थे। उन्हें अमरकंटक स्थित मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर एक बच्चे का मुंडन संस्कार कराना था। बताया गया कि सुबह करीब 7 बजे डिंडौरी के टांकी नाला स्थित जेल बिल्डिंग के पास पुलिया पर पहुंचते ही स्क्क20 ञ्ज 0553 नंबर का तूफान वाहन सड़क किनारे खड़ी बाइक से टकरा गया। बाइक कनाईसांगवा निवासी देवसिंह वनवासी की बताई जा रही है, जो उस समय खेत देखने गया हुआ था। बाइक से टकराने के बाद वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में मुन्नी बाई का पैर टूट गया, जबकि रुक्मणि नंदा, सीमा बाई, फूलकली, बुद्ध विश्वकर्मा, इंद्र कुमार, फागूलाल विश्वकर्मा और तिलक दास बैरागी सहित एक अन्य व्यक्ति को सिर और पैर में चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के चलते कुछ देर तक नेशनल हाईवे पर यातायात बाधित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था कर यातायात बहाल कराया।

कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र, डिण्डौरी (मध्यप्रदेश)

संक्षिप्त निविदा सूचना

सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत शिक्षा सत्र 2027-28 में कक्षा 1 से 8 तक की समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं अन्य अध्ययन सामग्री विकासखण्ड स्तर से विद्यालय स्तर तक पहुँचाने हेतु इच्छुक एवं पात्र निविदाकारों से दिनांक 25.11.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक सीलबंद लिफाफे में निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के साथ 30,000/- (तीस हजार रुपये मात्र) की अमानत राशि का बैंक डिमाण्ड ड्राफ्ट जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र डिण्डोरी के नाम से देय संलग्न करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत नियम एवं शर्तें कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र डिण्डोरी की लेखा शाखा से 1,000/- (एक हजार रुपये मात्र) नगद जमा कर कार्यालयीन समय में (अवकाश दिवस को छोड़कर) दिनांक 25.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं। प्राप्त निविदाएँ दिनांक 25.11.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे गठित समिति के समक्ष खोली जाएंगी।

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र, डिण्डौरी (मध्यप्रदेश)



आरेख, वर्गीकरण और आंकड़ों से सोशल साइंस में टॉप मार्क्स कैसे लाएं

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा छात्रों के शैक्षणिक जीवन का पहला बड़ा पड़ाव है। यह परीक्षा आगे की पढ़ाई, विषय चयन और करियर की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सामाजिक विज्ञान में इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र चारों विषय शामिल होते हैं। यदि विद्यार्थी सही योजना, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ तैयारी करे, तो इस विषय में उच्च अंक प्राप्त करना पूरी तरह संभव है।

पाठ्यक्रम और प्रश्न-पत्र का प्रारूप

सबसे पहले मंडल द्वारा जारी नवीनतम पाठ्यक्रम और ब्लूप्रिंट को ध्यान से देखें। प्रश्न-पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पीय, रिक्त स्थान, सत्य/असत्य, जोड़ी मिलान), अतिलघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न तथा मानचित्र कार्य होते हैं। किस इकाई से कितने अंक आते हैं, यह जान लेने से तैयारी की प्राथमिकता तय करना आसान हो जाता है। अंक विभाजन और प्रश्नों का स्वरूप मंडल की आधिकारिक वेबसाइट या विद्यालय से अवश्य सत्यापित कर लें, क्योंकि यह वर्ष के अनुसार बदल सकता है।

पाठ्यपुस्तक को आधार बनाएँ

मप्र बोर्ड के अधिकांश प्रश्न निर्धारित पाठ्यपुस्तक से ही आते हैं। इसलिए प्रत्येक अध्याय को कम से कम दो बार ध्यान से पढ़ें। अध्याय के शीर्षक, उप-शीर्षक, परिभाषाएँ, चित्र, मानचित्र, तालिकाएँ और अभ्यास प्रश्न विशेष रूप से तैयार करें। पाठ के अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिखकर देखें। अतिरिक्त गाइड या संदर्भ पुस्तकें तभी पढ़ें, जब मूल पाठ्यपुस्तक पर पूरी पकड़ बन चुकी हो।

विषयवार तैयारी की रणनीति

इतिहास – घटनाओं को रटने के बजाय कारण, घटनाक्रम और परिणाम के क्रम में समझें। महत्वपूर्ण तिथियों, आंदोलनों, संधियों और व्यक्तियों की सूची बनाकर बार-बार दोहराएँ। टाइमलाइन और फ्लो चार्ट से स्मरण शक्ति बढ़ती है।

भूगोल – संसाधन, कृषि, उद्योग, जल संसाधन और परिवहन जैसे अध्यायों में आरेख, वर्गीकरण और आंकड़े ध्यान से याद करें। उत्तर में आरेख या मानचित्र बनाने से अतिरिक्त अंक मिल सकते हैं।

राजनीति विज्ञान – लोकतंत्र, सत्ता की साझेदारी, संघवाद और राजनीतिक दल जैसी अवधारणाओं को उदाहरण सहित समझें। उत्तर में भारतीय संदर्भ के उदाहरण जोड़ने से उत्तर प्रभावशाली बनता है।

अर्थशास्त्र – विकास, आर्थिक क्षेत्रक, मुद्रा और साख, वैश्वीकरण तथा उपभोक्ता अधिकार जैसे विषयों में परिभाषाएँ, विशेषताएँ और उदाहरण तैयार रखें।

मानचित्र कार्य और वस्तुनिष्ठ प्रश्न

मानचित्र कार्य में सरलता से पूरे अंक मिल सकते हैं। प्रतिदिन कुछ समय खाली मानचित्र पर महत्वपूर्ण स्थान, नदियाँ, उद्योग केंद्र, बाँध और आंदोलन स्थल भरने का अभ्यास करें। नाम स्पष्ट और सही स्थान पर लिखें। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए प्रत्येक अध्याय की परिभाषाएँ, तिथियाँ और तथ्य अलग से नोट करें, क्योंकि इनमें थोड़ी-सी चूक से अंक कट जाते हैं।

उत्तर लिखने की कला

अच्छे अंकों के लिए उत्तर की प्रस्तुति बहुत महत्वपूर्ण है। उत्तर संक्षिप्त परिचय से शुरू करें, मुख्य बिंदु क्रमबद्ध लिखें और अंत में निष्कर्ष दें। प्रश्न के अंकों के अनुसार उत्तर की लंबाई रखें, जैसे 1 अंक का उत्तर एक पंक्ति में और 4 या 5 अंक का उत्तर बिंदुओं सहित विस्तार से। महत्वपूर्ण शब्दों, तिथियों और नामों को रेखांकित करें। साफ हस्तलेख, उचित हाशिया और स्वच्छ पृष्ठ परीक्षक पर अच्छा प्रभाव डालते हैं।

अभ्यास, पुनरावृत्ति और समय प्रबंधन

पिछले 5 से 7 वर्षों के प्रश्न-पत्र और मॉडल पेपर निर्धारित समय में हल करें। इससे बार-बार आने वाले प्रश्नों की पहचान होती है और लिखने की गति बढ़ती है। प्रतिदिन की समय-सारणी बनाएँ, कठिन अध्यायों को पहले रखें और परीक्षा से पहले कम से कम तीन बार पुनरावृत्ति करें। ठिन प्रश्नों पर अटककर समय नष्ट न करें और अंत में 10 से 15 मिनट उत्तर दोहराने के लिए अवश्य रखें।

नागरिक शास्त्र, जीवन जीने की व्यावहारिक कला

आज के डिजिटल युग में, जहाँ सूचनाओं की भरमार है, वहाँ बच्चों को केवल जानकारी देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने की शिक्षा देना भी उतना ही आवश्यक है। नागरिक शास्त्र केवल यह नहीं सिखाता कि संसद कैसे कार्य करती है या राष्ट्रपति का चुनाव कैसे होता है, बल्कि यह विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण का महत्व भी समझाता है। यही कारण है कि नागरिक शास्त्र को पुस्तकों तक सीमित विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की व्यावहारिक कला माना जाता है।

अधिकार और कर्तव्यों का संतुलन

नागरिक शास्त्र विद्यार्थियों को यह समझाता है कि अधिकारों की रक्षा जितनी आवश्यक है, उतना ही महत्वपूर्ण अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना भी है। पर्यावरण की सुरक्षा, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, यातायात नियमों का पालन तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना एक आदर्श नागरिक के गुण हैं। जो नागरिक केवल अधिकार माँगता है और कर्तव्य भूल जाता है, वह समाज और देश के विकास में बाधक बन जाता है।

समानता, न्याय और सम्मान की भावना

यह विषय बच्चों में जाति, धर्म, भाषा और लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव से ऊपर उठकर सभी के प्रति समान सम्मान और न्यायपूर्ण व्यवहार की भावना विकसित करता है। यही मूल्य एक मजबूत, समरस और लोकतांत्रिक समाज की नींव हैं। जब विद्यार्थी समानता और न्याय को अपने जीवन में अपनाते हैं, तो वे समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं।

आधुनिक चुनौतियों में नागरिक शास्त्र की भूमिका

आज सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण फेक न्यूज़, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घृणा और असहिष्णुता जैसी चुनौतियाँ सामने आ रही हैं। ऐसे समय में नागरिक शास्त्र विद्यार्थियों को तथ्य और अफ़वाह में अंतर समझने, डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदारी से उपयोग करने तथा दूसरों के विचारों का सम्मान करने की सीख देता है। इससे विद्यार्थी सूचनाओं को परखकर ही स्वीकार करना और आगे बढ़ाना सीखते हैं।

अभिभावकों और समाज की महत्वपूर्ण भूमिका

नागरिक शास्त्र की शिक्षा केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रह सकती। अभिभावकों और समाज की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है। घर में देश, समाज और स्थानीय समस्याओं, जैसे स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और यातायात नियमों पर सकारात्मक चर्चा करनी चाहिए। साथ ही, बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। जब बड़े स्वयं नियमों का पालन करेंगे, सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाएँगे और दूसरों का सम्मान करेंगे, तब बच्चे भी इन्हीं मूल्यों को अपनाकर जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

नागरिक शास्त्र केवल एक विषय नहीं, बल्कि अच्छे नागरिक के निर्माण की प्रक्रिया है। विद्यालय, परिवार और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही बच्चों में लोकतांत्रिक मूल्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण विकसित हो सकते हैं। यही जागरूक और जिम्मेदार नागरिक आगे चलकर एक सशक्त, समरस और विकसित राष्ट्र का निर्माण करते हैं।



अनुपमा पटेल

टीचर
बीएमडी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

समाज में लैंगिक समानता, प्रगति की ओर एक आवश्यक कदम

महिलाओं और पुरुषों को समान अवसर देकर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है

आज का युग आधुनिकता, विज्ञान और तकनीकी विकास का युग है। दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन इसके बावजूद लैंगिक असमानता की समस्या कई देशों में अब भी मौजूद है। लैंगिक समानता का अर्थ है कि महिलाओं और पुरुषों को जीवन के हर क्षेत्र में समान अधिकार, अवसर और सम्मान प्राप्त हो। किसी भी व्यक्ति के साथ उसके लिंग के आधार पर भेदभाव न किया जाए। एक स्वस्थ, न्यायपूर्ण और विकसित समाज के निर्माण के लिए लैंगिक समानता अत्यंत आवश्यक है।

लंबे समय तक समाज में महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम महत्व दिया जाता रहा। उन्हें शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने के अवसरों से वंचित रखा गया। हालांकि समय के साथ परिस्थितियों में सुधार आया है। आज महिलाएँ राजनीति, विज्ञान, खेल, शिक्षा, चिकित्सा, रक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमता का सफल प्रदर्शन कर रही हैं। वे देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

फिर भी यह कहना गलत होगा कि लैंगिक समानता पूरी तरह स्थापित हो चुकी है। आज भी अनेक महिलाएँ घरेलू हिंसा, वेतन असमानता, दहेज प्रथा, बाल विवाह और कार्यस्थलों पर भेदभाव जैसी समस्याओं का सामना कर रही हैं। कई स्थानों पर लड़कियों की शिक्षा को लड़कों की तुलना में कम महत्व दिया जाता है। यह स्थिति समाज की प्रगति में बाधा उत्पन्न करती है।

लैंगिक समानता केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करती, बल्कि यह समाज में सभी व्यक्तियों को समान अवसर प्रदान करने का सिद्धांत है। जब महिलाओं और पुरुषों दोनों को अपनी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब समाज का समग्र विकास संभव होता है। इसलिए शिक्षा को लैंगिक समानता की नींव माना जाता है। शिक्षित व्यक्ति भेदभाव की मानसिकता से ऊपर उठकर समानता और सम्मान के मूल्यों



को अपनाता है।

सरकार द्वारा भी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं। बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के कारण समाज में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। हालांकि केवल सरकारी योजनाएँ ही पर्याप्त नहीं हैं; समाज के प्रत्येक नागरिक को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा।

लैंगिक समानता केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं है, बल्कि आर्थिक विकास से भी जुड़ी हुई है। जब महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के समान अवसर मिलते हैं, तो वे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। विश्व के कई विकसित देशों ने महिलाओं की कार्यक्षेत्र में भागीदारी बढ़ाकर अपनी आर्थिक प्रगति को गति दी है। यदि समाज की आधी आबादी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलते, तो देश की विकास क्षमता भी सीमित हो जाती है।

किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी आवश्यक है। पंचायतों, नगर निकायों, विधानसभाओं और संसद में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझा और हल किया जा सकता है। महिलाओं के नेतृत्व ने यह सिद्ध किया है कि वे प्रशासन, नीति-निर्माण और जनसेवा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर सकती हैं।

आज महिलाएँ लगभग हर पेशे में कार्यरत हैं, लेकिन कई स्थानों पर उन्हें पुरुषों की तुलना में कम वेतन, सीमित अवसर और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। समान कार्य के लिए समान वेतन और सुरक्षित कार्य वातावरण प्रत्येक कर्मचारी का अधिकार है। कंपनियों और संस्थानों को ऐसी नीतियाँ अपनानी चाहिए जो महिलाओं और पुरुषों दोनों को समान अवसर प्रदान करें।

हालाँकि स्थिति में सुधार हुआ है, फिर भी कई चुनौतियाँ मौजूद हैं। रूढ़िवादी सोच, सामाजिक पूर्वाग्रह, शिक्षा की कमी, बाल विवाह, घरेलू हिंसा और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे अभी भी चिंता का विषय हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार, सामाजिक संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा।

युवा वर्ग लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि युवा पीढ़ी समानता, सम्मान और न्याय के मूल्यों को अपनाए, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन तेजी से आएगा। सोशल मीडिया, जागरूकता अभियान और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को इस विषय पर जागरूक किया जा सकता है।

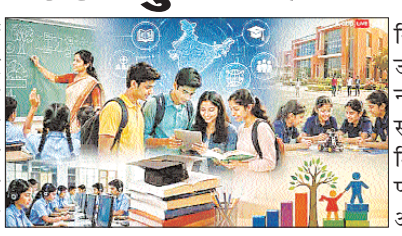
लैंगिक समानता केवल एक सामाजिक आदर्श नहीं, बल्कि मानव अधिकारों का मूल सिद्धांत है। यह समाज में न्याय, सम्मान और समान अवसर सुनिश्चित करती है। जब महिलाएँ और पुरुष समान रूप से विकास की प्रक्रिया में भाग लेते हैं, तब राष्ट्र अधिक मजबूत, समृद्ध और प्रगतिशील बनता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह लैंगिक भेदभाव का विरोध करे और समानता पर आधारित समाज के निर्माण में अपना योगदान दे। एक ऐसा समाज, जहाँ हर व्यक्ति को उसकी योग्यता के आधार पर सम्मान और अवसर मिले, वास्तव में आदर्श समाज कहलाएगा।



रोशनी जायसवाल

टीचर
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,जोंसगंज, जबलपुर।

प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली और नई शिक्षा नीति, परंपरा और आधुनिकता का समन्वय



भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है, जहाँ शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को सफल और सार्थक बनाने का साधन माना गया है। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली ने विश्व को तक्षशिला और नालंदा जैसे महान विश्वविद्यालय दिए, जहाँ देश-विदेश से विद्यार्थी अध्ययन करने आते थे। आज लागू नई शिक्षा नीति भी शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, समावेशी और कौशल-आधारित बनाने का प्रयास कर रही है।

प्राचीन भारत की गुरुकुल शिक्षा प्रणाली- प्राचीन भारत में शिक्षा मुख्यतः गुरुकुल प्रणाली पर आधारित थी। विद्यार्थी गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। यहाँ केवल वेद, उपनिषद, गणित, चिकित्सा, ज्योतिष और दर्शन ही नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा, आत्मानुशासन, योग, शारीरिक प्रशिक्षण और जीवन कौशल भी सिखाए जाते थे। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना था।

नई शिक्षा नीति की प्रमुख विशेषताएँ- नई शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य भारत की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और वैश्विक स्तर के अनुरूप बनाना है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैंरू प्रारंभिक कक्षाओं में मातृभाषा या स्थानीय भाषा में शिक्षा, रटने की बजाय समझ और कौशल-आधारित शिक्षा पर बल, विषयों के चयन में लचीलापन, व्यावसायिक शिक्षा और इंटर्नशिप को बढ़ावा, डिजिटल शिक्षा और नई तकनीकों का उपयोग तथा शोध, नवाचार और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहन।

प्राचीन शिक्षा और नई शिक्षा नीति में समानताएँ- नई शिक्षा नीति में प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के कई मूल सिद्धांत दिखाई देते हैं। दोनों का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है। नैतिक शिक्षा, भारतीय संस्कृति, योग, पर्यावरण संरक्षण और अनुभवात्मक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे विद्यार्थी ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सीखते हैं।

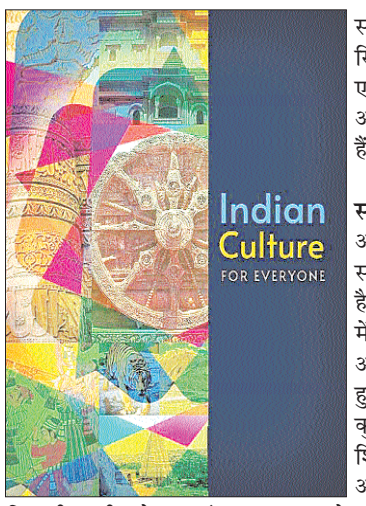
चुनौतियाँ और समाधान- नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियाँ हैंरू सभी विद्यालयों में पर्याप्त डिजिटल संसाधनों का अभाव, शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शैक्षिक असमानता तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सभी की समान पहुँच। इनके समाधान के लिए शिक्षकों का नियमित प्रशिक्षण, डिजिटल सुविधाओं का विस्तार, विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता और विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं मूल्यपरक शिक्षा देना आवश्यक है। सरकार, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज को मिलकर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना होगा।



वर्षा गुप्ता

टीचर
के.सी. हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

परंपरा से आधुनिकता तक, भारतीय संस्कृति का सफर



भारत अपनी प्राचीन संस्कृति, समृद्ध परंपराओं और महान सभ्यता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों पुरानी है और आज भी अपने नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक विचारों तथा सामाजिक आदर्शों के कारण लोगों को प्रेरित करती है। हमारी संस्कृति हमें सत्य, अहिंसा, प्रेम, दया, करुणा, सहिष्णुता और मानवता का मार्ग दिखाती है।

विविधता में एकता सबसे बड़ी विशेषता- भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता ष्विविधता में एकताष् है। भारत में अनेक धर्म, भाषाएँ, वेशभूषाएँ, खान-पान और रीति-रिवाज हैं, फिर भी सभी लोग मिल-जुलकर रहते हैं। यही हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है।

प्रमुख भारतीय परंपराएँ- भारतीय परंपराओं में बड़ों का सम्मान, अतिथि का आदर, संयुक्त परिवार, त्योहारों का उत्सव, योग, आयुर्वेद और प्रकृति की पूजा जैसी अनेक श्रेष्ठ परंपराएँ शामिल हैं। अतिथि देवो भव और वसुधैव कुटुम्बकम जैसे आदर्श पूरी दुनिया को प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैं।

त्योहार और सामाजिक एकता- हमारे प्रमुख त्योहार जैसे दीपावली, होली, ईद, क्रिसमस, गुरुपर्व और पोंगल समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश फैलाते हैं। भारतीय संस्कृति हमें सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करना सिखाती है। ये त्योहार लोगों को एक-दूसरे के निकट लाते हैं और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं।

आधुनिक युग में भारतीय संस्कृति का महत्व- आज के आधुनिक युग में भी भारतीय संस्कृति का महत्व कम नहीं हुआ है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में अपनाया जा रहा है। हमें अपनी अच्छी परंपराओं को बनाए रखते हुए अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहना चाहिए। शिक्षा और वैज्ञानिक सोच के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। अंत में, भारतीय संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहर है। हमें इस पर गर्व करना चाहिए तथा आने वाली पीढ़ियों तक इसके आदर्शों और मूल्यों को पहुँचाना चाहिए।



दीपशिखा गुप्ता

टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, गोविंदगंज, दमोह नाका, जबलपुर।

आत्म चेतना और ब्रह्मांड के गहरे संबंध

मानव जीवन केवल शरीर, विचारों और भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। मनुष्य के भीतर एक ऐसी चेतना विद्यमान है जो उसे स्वयं को समझने, जीवन के उद्देश्य को जानने और ब्रह्मांड के साथ अपने संबंध को अनुभव करने की क्षमता देती है। यही आंतरिक जागरूकता आत्म चेतना कहलाती है। आध्यात्मिक दृष्टि से आत्म चेतना और ब्रह्मांड के बीच एक गहरा और अदृश्य संबंध माना गया है।

आत्म चेतना का वास्तविक अर्थ- आत्म चेतना का अर्थ है अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानना। यह केवल यह जानना नहीं है कि हम कौन हैं, बल्कि यह अनुभव करना है कि हमारे भीतर एक ऐसी शक्ति मौजूद है जो विचारों, भावनाओं और शरीर से भी आगे है। आत्म चेतना मनुष्य को अपने भीतर की शांति, ज्ञान और ऊर्जा से जोड़ती है।

आत्मा और ब्रह्मांड की एकता- आध्यात्मिक विचारधाराओं के अनुसार आत्मा-ब्रह्मांड अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक ही व्यापक चेतना के रूप हैं। जिस प्रकार एक छोटी-सी बूँद समुद्र का ही हिस्सा होती है, उसी प्रकार प्रत्येक जीव ब्रह्मांडीय चेतना का एक अंश माना जाता है। जब व्यक्ति आत्म ज्ञान प्राप्त करता है, तो उसे अपने और पूरे अस्तित्व के बीच जुड़ाव महसूस होने लगता है।

भारतीय दर्शन में आत्म चेतना- भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में आत्म चेतना को सर्वोच्च ज्ञान माना गया है। उपनिषदों में आत्मा को शाश्वत और दिव्य स्वरूप बताया गया है। ष्अहं ब्रह्मास्मिष् का भाव यह दर्शाता है कि मनुष्य के भीतर स्थित चेतना और परम चेतना के बीच गहरा संबंध है। ऋषियों ने ध्यान और साधना के माध्यम से इस सत्य को अनुभव करने का प्रयास किया।

ब्रह्मांड, ऊर्जा और ध्यान- ब्रह्मांड अनंत ऊर्जा, ग्रहों, तारों और रहस्यमयी शक्तियों से भरा हुआ है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी मानव शरीर उन्हीं तत्वों से बना है जो ब्रह्मांड में पाए जाते हैं। इस प्रकार मनुष्य केवल पृथ्वी का निवासी नहीं, पूरे ब्रह्मांड की रचना का एक हिस्सा है। ध्यान आत्म चेतना को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे मनुष्य विचारों की गति को शांत करके भीतर की गहराई को महसूस कर सकता है और ब्रह्मांड के साथ एकता का भाव अनुभव करता है।

विज्ञान और अध्यात्म का मिलन- विज्ञान ब्रह्मांड को बाहरी रूप से समझने का प्रयास करता है, जबकि अध्यात्म मनुष्य के भीतर छिपे ब्रह्मांड को समझने का प्रयास करता है। दोनों का उद्देश्य सत्य की खोज है। आज भी चेतना का रहस्य विज्ञान के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है।

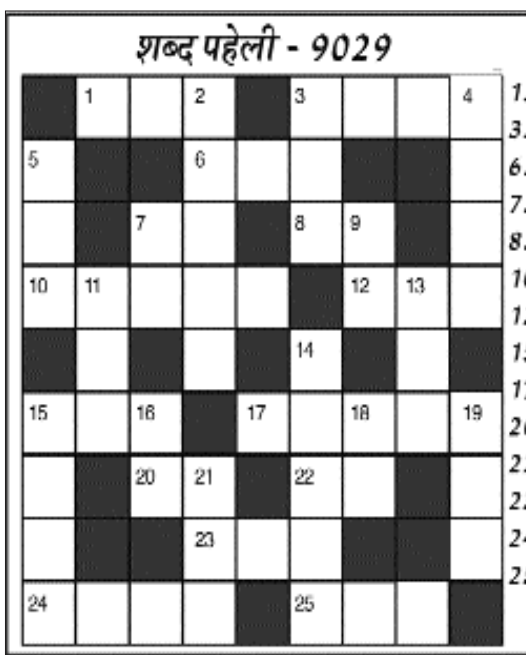
आत्म चेतना से जीवन में परिवर्तन- आत्म चेतना का विकास व्यक्ति को अधिक शांत, संवेदनशील-जागरूक बनाता है। वह जीवन को केवल भौतिक सफलता के रूप में नहीं देखता, बल्कि प्रेम,सेवा,संतुलन,आंतरिक विकास को भी महत्व देता है। आत्म जागरूक व्यक्ति प्रकृति और अन्य जीवों के प्रति सम्मान की भावना रखता है।



अर्चना बख्शी

प्रधानाध्यापिका हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोरखपुर, जबलपुर।

शब्द पहेली - 9029



बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू,सुगंध-3
7. सौ,सैकड़ा,शतक-2
8. दुलारा,लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम,मूल्य,दर-3
15. अग्नि,आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत,अप्सरा-2
22. दाग,कीगत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता,कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना,मान मनुहार करना-3
7. वहम,संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11. मैला,दागदार-3
13. धोखेबाज,कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त,खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -9028 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

दीपावली पर आगजनी की घटना ने खोली व्यवस्थाओं की पोल

फायर ब्रिगेड में पानी नहीं, दूसरी गाड़ी का पंप नहीं बना पाया प्रेशर

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रजापति ने उठाए सवाल

नरसिंहपुर। विशेष अवसरों और त्योहारों पर नगर पालिका सहित संबंधित विभागों को पूरी मुस्तैदी और सक्रियता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि आम नागरिकों को सुविधाएं मिल सकें और किसी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल नियंत्रण पाया जा सके। लेकिन अफसोस का विषय है कि दीपावली जैसे सनातन धर्म के सबसे बड़े पर्व पर नरसिंहपुर सहित पूरे प्रदेश में प्रशासनिक लापरवाही और उदासीनता सामने आई है। प्रदेश के अनेक स्थानों पर आगजनी की घटनाएं हुईं, जिनमें जन-धन की हानि हुई। भगवान नरसिंह एवं मां नर्मदा की कृपा से नरसिंहपुर में केवल वित्तीय नुकसान हुआ, जनहानि नहीं हुई।

उक्त बात पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व ऊर्जा मंत्री एनपी प्रजापति ने संतराम पैराडाइज में आयोजित पत्रकारवार्ता में कही।

श्री प्रजापति ने दीपावली के दिन अपने निवास पर हुई आगजनी की घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि शाम के समय उनके घर में आग लगने से कार और मोटरसाइकिल जलकर नष्ट हो गईं। घटना की तत्काल सूचना देने के बावजूद नगरपालिका की फायर ब्रिगेड लगभग 40 मिनट की देरी से पहुंची, जबकि घटनास्थल नगरपालिका कार्यालय से मात्र 5-7 मिनिट की बेहद कम दूरी पर था। उन्होंने आरोप लगाया कि पहली फायर ब्रिगेड में पर्याप्त पानी ही नहीं था, वहीं दूसरी गाड़ी के कर्मचारी पंप चलाने की तकनीक से परिचित नहीं थे। एक गाड़ी में पानी नहीं था तो दूसरी में पानी का प्रेशर नहीं बन पा रहा था। उन्होंने बताया कि दीपावली के दिन शाम के समय बिजली भी बंद थी। यदि बिजली उपलब्ध होती तो घर में लगे मोटर पंप की मदद से आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास किया जा सकता था। श्री प्रजापति ने कहा कि यदि यही घटना किसी खुले स्थान वाले क्षेत्र में और अधिक विकराल रूप ले लेती तो भारी जन-धन की हानि हो सकती थी। मेरे निवास पर हुई घटना में चारों तरफ दीवार थी और ऊपर पक्का छत था इसलिए आग फेल नहीं पाई।

उन्होंने कहा कि इन पूरे घटनाओ में प्रशासन मे न तो संवेदनशीलता दिखाई दी और न ही जिम्मेदारी का निर्वहन। नरसिंहपुर सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर हुई आगजनी की घटनाओं और उनमें सामने आई व्यवस्थागत कमियों के लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

सीएमओ छुट्टी पर थे तो किसके भरोसे छोड़ी व्यवस्था...

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार पर नगरपालिका के सीएमओ अवकाश पर थे तो वे नगरपालिका की जिम्मेदारी किसके भरोसे छोड़कर गए थे? त्योहार के समय उन्हें छुट्टी किसने स्वीकृत की? नगरपालिका कार्यालय से पांच मिनट से भी कम दूरी पर हुई घटना की सूचना के लगभग आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड पहुंचती है और वह भी ऐसी स्थिति में कि उसमें पर्याप्त पानी नहीं था तथा दूसरी गाड़ी का पंप ठीक से काम नहीं कर रहा था। यह स्थिति बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की तुलना में नगरपालिका द्वारा वसूले जाने वाले टैक्स में लगभग दोगुनी वृद्धि की गई है, जिसमें फायर टैक्स भी शामिल है। इसके बावजूद आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त क्यों नहीं हैं? जब नागरिकों से सुरक्षा के नाम पर टैक्स लिया जा रहा है तो आपातकालीन परिस्थितियों में ऐसी लापरवाही क्यों सामने आ रही है? श्री प्रजापति में कहा कि जो अधिकारी जिम्मेदार रहते हैं और ऐसे अवसर पर अवकाश लेते हैं उन पर कार्रवाई करते हुए यह तय क्या जाए कि जिस व्यक्ति का जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई उनके वेतन से किया जाए और फायर ब्रिगेड की मरम्मत और देख के रजिस्टर की जांच की जाए।

शहर का विस्तार होगा तो सुरक्षा व्यवस्था कैसे संभलेगी

श्री प्रजापति ने शहर की सीमाओं के विस्तार के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि नगरपालिका क्षेत्र की सीमाओं का विस्तार 7-8 किलोमीटर तक बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। क्या जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने इस विस्तारित क्षेत्र में नागरिकों को सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कोई रोडमैप तैयार किया है? जब वर्तमान शहर की व्यवस्थाएं ही ठीक से नहीं संभल पा रही हैं तो विस्तार के बाद स्थिति क्या होगी, यह बड़ा सवाल है।

उन्होंने कहा कि आगजनी की घटना शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्र में हुई थी। यदि आग किसी छोटे मकान या झोपड़ी में लगती अथवा तेजी से फैलती तो परिणाम बेहद गंभीर हो सकते थे। उन्होंने सिवनी जिले के छपारा और कटनी जिले के बरही में हुई आगजनी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं से सबक लेकर प्रशासन को अपनी तैयारियां मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रशासन केवल मूकदर्शक बनकर नागरिकों की जान-माल का नुकसान देखता रहेगा? क्या यही नरसिंहपुर शहर की व्यवस्था और प्रशासन की जवाबदेही है?

भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग

श्री प्रजापति ने मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की पर्याप्त संख्या, उनमें पानी की उपलब्धता, पंपों की कार्यशीलता और प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी भी निर्धारित होनी चाहिए, ताकि किसी भी घटना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। पत्रकारवार्ता में उन्होंने प्रदेश की नगरपालिकाओं में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि नगरपालिकाओं में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है और नरसिंहपुर जिला भी इससे अछूता नहीं है।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग 70 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग बुधवार 11 नवंबर को 70 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता (19 वर्ष बालक वर्ग) के उद्घाटन सहित चीचली एवं गाडरवारा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग का जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार बुधवार 11 नवंबर को दोपहर 12 बजे भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 2:30 बजे जिले के चीचली आएंगे और यहां स्थित शासकीय आईटीआई कन्या हाई स्कूल के पीछे चीचली में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात अपरान्ह 3:45 बजे चीचली से गाडरवारा के लिए प्रस्थान करेंगे व सायं 4 बजे गाडरवारा आएंगे। यहां कृषि उपज मंडी के पीछे आउटडोर स्टेडियम के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। तदुपरांत मंत्री श्री सारंग सायं 4:30 बजे रूद्र मैदान गाडरवारा में आयोजित 70 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता (19 वर्ष बालक वर्ग) के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके बाद सायं 5:45 बजे छिड़ावघाट नदी मोहल्ला गाडरवारा में स्व. श्री कैलाश नारायण सारंग जी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात मंत्री श्री सारंग सायं 6:15 बजे गाडरवारा से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

दीपावली पर आगजनी की घटना

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

दीपावली की रात जिले में आगजनी की दो अलग-अलग घटनाओं से लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। अंजनिया के इंद्रा चौक स्थित हार्डवेयर दुकान में आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया वहीं जहरमऊ गांव में राइस मिल परिसर में खड़ा ट्रक भी आग की चपेट में आकर जल गया दोनों घटनाओं की सूचना मिलने पर दमकल टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया पहली घटना अंजनिया के इंद्रा चौक की है यहां विक्रम पटेल की हार्डवेयर दुकान में दीपावली की रात अचानक आग लग गई आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई इसके बाद बिछिया और बम्हनी बंजर नगर परिषद की दमकल टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव मनाया गया



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

स्थानीय श्री संत तारण तरण जैन चैत्यालय जी में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव पूर्ण श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया इस अवसर पर सुबह 6.30 बजे से श्री कि छद्मस्थ वाणी का पाठ किया गया ततपश्चात मन्दिर विधि की गई दीपक जलाकर काकड़ा आरती की गई जैन समाज द्वारा दीपावली पर्व को मनाये जाने का अलग महत्व है इस दिन को जैन समाज में भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष जाने पर निर्वाण उत्सव के रूप में मनाते हैं इस अवसर पर अन्य सभी जैन मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण उत्सव पर लाडू चढाये गये।

गाडरवारा बनेगा क्रिकेट का महाकुंभ : मंत्री उदयप्रताप सिंह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।



मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा क्षेत्रीय विधायक उदयप्रताप सिंह ने मंगलवार को एक निजी होटल में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि गाडरवारा के लिए यह बड़े गौरव का विषय है कि यहां 11 से 17 नवंबर तक 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता अंडर-19 बालक वर्ग का आयोजन होने जा रहा है।मंत्री श्री सिंह ने कहा कि रूद्र मैदान गाडरवारा सहित अन्य ग्रामीण खेल मैदानों पर इस प्रतियोगिता के मुकाबले खेले जाएंगे। इस बार प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं। उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम, चारों दिशाओं के खिलाड़ियों का यहां संगम होने जा रहा है। यह आयोजन गाडरवारा के लिए किसी क्रिकेट के महाकुंभ से कम नहीं होगा। उन्होंने मीडिया के साथियों से आग्रह किया कि वे क्रिकेट मैचों का कवरेज करते हुए आयोजन में सहयोग करें और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल एक खेल आयोजन नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का एक बड़ा अवसर है। बाहर से आने वाले खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री श्री सिंह ने जानकारी दी कि 11 नवंबर को प्रतियोगिता के उद्घाटन के साथ-साथ गाडरवारा में कई विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि गाडरवारा में बनने वाले ओपन स्टेडियम का भूमिपूजन किया जाएगा। साथ ही चीचली में आईटीआई भवन का लोकार्पण होगा। इसके अलावा अन्य विकास कार्यों के भी भूमिपूजन एवं लोकार्पण किए जाएंगे।इस आयोजन के उद्घाटन समारोह एवं भूमि पूजन लोकार्पण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री विश्वास सारंग भी शिरकत कर रहे है । मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस राष्ट्रीय आयोजन से गाडरवारा का नाम देशभर में रोशन होगा। क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को को 27 राज्यों के खिलाड़ियों को नजदीक से देखने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और खेल मैदानों पर व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित की गई हैं। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष पंडित शिवाकांत मिश्रा, भाजपा नेता मुकेश मरैया, डॉ हरगोविंद सिंह , राव संदीप सिंह उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा ने करते हुए आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।

अवैध शराब जप्त आरोपी गिरफ्तार

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध शराब के संग्रहण एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में पुलिस चौकी अंजनिया को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम झिंगराघाट पुल के पास एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से शराब संग्रहित कर बिक्री करने की तैयारी में है। सूचना पर थाना प्रभारी बम्हनी सत्येंद्र रघुवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर दबिश दी गई पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया पूछताछ में आरोपी की पहचान नकुल पटेल उम्र 54 वर्ष निवासी ग्राम झिंगराघाट चौकी अंजनिया थाना बम्हनी के रूप में हुई आरोपी के घर की तलाशी लेने पर 7 पेटियों में रखी कुल 348 पाव अवैध शराब बरामद की गई इस प्रकार कुल 62.640 लीटर शराब अनुमानित कीमत 45,600 जप्त की गई आरोपी के विरुद्ध थाना बम्हनी में अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक कृष्णकुमार चौबे, प्रधान आरक्षक संतोष कुमार मरावी, नारायण प्रसाद उइके एवं जगदीश मसराम, आरक्षक अनिल भलावी शामिल रहे।

चित्रकूट में पेट्रोल पंप के जरिए साइबर ठगी का अनोखा खेल

650 का पेट्रोल और ?65,000 का पेमेंट 3 गिरफ्तार

सतना स्वतंत्र मत।



चित्रकूट पुलिस ने एक ऐसे शातिर साइबर गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो हैक किए गए बैंक खातों की रकम को पेट्रोल पंपों के जरिए कैश करता था। प्रयागराज के रहने वाले यह आरोपी (सिद्धार्थ आदिवासी प्रियांशु और नितिन प्रताप सिंह) पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को अपनी ओर मिलाते थे। यह गिरोह पंप पर महज ?650 का पेट्रोल डलवाकर जानबूझकर त्रुक्र कोड पर ?65,000 ट्रांसफर कर देता था। इसके बाद चालती सेज्ज ज्यादा पैसे भेजने का बहाना बनाकर, मिले हुए कर्मचारी की मदद से ?64 350 कैश वापस ले लेता था। साउथ इंडिया के पीड़ित की शिकायत पर जब पेट्रोल पंप मालिक का खाता सीज हुआ तब पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में साइबर टीम ने जांच कर इस अनोखे नेटवर्क को दबोच लिया।

अवैध शराब जप्त दो पर मामला दर्ज

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्यवाही करते हुए मोहगांव पुलिस ने ग्राम सालीवाड़ा में दबिश देकर 150.180 लीटर अवैध शराब जब्त की है। जब्त शराब की कुल कीमत 77,381 रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 नवंबर को अवैध शराब रखे होने की सूचना मिलने पर मोहगांव पुलिस ने ग्राम सालीवाड़ा में चमरूसिंह मार्को के कच्चे मकान में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान वहां से विभिन्न ब्रांड शराब बरामद की गई पुलिस के मुताबिक, बरामद शराब सुमन मार्को पिता महेंद्र सिंह मार्को, निवासी सालीवाड़ा रैयत द्वारा रखी गई थी इस मामले में पुलिस ने चमरू सिंह मार्को पिता सुमरी सिंह मार्को, उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम सालीवाड़ा तथा सुमन मार्को पिता महेंद्र सिंह मार्को, निवासी ग्राम सालीवाड़ा रैयत के विरुद्ध अपराध 284/26 दर्ज किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई है ।

बाठिया से करुआ तक बनी सड़क पर भ्रष्टाचार के आरोप

मिट्टी के ऊपर बिछा दी गई डामर की पतली परत

पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

मैहर।

मैहर जिले की बाठिया पंचायत से करुआ पंचायत तक हाल ही में निर्मित सड़क की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सड़क निर्माण के साथ चौड़ीकरण का कार्य भी कराया गया, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार ने निर्माण में गुणवत्ता के मानकों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क पर डामरीकरण के नाम पर एक इंच से भी कम सामग्री की परत बिछाई गई है। सड़क की हालत देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि डामर की अपेक्षा ऑयल का इस्तेमाल अधिक किया गया है। मिट्टी के ऊपर बेहद पतली परत डालकर सड़क निर्माण की औपचारिकता पूरी कर दी गई। आरोप है कि मुख्य मार्ग से दूर ग्रामीण क्षेत्र में सड़क बनाए जाने का फायदा उठाकर ठेकेदार ने मनमानी की और निर्माण की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया।स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी धन से बनने वाली सड़क यदि शुरुआत से ही घटिया गुणवत्ता की होगी तो वह कितने दिन टिक पाएगी सड़क निर्माण के नाम पर जनता के पैसों का इस तरह दुरुपयोग आखिर किसकी निगरानी में हो रहा है?

इस पूरे मामले में लोक निर्माण विभाग (क्ष्ब्ष्ठ) की निगरानी व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। आखिर विभागीय अधिकारियों ने निर्माण के दौरान गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं की? क्या अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सड़क निर्माण का निरीक्षण किया था या फिर ठेकेदार को मनमानी करने की खुली छूट दे दी गई? विभाग को चाहिए कि बाठिया से करुआ तक निर्मित सड़क की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए। सड़क की मोटाई, डामर की गुणवत्ता और इस्तेमाल की गई निर्माण सामग्री की प्रयोगशाला से जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। यदि जांच में अनियमितता प्रमाणित होती है तो संबंधित ठेकेदार के साथ जिम्मेदार अधिकारियों पर भी ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। मैहर जिला बनने के बाद विकास कार्यों को लेकर लोगों की उम्मीदें बढ़ी थीं लेकिन यदि सरकारी निर्माण कार्यों में इसी तरह गुणवत्ता की अनदेखी होती रही तो जनता का भरोसा व्यवस्था से उठना स्वाभाविक है। सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इस सड़क की जांच कराएंगे या फिर घटिया निर्माण पर पर्दा डालकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगाद्य अब देखना होगा कि पीडब्ल्यूडी विभाग इस मामले में कब संज्ञान लेता है और सरकारी धन से बनी इस सड़क की गुणवत्ता की सच्चाई जनता के सामने कब आती है।

अवैध कॉलोनियों को रोकने अब नए सिरे से बनेगा एक्ट का ड्राफ्ट

कॉलोनाइजरों को राहत देने की थी तैयारी

10 साल की जेल 5 करोड़ जुर्माना पर भी आपत्ति



सतना स्वतंत्र मत। प्रदेश में अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर रोक लगाने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अब संशोधन विधेयक का ड्राफ्ट नए सिरे से तैयार करना होगा। करीब दो साल की मशक्कत के बाद तैयार किए गए ड्राफ्ट को साधिकार समिति ने कई सवालों के साथ लौटा दिया है। समिति के कुछ सदस्यों ने यहां तक कहा कि कोई कॉलोनी अवैध नहीं होती। इसके लिए मौजूदा कानूनों में भी पर्याप्त प्रावधान हैं। ऐसे में नया कानून बनाने की जरूरत और उसमें प्रस्तावित सख्त सजा व जुर्माने के औचित्य पर सवाल उठाए गए। समिति ने गांवों में जमीन की खरीदी-बिक्री और मकान निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका भी जताई है। साथ ही विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों का अद्यतन आंकड़ा मांगा है। अब विभाग को इन आपत्तियों और सुझावों के आधार पर ड्राफ्ट में बदलाव करना होगा।

बता दें अभी बनाए गए नियमों में कॉलोनी विकास में प्रक्रियाओं को सरल बना अनावश्यक खर्चमुक्त बनाने का कॉन्सेप्ट था।

प्रमुख प्रावधान प्रस्तावित कानून शहरी ग्रामीण और कैंटोनमेंट क्षेत्रों में भी लागू होगा।

- कॉलोनाइजर को 5 साल में सड़क बिजली पानी और सीवेज जैसी सुविधाएं देनी होंगी।
- अवैध कॉलोनी विकसित करने पर 10 साल तक की जेल और 5 करोड़ तक जुर्माना।
- कॉलोनियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। खरीदार ऑनलाइन वैधता जांच सकेंगे।
- अवैध कॉलोनी हटाने के लिए 15 दिन का नोटिस दिया जाएगा। पालन नहीं होने पर निकाय निर्माण ढहाकर जमीन कब्जे में लेगा।
- कलेक्टर, निगम आयुक्त, पार्षद और सरपंच तक की जिम्मेदारी तय होगी।
- कार्रवाई में देरी करने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान रहेगा।

सख्ती पर सवाल

विभाग ने वर्षों पहले प्रदेश में 7981 अवैध कॉलोनी चिह्नित की थीं। अब इनकी संख्या आठ हजार से अधिक होने का अनुमान है। इसके बाद व्यापक सर्वे नहीं कराया गया। नगर निगमों की तुलना में नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्रों में ऐसी कॉलोनियां अधिक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित अवैध कॉलोनियों का भी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। समिति ने विभाग से गांवों की अवैध कॉलोनियों का पूरा डेटा मांगा है। समिति के सदस्यों ने 10 साल तक की जेल और पांच करोड़ रुपए तक जुर्माने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। उनका तर्क था कि सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत नियमों को सरल कर रही है। दो जनविश्वास अधिनियमों के जरिए कई मामलों में जेल की सजा को आर्थिक दंड में बदला है। इसके उलट नए कानून में सजा और बढ़ाई है। जबकि मौजूदा प्रावधानों में ही सात साल तक की सजा का प्रावधान है।

ड्राफ्ट में खरीदारों के हितों को रखा था ध्यान

वर्तमान में कॉलोनी विकास के लिए सभी क्षेत्रों में 7.5 मीटर चौड़ी सड़क अनिवार्य है। छोटे भूखंडों पर कॉलोनी विकसित करने वाले कॉलोनाइजरों को इस शर्त के कारण अनुमति मिलने में परेशानी होती है। कई बार वे नियमों का उल्लंघन कर कॉलोनियां विकसित कर देते हैं। इसका खामियाजा प्लॉट और मकान खरीदने वालों को भुगतना पड़ता है। नए ड्राफ्ट में गांवों और शहरों के लिए सड़क की चौड़ाई के अलग मापदंड प्रस्तावित थे। छोटे मकान बनाने वालों को भी छूट की तैयारी थी।



टेकराम राय बने ब्लॉक अध्यक्ष

मण्डला/बिछिया (स्वतंत्रमत)।

कांग्रेस के ऊर्जावान कार्यकर्ता टेकराम राय को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भुआ बिछिया का ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने क्षेत्रीय विधायक नारायण सिंह पट्टा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले के अनुमोदन पर यह नियुक्ति की है टेकराम राय पूर्व में जल उपभोक्ता संस्था के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं क्षेत्र में उनकी सक्रियता सहज व्यवहार किसानों के प्रति संवेदनशीलता और कुशल नेतृत्व क्षमता के चलते उनकी नियुक्ति की गई है। उनके ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बनने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं मित्रों और नगरवासियों में हर्ष का माहौल है कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की उम्मीद जताई है कांग्रेस सेवक राजेन्द्र कुमार साहू ने टेकराम राय की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

छात्राओं को किया जागरूक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में 4 नवंबर को एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुर्सीपार में वन स्टॉप सेंटर द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणाम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, लैंगिक हिंसा, पॉक्सो एक्ट एवं बाल अधिकारों की जानकारी दी।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। थाना नैनपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौरा छापर के पोषक ग्राम माखा टोला में एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार माखा टोला निवासी सविता संग्राम (उम्र 51 वर्ष) ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगा ली, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर नैनपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है तथा मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। फिलहाल महिला द्वारा उठाए गए इस कदम के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

दीपावली रही निराशाजनक उम्मीद से कम रहा व्यापार व्यापारी दिखे उदास न बिकी मिठाई और न बिके फटाखे

मण्डला(स्वतंत्रमत)।





इस बार दीपावली में उम्मीद से कम व्यापार होने से हर व्यापारी परेशान नजर आया। देर रात तक गुलजार होने वाले बाजार रात 10 बजे से सन्नाटा में पसर गए। व्यापारियों ने अच्छी ग्राहकी को लेकर थोक बाजार से माल खरीद कर तो लाए लेकिन बिक्री न होने से व्यापारी निराश हो गए। धनतेरस से लेकर दीपावली तक यही हाल बाजार में दिखा। व्यापारियों ने कहा कि इस बार की दीपावली निराशाभरी रही है। वहीं मिठाई दुकानदार भी उदास दिखे अनेक किस्मों से सजी मिठाई की दुकानों में ग्राहकों ने कदम भी नही रखा लिहाजा व्यापारियों की मिठाई धरी की धरी रह गई वहीं सबसे बुरे हालात फटाखा व्यापारियों के रहे हैं। नगर मुख्यालय से फटाखा दुकान दूर ग्राम पंचायत क्षेत्र में लग जाने से आम जनता ने दूरी बना ली। वहीं छोटे बच्चें भी फटाखा बाजार तक नही पहुंच पाए। फटाखा व्यापारियों में रोष है और उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की लापरवाही से यह स्थिति बनी और उन्हें लाखों का घाटा उठाना पड़ा। बता दें कि दीपावली का त्योहार आमतौर पर बाजारों में रौनक, खरीदारी और बढ़ते कारोबार का प्रतीक माना जाता है। व्यापारी भी इसी उम्मीद में पहले से तैयारियां करते हैं। कपड़े, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सजावटी वस्तुओं और अन्य जरूरी सामान का पर्याप्त स्टॉक जुटाया गया था। दुकानदारों को उम्मीद थी कि धनतेरस से शुरू होने वाली ग्राहकी दीपावली तक जोर पकड़ेगी और पिछले दिनों की सुस्ती की भरपाई हो जाएगी। लेकिन बाजार का माहौल उम्मीदों के विपरीत रहा दुकानदारों के मुताबिक ग्राहकों की आवाजाही तो कहीं-कहीं दिखाई दी, लेकिन खरीदारी में वह तेजी नहीं थी जिसकी उम्मीद की जा रही थी। कई दुकानों पर दिनभर ग्राहक कम पहुंचे, वहीं शाम होते-होते बाजार की रौनक भी फीकी पड़ गई। रात 10 बजे के आसपास सड़कों और दुकानों में सन्नाटा नजर आने लगा। ऐसे में व्यापारियों के सामने खरीदे गए माल की लागत निकालने की चिंता खड़ी हो गई दीपावली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने की उम्मीद में दुकानदारों ने अलग-अलग किस्मों की मिठाइयां तैयार कराई थीं। दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया गया और ग्राहकों को लुभाने के लिए कई तरह के विकल्प रखे गए। इसके बावजूद मिठाई की दुकानों पर अपेक्षित भीड़ नहीं पहुंची। दुकानदार ग्राहकों का इंतजार करते रहे लेकिन बिक्री ने उनकी उम्मीदों का साथ नहीं दिया मिठाई कारोबारियों के लिए यह स्थिति चिंता बढ़ाने वाली रही। त्योहार के मद्देनजर पहले से तैयार की गई मिठाइयों की बिक्री कम रहने से माल बचने की समस्या सामने आई। कारोबारियों का कहना है कि त्योहारों पर होने वाली बिक्री ही उनके व्यवसाय को सहारा देती है लेकिन इस बार ग्राहकी कमजोर रहने से लागत और मुनाफे का हिसाब बिगड़ गया इस बार सबसे ज्यादा नाराजगी पटाखा कारोबारियों में देखने को मिली। उनका आरोप है कि नगर मुख्यालय से दूर ग्राम पंचायत क्षेत्र में पटाखा बाजार लगाए जाने के कारण आम लोगों की पहुंच प्रभावित हुई। दूरी के चलते अनेक परिवार बाजार तक नहीं पहुंच पाए। छोटे बच्चों के लिए भी पटाखे खरीदने के लिए दूर जाना परेशानी भरा रहा। नतीजतन पटाखा दुकानदारों को अपेक्षित ग्राहक नहीं मिले और बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई पटाखा व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने त्योहार को देखते हुए बड़ी मात्रा में माल खरीदा था। उन्हें उम्मीद थी कि दीपावली के दिन तक अच्छी बिक्री होगी लेकिन बाजार की स्थिति ने उनकी गणना गलत साबित कर दी।

व्यापारियों ने इस नुकसान के लिए जिला प्रशासन की व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराते हुए नाराजगी जताई। उनका दावा है कि गलत स्थान पर बाजार लगाए जाने से उन्हें लाखों रुपये के नुकसान का सामना करना पड़ा पटाखा बाजार को नगर से दूर लगाए जाने का मुद्दा अब व्यापारियों की नाराजगी का प्रमुख कारण बन गया है। कारोबारियों का सवाल है कि जब दीपावली पर आम जनता और बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखना जरूरी था तो बाजार का स्थान तय करते समय इन पहलुओं पर पर्याप्त विचार क्यों नहीं किया गया।

व्यापारियों के अनुसार यदि बाजार तक पहुंच आसान होती तो ग्राहकों की संख्या बढ़ सकती थी और बिक्री में सुधार की संभावना रहती कुल मिलाकर इस बार दीपावली का कारोबार व्यापारियों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। कमजोर ग्राहकी दुकानों में बचा सामान और पटाखा बाजार की व्यवस्था को लेकर उठे सवालों ने त्योहार के उत्साह पर असर डाला। अब व्यापारियों को चिंता है कि इस नुकसान की भरपाई कैसे होगी। दीपावली जहां खुशियों और समृद्धि का संदेश लेकर आती है वहीं इस बार मंडला के कई कारोबारियों के लिए यह आर्थिक मायूसी और व्यवस्था पर सवाल छोड़ गई।

दयोदय गौशाला में गोवर्धन पूजा



मण्डला(स्वतंत्रमत)।

ग्राम आमानाला स्थित दयोदय पशुसेवा सदन गौशाला में श्री गोवर्धन पूजा का जिला स्तरीय कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा उल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर शामिल हुए।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गोवर्धन पूजा संपन्न की इसके पश्चात उन्होंने श्रद्धापूर्वक गौमाता का पूजन किया उन्हें तिलक लगाया आरती उतारी और अपने हाथों से गौमाता को हरा चारा एवं पौष्टिक आहार ग्रहण कराया जिला पंचायत सीईओ श्री मीना सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों ने भी गौमाता की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया गौ-संरक्षण और संवर्धन की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कलेक्टर ने दयोदय पशुसेवा सदन के प्रबंधकों और सदस्यों के साथ वित्तीय और संसाधन के स्तर पर आत्मनिर्भर बनाने की भावी योजनाओं और रणनीतियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के उपसंचालक उग्रसेन तिवारी सहित संबंधित अधिकारी गौशाला प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष ने की मुख्यमंत्री से भेंट

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष उत्कर्ष यादव ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके विशेष रूप से उपस्थित रहीं। भेंट के दौरान युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष उत्कर्ष यादव के साथ सोशल मीडिया संयोजक शोभित रावत, राहुल सिंगौर सहित अन्य युवा साथी भी मौजूद रहे इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव नियुक्त युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष उत्कर्ष यादव को नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का मार्गदर्शन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा मोर्चा के नेतृत्व में युवाओं को पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाना चाहिए। राष्ट्र निर्माण के कार्यों में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें समाज एवं देश के विकास के लिए सदैव सक्रिय रहना चाहिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी संवेदनशीलता और सक्रियता के साथ कार्य करना चाहिए। संगठन की विचारधारा और सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है मुख्यमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन एवं शुभकामनाओं पर उत्कर्ष यादव ने आभार व्यक्त करते हुए संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करने का संकल्प व्यक्त किया।

भरमार बंदूक फटने से मामा की मौत, भांजा गिरफ्तार

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)।

जिले के निवास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जंगलिया में दीपावली की देर रात भरमार बंदूक फटने से हुई 45 वर्षीय भारत सिंह मार्को की मौत के मामले में पुलिस ने उनके भांजे वीरेंद्र सिंह उईके को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार घटना के समय करीब 70 वर्षीय राम सिंह मार्को की लाइसेंसी भरमार बंदूक खाली करने के लिए उनके नाती वीरेंद्र सिंह उईके को दी गई थी। वीरेंद्र बंदूक खाली कर रहा था तभी अचानक बंदूक फट गई। इस दौरान पास में खड़े उसके मामा भारत सिंह मार्को के सीने में छर्रे और बंदूक के टुकड़े लग गए। गंभीर चोट आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई हादसे के बाद परिजन भारत सिंह को निजी वाहन से निवास अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही निवास पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया निवास थाना प्रभारी धर्मेंद्र धुर्वे के अनुसार मामले की जांच के बाद पुलिस ने वीरेंद्र सिंह उईके को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में कार्यवाही की गई है आरोपी को न्यायालय में पेश किया पुलिस बंदूक फटने के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

कुकतीसरई में बाल उद्यान का शुभारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा वन एवं वन्यजीव संरक्षण में ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा स्थानीय समुदायों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इको विकास समितियों के माध्यम से ग्रामीणों से सतत संवाद स्थापित कर उनके प्रस्ताव एवं आवश्यकताओं के अनुरूप ग्राम विकास के कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही मानव-वन्यजीव द्वंद्व को कम करने एवं ग्रामीणों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में भी विभिन्न पहल की जा रही हैं इसी क्रम में बफर जोन वनमंडल अंतर्गत मोतीनाला बफर परिक्षेत्र के छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से लगे अत्यंत दूरस्थ एवं दुर्गम ग्राम कुकतीसरई में बच्चों को सुरक्षित खेल का स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कान्हा बाल उद्यान की स्थापना की गई है रवीन्द्र मणि त्रिपाठी क्षेत्र संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा इको विकास समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में बाल उद्यान का शुभारंभ कर इसे बच्चों को समर्पित किया गया। उद्यान की नियमित देखरेख एवं सुरक्षा का दायित्व कान्हा बाल मित्र दल द्वारा निभाया जाएगा ग्राम विकास एवं ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उद्यान की स्थापना के साथ ही ग्राम तक पहुंच मार्ग में सोलर स्ट्रीट लाइट भी लगवाई गई हैं जिससे रात्रि के समय ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

इस अवसर पर आशीष पाण्डेय सहायक संचालक सिझोरा, सुनील पन्द्रे, सहायक संचालक मलाजखंड अभिषेक दुबे, परिक्षेत्र अधिकारी सिझोरा प्रिवेश बराड़े, परिक्षेत्र अधिकारी गढ़ी, सुश्री पूजा बघेल, परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला सहित अन्य अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राकट्य दिवस पर कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब के प्राकट्य दिवस के अवसर पर में दो दिवसीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हरे माधव परमार्थ सत्संग समिति कटनी मप्र शाखा के तत्वावधान में 12 एवं 13 नवंबर को विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे इसमें हरे माधव भजन संध्या मां नर्मदा पूजन हरे माधव अरदास भगवान ईश्वरशाह जी की लीलाओं के दर्शन और भव्य शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रहेंगे आयोजन के पहले दिन 12 नवंबर को माहिष्मति घाट पर शाम 7 बजे मां नर्मदा जी का पूजन किया जाएगा इसके पश्चात हरे माधव अरदास होगी। साथ ही दिल्ली से पधार रहे भाई सुनील अरोरा के द्वारा हरे माधव भजन संध्या की प्रस्तुति दी जाएगी।

राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगी नैनपुर की आराधना मिश्रा

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित



नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर की होनहार खिलाड़ी एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैनपुर की कक्षा नवमी की छात्रा कु. आराधना मिश्रा ने अपनी प्रतिभा और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से नगर को गौरवान्वित किया है। आराधना का चयन राष्ट्रीय शालेय कराते प्रतियोगिता के लिए हुआ है। आराधना मिश्रा ने इंदौर में आयोजित शालेय राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार सहित नगर के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। आराधना की इस उपलब्धि पर नगर के खेल प्रेमियों एवं गणमान्य नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। वहीं विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य सुषमा मिश्रा, जगदीश शर्मा, नेहा मैडम, जगदीश सनोडिया, महेश मेश्राम, प्रभात कौशल एवं शाशक सिंह ने आराधना को बधाई देते हुए उनके पीटीआई एवं मार्गदर्शक के प्रयासों की भी सराहना की नगरवासियों ने उम्मीद जताई है कि आराधना राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पदक हासिल कर नैनपुर और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर गौ माताओं को कराया प्रिय आहार

मुक्ति धाम गौशाला में धार्मिक आयोजन, गौ-सेवा और प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश



नैनपुर स्वतंत्र मत। गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट पर्व के अवसर पर नगर के वार्ड क्रमांक 14 स्थित मुक्ति धाम परिसर की गौशाला में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोवर्धन महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना कर परिक्रमा की गई। इसके पश्चात गौ माताओं का पूजन कर उन्हें तिलक लगाया गया तथा उनके पसंदीदा आहार एवं मिठाई खिलाकर गौ-सेवा का पुण्य लाभ लिया गया। आयोजन में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, पार्षद राजाराम शर्मा, मनोनीत पार्षद मदन यादव एवं प्रदीप मिश्रा सहित सामाजिक सरोकारों से जुड़े अवध मिश्रा, जयप्रकाश शर्मा, रामजी दुबे तथा अन्य सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए गौ-सेवा के महत्व को रेखांकित किया। हिंदू धर्म में गोवर्धन पूजा का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा के स्थान पर गोवर्धन पर्वत, गौ माता और प्रकृति की पूजा करने का संदेश दिया था। इससे क्रोधित होकर इंद्र ने ब्रज में मूसलाधार वर्षा की। तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठ अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सात दिनों तक ब्रजवासियों और गौवंश की रक्षा की थी। इसी प्रसंग की स्मृति में गोवर्धन पूजा की परंपरा प्रारंभ हुई। गोवर्धन पूजा के साथ अन्नकूट पर्व भी मनाया जाता है। अन्नकूट का शाब्दिक अर्थ अन्न का पहाड़ है। इस दिन विभिन्न प्रकार के पकवानों और व्यंजनों का भोग भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता है।

यह परंपरा अन्न के प्रति कृतज्ञता, उसकी महत्ता और उसे व्यर्थ न गंवाने का संदेश देती है। बल्कि यह प्रकृति, पर्वत, पेड़-पौधों, गौवंश और किसानों के प्रति सम्मान एवं संरक्षण की भावना को भी सुदृढ़ करती है। मुक्ति धाम गौशाला में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से भी गौ-सेवा, अन्न के सम्मान और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया।

संपादकीय

ट्रंप की दोहरी जुबान

नौवीं बार संभावनाएं जताई जा रही हैं कि अमरीका ईरान पर 'परमाणु हमला' कर सकता है! राष्ट्रपति ट्रंप इजरायल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लगातार दबाव में हैं कि परमाणु हमले से ही 'ईरान समस्या' का कोई समाधान मिल सकता है। यदि ईरान पर परमाणु हमला किया गया, तो उसके बाद तीसरे विश्व युद्ध की स्थितियां 'चरम' पर होंगी। रूस, उत्तरी कोरिया, चीन और भारत भविष्य के विनाशकारी युद्ध में शामिल होने को बाध्य होंगे! लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध के 8 लंबे महीनों के बाद भी दोहरी जुबान बोल रहे हैं कि ईरान के साथ 'डील' की बातचीत अच्छी चल रही है। वह युद्ध नहीं चाहते, लेकिन फिर यह भी बयान देते हैं कि हम ईरान का अस्तित्व खत्म कर देंगे।

अमरीका में मध्यावधि चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं, लिहाजा अब राष्ट्रपति ट्रंप के लिए दोनों ही विकल्प खुले हैं कि ईरान पर एक बार फिर युद्ध थोपा जाए अथवा समझौते की संभावनाओं को पुख्ता किया जाए। इसी दौरान अमरीका के वरिष्ठ पत्रकार और कभी राष्ट्रपति ट्रंप के बेहद करीब रहे टकर कार्लसन ने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर पोस्ट लिखी है कि अमरीका कुछ ही दिनों में ईरान के नतांज परमाणु केंद्र के करीब 'पिकएक्स पहाड़ियों' पर परमाणु हमला कर सकता है। इस बार 'बी 61-11' बॉम्बर्स के जरिए 'बंकरफोड़ू' बमबारी की जा सकती है या मिसाइलों से हमला किया जा सकता है! अमरीका पहले भी ईरान के परमाणु केंद्रों की पहाड़ियों पर हमले कर चुका है, लेकिन इस बार 'परमाणु सम्मत हथियारों' से हमले की संभावनाएं जताई जा रही हैं। दिलचस्प यह है कि उपराष्ट्रपति वेंस और ट्रंप के 'विशेष दूत' स्टीव विटकॉफ युद्ध नहीं, ईरान के साथ बातचीत और डील के पक्षधर हैं। बहरहाल यदि इस बार युद्ध का विस्तार हुआ, तो कच्चे तेल की कीमतें 140 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकती हैं और फिर वहीं स्थिर रह सकती हैं, क्योंकि सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। अमरीका और यूरोपीय देशों में खासकर गैस की मांग 'चरम' पर पहुंच जाती है, क्योंकि वहां के घरों को गर्म रखने के लिए गैस की बुनियादी जरूरत होती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, 15 देशों में ऊर्जा की जबरदस्त किल्लत है। गैस के साथ-साथ तेल के संकट भी हैं। फ्रांस, फिलीपींस, इंडोनेशिया, स्लोवाकिया, जापान सरीखे देशों में 'ऊर्जा आपातकाल' और 'राशनिंग' की व्यवस्था लागू करनी पड़ी है। जहां तक भारत का सवाल है, तो उसने अक्टूबर माह में 56 लाख बैरल तेल औसतन हररोज खरीदा है। सुखद संकेत यह है कि खाड़ी देशों से औसतन रोजाना 23 लाख बैरल तेल हररोज आयात किया जा सका है और 20 लाख बैरल तेल रूस से खरीदा है। भारत कुछ अन्य देशों से भी सीमित मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है। यदि ईरान युद्ध नए सिरे से भड़कता है, तो होर्मुज के रास्ते आयात फिर बंद हो सकता है। सऊदी अरब के तेल ठिकानों पर हूती आतंकी लगातार हमले कर रहे हैं। रूस पर यूक्रेन ने इतने हमले किए हैं कि उसके 49 फीसदी तेल संयंत्र, रिफाइनरियां, तेल के संसाधन नष्ट अथवा क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। रूस से हमें नवंबर-दिसंबर में तेल की आपूर्ति निश्चित रूप से कम होगी! यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 140 डॉलर या अधिक रहीं, तो भारत में मुद्रास्फीति, आम वस्तुओं के महंगे दाम, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और 'रुपए' के अवमूल्यन की स्थितियां लगातार बनेंगी। नतीजतन भारत की आर्थिक विकास दर 7 फीसदी से कम हो सकती है। बहरहाल अमरीका के ईरान पर संभावित परमाणु हमले की समूचे देश में यह 'सामूहिक प्रतिक्रिया' सामने आ रही है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि से बाहर आए और अपनी परमाणु नीति में बदलाव करे। अर्थात परमाणु बम बनाए। ईरान के पास जितना यूरेनियम सर्वोधित है, उससे कुछ ही दिनों में 10-12 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं।

यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट में

मोदी सरकार के डांवाडोल रुख से बढ़ सकती है सवर्णों की चिंता!



नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं



यूजीसी के नए नियमों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब शिक्षा संस्थानों की चारदीवारी से निकलकर सीधे सियासत के मैदान में पहुंच चुका है। यह मामला अब सिर्फ जातिगत भेदभाव रोकने के प्रावधानों का नहीं, बल्कि सवर्णों की नाराजगी, राजनीतिक दलों के जातीय समीकरण और वोट बैंक की लड़ाई का भी बन गया है। खासकर पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले इस विवाद ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी है। इन नियमों के खिलाफ पहले भी सवर्ण समाज ने देशभर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जहां अदालत को इन पर रोक लगानी पड़ी थी। अब एक बार फिर नियमों की समीक्षा और उन्हें लेकर जारी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यूजीसी विवाद के बहाने सवर्ण समाज की नाराजगी चुनावी मुद्दा बनेगी और इसका असर उन राज्यों के जातीय समीकरणों पर पड़ेगा, जहां बीजेपी की राजनीति काफी हद तक परंपरागत सामाजिक समर्थन पर टिकी रही है?

हम आपको बता दें कि सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक हलचल यह है कि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह यूजीसी के 2026 के इक्विटी रेगुलेशन की समीक्षा के लिए एक समिति बनाने पर विचार कर रही है। यानी सरकार ने न तो नियमों को पूरी तरह वापस लेने का फैसला किया है और न ही उन्हें उसी रूप में लागू करने का। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से कहा है कि नियमों पर दोबारा विचार किया जाए, ताकि किसी भी छात्र के साथ भेदभाव न हो और सभी के हित सुरक्षित रहें।

हम आपको याद दिला दें कि 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित इन नियमों का मकसद उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकना था। इसके तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इक्विटी कमेटी और समान अवसर केंद्र बनाने का प्रावधान किया गया। लेकिन नियमों में जातिगत भेदभाव की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। खासतौर पर नियम 3(1)(ष) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के खिलाफ जाति आधारित भेदभाव को जिस तरह परिभाषित किया गया, उसे सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए असमान व्यवस्था बताया गया।

सवर्ण संगठनों और सामान्य वर्ग के छात्रों ने आशंका जताई कि इन प्रावधानों का इस्तेमाल उनके खिलाफ शिकायतों और उत्पीड़न के हथियार के रूप में हो सकता है। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन कई राज्यों तक फैल गए थे। उत्तर प्रदेश में इस विरोध ने बीजेपी के भीतर भी बेचैनी पैदा कर दी। पार्टी के कुछ पदाधिकारियों ने इस्तीफे तक दिए। आखिरकार 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने इन नियमों पर रोक लगा दी और 2012 के पुराने नियमों को जारी रखने का आदेश दिया। अदालत ने प्रावधानों की अस्पष्टता और उनके संभावित दुरुपयोग पर गंभीर सवाल उठाए थे। अब मोदी सरकार की ओर से समीक्षा समिति बनाने की बात सामने आने के बाद इस पूरे विवाद ने फिर राजनीतिक रंग पकड़ लिया है।

इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक असर 2027 के विधानसभा चुनावों में दिखाई दे सकता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड बीजेपी के लिए सत्ता की प्रतिष्ठा से जुड़े हैं, जबकि पंजाब में पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में यूजीसी का मुद्दा पांचों राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। यहां ब्राह्मण, ठाकुर और वैश्य मतदाता लंबे समय से बीजेपी के मजबूत समर्थक आधार का हिस्सा रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन से लेकर हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी ने ब्राह्मण, ठाकुर और अन्य सवर्ण जातियों के बीच अपना मजबूत जनाधार तैयार किया है। लेकिन यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सवर्ण समाज में जिस तरह नाराजगी सामने आई है, उससे बीजेपी के इस परंपरागत वोट बैंक में असंतोष बढ़ने और पार्टी के साथ उसके पुराने राजनीतिक रिश्ते कमजोर पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। बीजेपी के लिए परेशानी यह है कि एक तरफ सामान्य वर्ग की नाराजगी है तो दूसरी तरफ ओबीसी और दलित मतदाताओं का बड़ा राजनीतिक आधार है। किसी एक पक्ष को नाराज करने का मतलब दूसरे पक्ष के बीच राजनीतिक संदेश जाना है।

इस नाराजगी के संकेत उत्तर प्रदेश बीजेपी के संगठन में भी दिखाई दिए हैं। हाल के एमएलसी चुनावों में वाराणसी और लखनऊ जैसी सीटों पर पार्टी को मिली हार को भी सवर्ण असंतोष के संदर्भ में देखा जा रहा है। इसलिए बीजेपी के लिए यह महज एक शैक्षणिक नियम का विवाद नहीं, बल्कि अपने परंपरागत वोट बैंक को बचाने की लड़ाई बन गया है।

उत्तराखंड में भी यह मुद्दा कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां सवर्ण मतदाताओं का राजनीतिक प्रभाव है और बीजेपी का परंपरागत समर्थन आधार भी इसी सामाजिक समीकरण से जुड़ा रहा है। यूजीसी विवाद को लेकर नाराजगी अगर चुनावी मुद्दा बनती है तो कांग्रेस को बीजेपी के खिलाफ सवर्ण असंतोष को भुनाने का अवसर मिल सकता है।

हालांकि पंजाब में समीकरण कुछ अलग हैं। यहां दलित आबादी का अनुपात देश में सबसे अधिक है। ओबीसी और सामान्य वर्ग के मतदाताओं का भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। बीजेपी के लिए चुनौती यह होगी कि वह सवर्ण मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के साथ दलित और पिछड़े वर्गों के बीच अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता भी बनाए रखे। क्योंकि यूजीसी विवाद को विपक्ष सामाजिक न्याय और सामान्य वर्ग के अधिकारों के बीच टकराव के रूप में पेश कर सकता है।

साथ ही गोवा और मणिपुर में इस मुद्दे का प्रभाव उत्तर प्रदेश जैसा व्यापक न भी हो, लेकिन उच्च शिक्षित युवाओं, विद्यार्थियों और सामान्य वर्ग के संगठित समूहों के बीच इसकी राजनीतिक गूंज दिखाई दे सकती है। सोशल मीडिया और छात्र संगठनों के माध्यम से यह मुद्दा स्थानीय चुनावी बहस का हिस्सा बन सकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बीजेपी के सामने इस विवाद में दोहरी चुनौती है। अगर सरकार नियमों को पूरी तरह वापस लेती है या उनमें बड़ा बदलाव करती है तो सामाजिक न्याय के मुद्दे पर विपक्ष को हमला करने का मौका मिलेगा। वहीं अगर नियमों को पुराने स्वरूप में लागू करने की कोशिश होती है तो सवर्ण समाज की नाराजगी दोबारा भड़क सकती है। साथ ही विपक्ष के लिए यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा था। संविधान और आरक्षण को लेकर विपक्ष के अभियान ने पिछड़े और दलित मतदाताओं के बीच असर डाला था। अब यूजीसी विवाद के जरिए विपक्ष सवर्ण असंतोष को भी बीजेपी के खिलाफ जोड़ने की कोशिश कर सकता है।

देखा जाये तो केंद्र सरकार का सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा समिति बनाने का संकेत इसी राजनीतिक दबाव के बीच आया है। यह फैसला फिलहाल विवाद को ठंडा करने की कोशिश जरूर है, लेकिन असली सवाल नियमों के अंतिम स्वरूप का है।

बहरहाल, यूजीसी विवाद बीजेपी के लिए ऐसी राजनीतिक पहेली बन गया है जिसमें एक तरफ सवर्ण वोट बैंक है और दूसरी तरफ दलित-पिछड़े वर्गों का समर्थन। पांच राज्यों के चुनाव से पहले सरकार को इसी पहेली का जवाब तलाशना है। अगर यह मुद्दा चुनाव तक गर्म रहा तो उत्तर प्रदेश में इसका असर सबसे ज्यादा दिखाई दे सकता है। यूजीसी के नियम भले ही विश्वविद्यालयों के लिए बनाए गए हों, लेकिन अब उनका भविष्य दिल्ली की सत्ता, राज्यों की राजनीति और बीजेपी के चुनावी गणित से जुड़ चुका है।

वोट-बैंक साधने की जुगत ने जहर घोला, हिंदू वोट बैंक में बेचैनी क्यों?

वीरेंदर कपूर

राजनीति और धारणा साथ-साथ चलते हैं। असल में, राजनीति को अपने घोषित लक्ष्यों के इर्द-गिर्द एक धारणा बनानी पड़ती है-ये लक्ष्य आमतौर पर घोषणापत्र में दिए गए होते हैं और इन्हें बोलकर या डिजिटल माध्यमों से और पुख्ता किया जाता है। कांग्रेस और भाजपा, इन दोनों दलों और उनके सहयोगियों के बीच यह माना जाता है कि हिंदू समुदाय भाजपा को राष्ट्र-निर्माण और हमारी विरासत को पुनर्जीवित करने वाली पार्टी के रूप में देखता है। 2024 के आम चुनावों में, भाजपा को कुल 23,59,73,935 वोट मिले, जो देश भर में 36.56 फीसदी वोट शेयर के बराबर है। लोकनीति-सीएसडीएस के राष्ट्रीय चुनाव-बाद सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, पूरे भारत में लगभग 52 से 54 फीसदी हिंदू मतदाताओं ने भाजपा का समर्थन किया। यानी लगभग 46 फीसदी हिंदुओं ने भाजपा का समर्थन नहीं किया! भाजपा को अपने कुल वोट बैंक का लगभग 80 से 85 फीसदी हिस्सा हिंदू आबादी से मिला।

कुल आंकड़ों के हिसाब से, देशभर में डाले गए लगभग 64.6 करोड़ वोटों में से करीब 51-52 करोड़ वोट हिंदू मतदाताओं के थे। यह स्पष्ट रूप से हिंदुओं के बड़े समर्थन को दर्शाता है। जाहिर है, इससे यह भी पता चलता है कि मतदाता राम मंदिर और अनुच्छेद 370 को हटाने जैसी बड़ी जीतों से बहुत खुश हैं। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि नक्सलियों का सफाया करने और आर्थिक विकास जैसे बड़े कदमों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का कद काफी ऊंचा कर दिया है। देश अब बम धमाकों जैसी आंतरिक तोड़फोड़ से सुरक्षित हो गया है, और हम अब बचाव के साथ-साथ आक्रामक रुख अपना रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। बुनियादी ढांचे का विकास इतने बड़े पैमाने पर हुआ है कि वह साफ तौर पर दिखाई देता है। फिर भी क्यों कहा जा रहा है कि हिंदू नाराज हैं?

पिछले लगभग सत्तर वर्षों में भारतीय राजनीति में धर्मनिरपेक्षता के खेल और जाति व धर्म (खासकर धर्म) के आधार पर वोट-बैंक को साधने की कोशिशों ने काफी जहर घोला है। कांग्रेस ने ऐसा बिना किसी दिखावे या पछतावे के किया। उन्होंने खुलेआम ऐसा किया और आज भी करते हैं। हां, आप अलग दिखना चाहते हैं, और जो कोई भी जो खुद को एक राजनेता (स्टेट्समैन) के रूप में पेश करता है, उसे ऐसा करना भी चाहिए; लेकिन अपने कार्यों और सोच में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हिंदुओं को अब यह संशय होने लगा है कि कहीं भाजपा उन्हें हल्के में तो नहीं ले रही। सोशल मीडिया और पॉडकास्ट की वजह से यह भावना और भी फैल गई है। 'जयपुर डायलॉग्स' जैसे कई समूह लगातार राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, जिनमें 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसा विषय भी शामिल है। आजादी के समय से ही, हिंदुओं की बहुलता वाला यह देश बहुत सहनशील रहा है। हिंदू नहीं चाहते कि 'दूसरों' के कल्याण के मामले में कोई कोताही बरती जाए, बल्कि वे अपना हक चाहते हैं-वही हक, जिसका उनसे वादा किया गया था। मैं हिंदू समुदाय की कुछ प्रमुख चिंताओं को आपके सामने रखना चाहता हूं, जिनकी वजह से वे खुद के साथ भेदभाव महसूस करते हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 26 के तहत, धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपनी संस्थाओं का प्रबंधन करने का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकारें विभिन्न धार्मिक बंदोबस्ती कानूनों के माध्यम से हजारों प्रमुख हिंदू मंदिरों (जैसे तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में) को नियंत्रित करती हैं। परंपरावादी लोगों का तर्क है कि लगातार स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद, भाजपा न तो कोई केंद्रीय कानून बना पाई और न ही राज्य सरकारों को ऐसा निर्देश दे पाई कि वे हिंदू मंदिरों और उनकी वित्तीय संपत्तियों को सरकारी नौकरशाही के नियंत्रण से मुक्त करें। अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रबंधन करने का अधिकार देते हैं। इसमें उन्हें सरकारी हस्तक्षेप के बिना, दाखिले और कर्मचारियों के चयन को लेकर स्वायत्तता प्राप्त है। दक्षिणपंथी हिंदू टिप्पणीकारों का तर्क है कि इन प्रावधानों से एक असमान स्थिति पैदा होती है, जिससे हिंदुओं द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों को नुकसान होता है, क्योंकि वे सामान्य सरकारी नियमों के तहत कड़े नियंत्रण में रहते हैं। रूढ़िवादी हिंदू समूहों के आलोचकों का तर्क है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय आज भी विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए लक्षित वित्तीय, शैक्षिक और कल्याणकारी योजनाएं चला रहा है। विरोधियों का कहना है कि कल्याणकारी सहायता धार्मिक पहचान के बजाय पूरी तरह से सामाजिक-आर्थिक जरूरतों पर आधारित होनी चाहिए। आम धारणा है कि नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स (एनआरसी) में देरी और इस मामले में समझौते करने से भी हिंदू नाराज हैं। सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों तक पहुंच बनाने की कोशिशों ने सवर्ण हिंदू मतदाताओं के एक वर्ग को सरकार से दूर कर दिया। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करना भाजपा की मूल प्रतिबद्धताओं में से एक है, लेकिन इसे एक व्यापक केंद्रीय कानून के रूप में लाने के बजाय, काफी हद तक अलग-अलग राज्यों पर छोड़ दिया गया है। भाजपा के मतदाताओं को लगता है कि सरकार टालमटोल कर रही है और बहुत ज्यादा सावधानी बरत रही है।

मुझे यह भी लगता है कि हिंदुओं ने 'बंटी हुई राय' या अलग-अलग रुख अपनाकर भाजपा को निराश किया है; यानी पूरी आबादी एकजुट होकर भाजपा के साथ नहीं खड़ी हुई और न ही एक ठोस गुट के रूप में उन्हें वोट दिया। अगर ऐसा हो जाए, तो यह एक बहुत बड़ा 'गेम चेंजर' साबित होगा। सामान्यतः हिंदू समाज कभी नहीं चाहेगा कि आप दूसरों को कम दें, लेकिन जो उनका हक है, वह उन्हें मिलना ही चाहिए। अगर भाजपा सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाने और राम मंदिर के निर्माण जैसे असंभव लगने वाले काम कर दिखाए हैं, तो उसके लिए उसके मतदाताओं की इन चिंताओं को सुलझाना भी मुश्किल नहीं होना चाहिए। भाजपा जितनी जल्दी ऐसा करेगी, उतनी जल्दी हालात को अपने पक्ष में मोड़ सकती है।

डिमांड एंड सप्लाई

संतोष उत्सुक

व्यंग्य

सांस्कृतिक संस्था ने विचार गोष्ठी का आयोजन किया। विद्रोही महिला वक्ता ने कहा, दकियानूसी समाज ने हमें हमेशा दबाव में रखा। अब लड़कियां हर क्षेत्र में आगे निकल रही हैं। हमने डांस को एक नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। हम वैसा नाच रही हैं जैसा ज़माना चाहता है। सफलता हर स्थिति में बहुत ज़रूरी है। मेरा यह मानना है कि सिर्फ एक डांस पूरे देश को हिला सकता है।

एक दूसरे समझदार वक्ता ने स्पष्ट किया कि समाज में वही हो रहा है जो समाज चाहता है। राजनीति में वही हो रहा है जो नेता चाहते हैं, स्कूल में वही हो रहा है जो प्रबंधन चाहता है, दफ्तर में वही हो रहा है जो बाबू और अफसर चाहते हैं, फिल्मों में वो हो रहा है जो बाक्स आफिस चाहता है। कहीं किसी को किसी भी किस्म की रूकावट नहीं है।

चाय और बढ़िया नाश्ते के साथ गोष्ठी निबटाकर निकले तो मित्र कहने लगे, लोकतंत्र स्थायी खुशगवार मौसम की तरह है जिसमें सबका अपना अपना मंत्र, तंत्र, यंत्र और षड्यंत्र है। जिसके अंतर्गत रिश्वत, पैसा, जान पहचान, जातिवाद, धर्म, गुंडागर्दी का प्रयोग किया जाता है । यह डिमांड एंड सप्लाई आधारित लोकतांत्रिक फार्मूला है। राजनीति की डिमांड पैसा है जिसे चुनाव सप्लाई करवाता है। उद्योगपति रियायत की डिमांड करते हैं जिसके बदले वे पैसा सप्लाई करते हैं । वोटर अपनी ज़रूरतों के बदले वोट सप्लाई करते हैं। चुनाव जनता को सरकार सप्लाई करता है फिर सरकार सुविधानुसार जातिवाद, साम्प्रदायिकता, नौकरियां, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई वगैरा सप्लाई करती है।

पत्नी ने डिमांड रखी तो सूचना सप्लाई की, कि देश की जनता भोली भाली है। उसे कुछ भी सप्लाई कर दो वह ज्यादा आपत्ति नहीं करती। पत्नी को बताया कि अश्लीलता को रोकने के लिए सरकार बहुत ज्यादा सख्त कानून बना रही है। वह ठहाका लगा कर हंसी और बोली, आजकल रोज़ी रोटी के साथ ऐश और आराम भी ज़रूरी है। बहुत गलाकाटू प्रतिस्पर्धा है। नए नए धंधे डिमांड में हैं। सभी नए ढंग से नाच रहे हैं। शरीर सबसे आकर्षक उत्पाद है। जब देश लूटना, माता पिता, पत्नी, प्रेमिका, भाई को मारना, शिष्या का रेप करना बुरा नहीं माना जाता, नैतिक, सामाजिक, राष्ट्रीय ज़िम्मेवारियों का डिमांड में न रहना ग़लत नहीं है तो टीवी, फिल्म या मंच पर शरीर दिखाकर पैसा कमाना क्यों बुरा माना जाता है। जिसके पास जो है वही सप्लाई करेगा ताकि डिमांड का पता चले। पूरा फार्मूला पूरी तरह से आर्थिक सिद्धांत पर आधारित है।

पत्नी ने कहा, मुझे ऑनलाइन एक वेस्टर्न ड्रेस पसंद आई है। काफी रोमांटिक है लेकिन ज़माने की तरह ज्यादा पारदर्शी नहीं। ज्यादा महंगी भी नहीं। मैंने पूछा कितने की है तो हंसकर कहने लगी, डिमांड के सामने रेट की औकात नहीं होती सिर्फ सप्लाई की इज्ज़त होती है।

कहां और क्यूं गया था। बोली, कुछ पुरातनपंथी यूं ही शोर मचाते हैं वरना प्रसिद्ध अभिनेत्रियों का नाचगाना डिमांड एंड सप्लाई पर आधारित है। समाज में होशियार, चालू, नंगे हो जाने वालों की डिमांड बढ़ती जा रही है। कई सीरियल एक बार अपनी डिमांड बना लेते हैं फिर कुछ भी सप्लाई करते रहते हैं। अफसरों की डिमांड पर बहुत कुछ सप्लाई होता है। अभिभावकों की डिमांड अच्छा परिणाम होती है तभी स्कूल के अध्यापक टयूशन और कोचिंग सप्लाई करते हैं।

ज़हरीली हवा का तांडव- भारत में श्वास और श्मशान के बीच का घटता फासला

अशोक भाटिया

भारत में सांस लेना अब महज जिंदा रहने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह धीरे-धीरे मौत का सबसे बड़ा और खामोश कारण बनता जा रहा है।सुबह की जो ताज़ी हवा किसी भी इंसान के भीतर नए जीवन और ऊर्जा का संचार करने के लिए होनी चाहिए, वह आज हमारे फेफड़ों में ज़हर घोल रही है। भारत के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक, आसमान में छाई धुंध और हवा में तैरते बारीक कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) इस बात की गवाही दे रहे हैं कि हम एक सामूहिक स्वास्थ्य आपातकाल के मुहाने पर खड़े हैं। यह संकट किसी एक मौसम या त्योहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी आधुनिक जीवनशैली, लापरवाह नीतियों और सामूहिक असंवेदनशीलता का एक ऐसा चक्रव्यूह बन चुका है, जिसने हर नागरिक को असमय मौत के साए में जीने के लिए मजबूर कर दिया है। जब हम विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी धमक का जश्न मनाते हैं, तब हमारी पीठ पीछे एक पूरी पीढ़ी फेफड़ों की गंभीर बीमारियों, दिल के दौरों और मानसिक अवसान की तरफ धकेली जा रही है। यह महज पर्यावरण का क्षरण नहीं है, यह एक राष्ट्रीय त्रासदी है जिसे हम रोज़ थोड़ा-थोड़ा करके खुद ही लिख रहे हैं।

इस जानलेवा माहौल को बनाने में हमारे त्योहारों और उत्सवों के नाम पर होने वाली अति का एक बहुत बड़ा हाथ है। हर साल दिवाली, शादियों और अन्य सामाजिक समारोहों के दौरान देश भर में भारी मात्रा में जलने वाले पटाखे इस संकट को चरम पर पहुंचा देते हैं। पटाखों से निकलने वाला धुआं साधारण धुआं नहीं होता; इसमें तांबा, कैडमियम, सल्फर, एल्युमिनियम और बेरियम जैसे बेहद खतरनाक भारी तत्व होते हैं, जो हवा में हफ्तों तक तैरते रहते हैं। एक रात की आतिशबाजी और कुछ घंटों का दिखावटी मनोरंजन आने वाले कई महीनों के लिए हवा को सांस लेने के अयोग्य बना देता है। विडंबना यह है कि इसे हम अपनी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा मानकर सही ठहराने की कोशिश करते हैं, जबकि कोई भी धर्म या परंपरा किसी मासूम के फेफड़ों को छलनी करने या नवजात शिशुओं को जन्म से ही अस्थमा का रोगी बनाने की इजाजत नहीं देता। पटाखों के इस बारूद ने हमारी चेतना को इस कदर सुन्न कर दिया है कि हम अगली सुबह सड़कों पर बिछी राख और सांस लेने में होने वाली तकलीफ को नियति मानकर स्वीकार कर लेते हैं। यह एक ऐसा आत्मघाती व्यवहार है, जिसकी कीमत हमारी आने वाली पीढ़ियां चुका रही हैं।

उत्सवों के इस मौसमी प्रदूषण से इतर जो प्रदूषण हमारी रगों में हर सेकंड ज़हर भर रहा है, वह है हमारे शहरों की सड़कों पर अंधाधुंध दौड़ने वाले और धुआं उगलने वाले वाहन। सार्वजनिक परिवहन की लचर व्यवस्था और निजी वाहनों को प्रतिष्ठा का प्रतीक मानने की सामाजिक होड़ ने भारतीय सड़कों को चलते-फिरते प्रदूषण के कारखानों में तब्दील कर दिया है। डीजल और पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियां, विशेषकर पुरानी कमर्शियल गाड़ियां और भारी ट्रक, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसों का सबसे बड़ा स्रोत हैं। ट्रैफिक जाम में फंसी गाड़ियों का साइलेंसर जब लगातार धुआं फेंकता है, तो सड़कों के आसपास रहने वाले, पैदल चलने वाले और सबसे ज्यादा सुरक्षात्मक घेरे से बाहर रहने वाले गरीब तबके के लोग सीधे तौर पर मौत के इस धुएं को अपने भीतर खींचते हैं। वाहनों का यह धुआं हमारे शहरों की आबोहवा को इस कदर घोंट रहा है कि सर्दियों के दिनों में प्रदूषण का स्तर सुरक्षित मानकों से बीस से तीस गुना तक ऊपर चला जाता है। हम इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर चमचमाती सड़कें और फ्लाईओवर्स तो बना रहे हैं, लेकिन उन पर रेंगने वाली गाड़ियों से निकलने वाले धुएं का कोई पुख्ता और टिकाऊ समाधान ढूंढने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं।

इस भयावह जमीनी हकीकत को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय ने भी बेहद गंभीरता से रेखांकित किया है। स्वीडन के विश्व प्रसिद्ध कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट की एक हालिया और बेहद महत्वपूर्ण रिसर्च ने इस दिशा में ऐसे चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं जो हमारी रूह को कंपा देने के लिए काफी हैं। इस स्वीडिश रिसर्च के अनुसार, केवल साल 2009 से 2019 के बीच के एक दशक में ही वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 38 लाख लोगों की असामयिक मौत हो गई। 38 लाख का यह आंकड़ा कोई साधारण संख्या नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि हमारी हवा एक मूक कातिल बन चुकी है जो युद्ध या महामारियों से भी ज़्यादा तेज़ी से इंसानी जिंदगियों को लील रही है। कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में स्पष्ट किया है कि भारत के प्रदूषित क्षेत्रों में लंबे समय तक रहने वाले लोगों की औसतन जीवन प्रत्याशा में पांच से सात साल तक की भारी कमी आ रही है। इस शोध में यह भी खुलासा किया गया है कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 के अति सूक्ष्म कण सीधे हमारे रक्त प्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं और मस्तिष्क तथा हृदय तक पहुंचकर कम उम्र के लोगों में स्ट्रोक, कार्डियक अरेस्ट और अल्जाइमर जैसी घातक न्यूरोलॉजिकल बीमारियों का कारण बन रहे हैं। स्वीडन के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि भारत ने तुरंत अपने वायु गुणवत्ता मानकों में क्रांतिकारी सुधार नहीं किए, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ देश की जीडीपी को खोखला कर देगा।

यह रिसर्च हमें यह समझने के लिए मजबूर करती है कि प्रदूषण अब सिर्फ एक दृश्य संकट नहीं है, बल्कि यह एक अदृश्य हत्यारा है जो हमारे घरों की चारदीवारी के भीतर भी सुरक्षित नहीं रहने दे रहा है। हम महंगे एयर प्यूरीफायर खरीदकर या चेहरे पर मास्क लगाकर इस सच से मुंह नहीं मोड़ सकते। भारत की विशाल आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा, जो झुग्गियों, फुटपाथों और खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है, उसके पास तो मास्क या प्यूरीफायर का कोई विकल्प भी नहीं है। यह पर्यावरण के मोर्चे पर सामाजिक असमानता का सबसे क्रूर चेहरा है, जहां अमीरों की गाड़ियां धुआं छोड़ती हैं और उसकी कीमत सड़कों पर झाड़ू लगाने वाला या रेहड़ी पटरी लगाने वाला गरीब अपनी जान देकर चुकाता है। अदालतों की फटकार, सरकारों के लोक-लुभावन वादे और कागजी नीतियां हर साल बनती हैं, लेकिन धरातल पर उनकी प्रभावशीलता शून्य दिखाई देती है क्योंकि क्रियान्वयन के स्तर पर इच्छाशक्ति का घोर अभाव है।

इस जानलेवा दलदल से बाहर निकलने का रास्ता केवल सरकारों के भरोसे नहीं खोजा जा सकता। इसके लिए एक बड़े सामाजिक और प्रशासनिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें अपनी उत्सवधर्मिता को पर्यावरण-अनुकूल आदतों में बदलना होगा; पटाखों पर पूर्ण और व्यावहारिक प्रतिबंध के साथ-

ताश के पत्तों की तरह ढहा बांध पाकिस्तान में तबाही का सैलाब

इस्लामाबाद

पाकिस्तान से इस वक्त की सबसे बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। जिसने पूरे पाकिस्तान प्रशासन और उसकी घटिया चीनी दोस्ती की पोल खोल कर रख दी है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा में मौजूद मशहूर तारबेला बांध के पांचवें एक्सटेंशन प्रोजेक्ट में एक बहुत बड़ा और भयानक हादसा हो गया है। निर्मारदी टनल की दीवारें ताश के पत्तों की तरह ढह गई और देखते ही देखते लाखों गैलन पानी सैलाब बनकर प्रोजेक्ट साइट के अंदर घुस गया। वहां मौजूद चीनी इंजीनियर्स और पाकिस्तानी मजदूरों में ऐसी भगदड़ मची जिसको जहां रास्ता मिला वो अपनी जान बचाकर भागने लगा। खबरों के मुताबिक तरबेला बांध का यह टी5 प्रोजेक्ट पाकिस्तान के लिए बहुत अहम माना जा रहा था। लेकिन सोमवार की शाम को खुदाई के दौरान चट्टान खिसक गई और प्रोटेक्शन वॉल पूरी तरह से ढह गई। पानी इतनी रफ्तार से टनल और निर्माणधीन पावर हाउस में घुसा कि पूरे इलाके में तुरंत इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। हालांकि गनीमत यह रही कि मजदूरों को ऐन वक्त पर



रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया। लेकिन इस हादसे में पाकिस्तान सरकार और उसके पानी और बिजली विकास प्राधिकरण यानी कि बापटा की नींद उठ पड़ी है।

अब जरा उस चीनी कंपनी की पोल पट्टी भी जान लीजिए जिसने भरोसे पाकिस्तान अपनी तकदीर बदलने के सपने देख रहा था। इस पूरे मेगा प्रोजेक्ट का ठेका चीनी कंपनी के पास है। यह पहली बार नहीं है जब चीनी कंस्ट्रक्शन का यह हाल हुआ हो। इससे पहले इसी साल जुलाई के महीने में भी इस प्रोजेक्ट का अस्थाई बांध यानी कि कॉफ डैम ढह गया था। उस समय हुई जांच में साफ खुलासा हुआ था कि चीनी ठेकेदारों ने बिना किसी अनुमति के डिजाइन में गड़बड़ी की थी और ठेके की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन किया गया था। बावजूद इसके पाकिस्तान की लाचार सरकार ने चीनी कंपनियों पर कोई सख्त कारवाई नहीं की और आज नतीजा सबके सामने है। इस हादसे से पाकिस्तान का केवल बदनामी नहीं बल्कि उसकी जेब पर एक बहुत बड़ा डाका भी पड़ा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि जिस प्रोजेक्ट की शुरुआती लागत करीब 82 अरब तय की गई थी।

अब चीनी कंपनियों की ढिलाई, घटिया काम और बार-बार होने वाले हादसों की वजह से बढ़कर ?317 अरब के पार पहुंच चुकी है। सूची जिस देश की आवाम दानेदाने को तरस रही है, कर्ज मांगने के लिए दुनिया भर में कटोरा लेकर घूमना पड़ रहा है। उस देश के ?370 अरब रुपए पानी में बह गए हैं। विश बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस प्रोजेक्ट के लिए सैकड़ों मिलियन डॉलर का फंड दे रही थी। लेकिन अब इस बड़े हादसे के बाद पूरा काम ठप पड़ चुका है और जांच बैठा दी गई है। सिंधु नदी के आसपास के इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है और लोगों से नदी के पास ना जाने की हिदायत दी गई है क्योंकि बांध से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण बांध का खतरा यहां पर बढ़ रहा है। पाकिस्तान का इतिहास भी रहा है कि उसने जबजब चीन की तथाकथित सस्ती टेक्नोलॉजी और घटिया प्रोजेक्ट्स पर भरोसा किया है। उसे मुंह की खानी पड़ी है।

काम समेटो और तुरंत निकलो...हूतियों ने किसे धमकाया, सऊदी में मची सनसनी!

सऊदी

सऊदी के तमाम इलाकों को खाली करने के लिए हूतियों ने अल्टीमेटम दिया है। मिडिल ईस्ट की जंग अब एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां से वापसी का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा। यमन की सरजमी से आई सबसे बड़ी खबर ने रियाद से लेकर वाशिंगटन तक के रक्षा मुख्यालयों में सनसनी फैला दी। यमन के अंसरुल्लाह यानी हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में मौजूद तमाम विदेशी कंपनियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को तुरंत इलाका खाली करने की अंतिम हिदायत दे दी है। यमन की सैन्य कमान ने साफ कर दिया रियाद, जिद्दा और पूर्वी प्रांत के जिन-जिन रक्षा, आर्थिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले का टारगेट सेट किया गया है, वहां काम कर रहे लोग अपनी जान बचाने के लिए तुरंत चले जाएं। क्योंकि इस बार हमला ऐसा होगा जिसकी मिसाल इतिहास में नहीं मिलेगी। अब जरा हूतियों के उस आधिकारिक बयान को समझिए जिसने कॉर्पोरेट दुनिया की नींदें उड़ा दी हैं। यमन के रक्षा मंत्रालय से जुड़े सैन्य सूत्रों ने सार्वजनिक एडवाइज़री जारी करते हुए कहा है हम सऊदी अरब के भीतर यमनी सेना द्वारा चिन्हित किए गए परिसरों में मौजूद सभी कर्मचारियों और आम नागरिकों को सावधान करते हैं कि वे तुरंत उन जगहों से निकल जाए ताकि वे हमारे आने वाले बारूदी तूफान का शिकार ना बने। यह चेतावनी कोई



मामूली गीदड़ भभकी नहीं। यह इस बात का सीधा ऐलान है कि यमन की सेना सऊदी अरब की आर्थिक रीड यानी तेल ठिकानों और रणनीतिक इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील करने जा रही है। लेकिन इस बार हूतियों की रणनीति सिर्फ मिसाइलें दागने तक सीमित नहीं। उन्होंने एक ऐसा कूटनीतिक चक्रव्यूह रचा जिसने सऊदी क्राउन प्रिंस के विज़न 2030 की धज्जियां उड़ाकर रख दी। सना की सरकार ने सऊदी में काम कर रही बहुराष्ट्रीय कंपनियों को सीधा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि जो भी विदेशी कंपनियां सऊदी अरब से अपना कारोबार समेटना चाहती हैं, उन्हें यमन की सेना पूरा सेफ पैसेज यानी सुरक्षित निकास मुहैया कराएगी। अगर किसी कंपनी ने यमन की राजधानी सना के अधिकारियों को सूचित कर दिया कि वे सऊदी से अपना बोरिया बिस्तर समेट रहे हैं तो उनके सभी एसेट्स, मशीनों और पूंजी को सुरक्षित बाहर निकालने में यमनी सेना खुद मदद करेगी। यानी हूतियों ने सऊदी अरब में लगे अरबों डॉलर के विदेशी निवेश पर ऐसा वार कर दिया जो बिना किसी धमाके के भी सऊदी अर्थव्यवस्था को तबाह कर सकता है। इसके साथ ही यमनी कमान ने एक चालाक चाल चलते हुए मित्र और तटस्थ देशों के लिए खास छूट का ऐलान किया है। बयान में साफ कहा गया जिन देशों ने यमन के खिलाफ किसी भी सैन्य गठबंधन या बमबारी में हिस्सा नहीं लिया उनकी कंपनियों को बिल्कुल निशाना नहीं बनाया जाएगा।



शुरुआती परमाणु समझौते के करीब अमेरिका, ईरानः रिपोर्ट

बेरुत, (स्पूतनिक)। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच एक शुरुआती समझौता हो सकता है। अल अरबिया ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। यह कतर और पाकिस्तान की एक नई पहल का हिस्सा है, जिसका मकसद ईरान में यूरेनियम संवर्धन को 3.67 प्रतिशत तक सीमित करना है। अल अरबिया ने सोमवार को एक रिपोर्ट में बताया कि संबंधित पक्ष ईरान के यूरेनियम के संवर्धन स्तर को कम करने के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर पहुंचने पर विचार कर रहे हैं। अमेरिका मांग कर रहा है कि उस यूरेनियम के संवर्धन स्तर को कम किया जाए, जिसे 60 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरेनियम संवर्धन के स्तर को कम करने में मदद के लिए किसी तीसरे देश को शामिल करने की संभावना पर चर्चा की जा रही है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के निरीक्षकों की ईरान वापसी की शर्तों पर भी काम चल रहा है, हालांकि उनके अधिकार क्षेत्र का दायरा अभी तय नहीं हुआ है।

ईरान संघर्ष के खत्म होने की दिशा में सकारात्मक गति बनी हैः ट्रंप

वाशिंगटन,(वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म होने के सकारात्मक संकेत नजर आ रहे हैं, लेकिन वह हमले करने के लिए भी तैयार हैं। श्री ट्रंप ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल सानी के साथ बातचीत के बाद मंगलवारको सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, सब इस बात पर सहमत हो चुके हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। इस पर समझौता नहीं किया जा सकता। अगर पश्चिम एशिया की स्थिति में कुछ बदलाव होता है तो अमेरिका पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, फिलहाल ऐसा कुछ होने की संभावना नहीं लगती। इजरायल और पूरा पश्चिम एशिया ईरान के खतरे से सुरक्षित है। हमें इस युद्ध के खत्म होने की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका के हित हमेशा सुरक्षित रहें। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की एक हवाई हमले में हत्या कर दी थी। इस हमले में ईरान के मिनाब बालिका विद्यालय सहित कई ठिकानों को निशाना बनाया गया था, जिसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया।

नेतन्याहू की विदाई से क्या फंस गया भारत! आइजनकोट के पीएम बनते ही टूटेंगे संबंध?

यरुशलम

इज़राइल में सत्ता बदलने वाली है। प्रधानमंत्री बदलने वाले हैं। बेंजामिन नेतन्याहू जो बरसों से इज़राइल की राजनीति के सबसे ताकतवर चेहरों में रहे हैं, अब अपनी कुर्सी बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। और दूसरी तरफ गादी आइजनकोट को इज़राइल की नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी मिल चुकी है। लेकिन इस राजनीतिक बदलाव के बीच भारत के लिए एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। क्या नेतन्याहू के जाने के बाद भारत और इज़राइल की दोस्ती भी बदल जाएगी? क्या नई सरकार भारत के साथ रक्षा सौदों, सैन्य तकनीक और रणनीतिक सहयोग को उसी रफ्तार से आगे बढ़ाएगी या फिर ईरान, फिलिस्तीन और गाजा के मुद्दे पर आइजनकोट की सोच भारत के लिए नई कूटनीतिक चुनौती खड़ी कर सकती है। जिस गादी आइजनकोट को आज इज़राइल का अगला प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश हो रही है, उन्हें न्योता मिला है। उनसे भारतीय नौसेना इंडियन नेवी के तत्कालीन प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा ने साल 2017 में मुलाकात की थी। उस वक्त आइजनकोट इज़राइली सेना के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी थे।

आइजनकोट कोई नए नवेले राजनीतिक नेता नहीं हैं। वो इज़राइल की सेना यानी इज़राइल डिफेंस फोर्सेस ड्ढछ्रह्म के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं। उन्होंने करीब चार दशक तक सेना में सेवा दी। साल 2015 से 2019 तक वो इज़राइली सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ रहे। यानी इज़राइल के सैन्य रणनीतिक सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्रीय खतरों का वो बहुत करीब से



समझते हैं। और भारत के साथ उनका खास कनेक्शन भी इसी भूमिका में जुड़ा हुआ है। जून 2017 की बात है। भारतीय नौसेना के तत्कालीन प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा इजराइल के दौरे पर गए थे। इस दौरे के दौरान उन्होंने इजराइली सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल गादी आइजन कोट से मुलाकात की थी। दोनों के बीच भारत और इजराइल के रक्षा सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और सैन्य साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई, सहमति बनी। एडमिरल लांबा ने इजराइल के नौसेना प्रमुख से भी मुलाकात की थी और हाइफा नौसैनिक अड्डे का दौरा किया था। यानी आज जिस आइजन कोट को इजराइल की सत्ता की कमान संभालने का मौका मिला है, वो भारत के सैन्य नेतृत्व के साथ पहले भी रक्षा सहयोग पर बातचीत कर चुके हैं। लेकिन ये साफ कर देना जरूरी है कि ये भारत के साथ उनका रक्षा और सैन्य संपर्क है। इसे किसी निजी रिश्ते या भारत के प्रति उनकी घोषित राजनीतिक प्रतिबद्धता के तौर पर फिलहाल नहीं देखना चाहिए। अब समझिए भारत और इजराइल की दोस्ती का इतिहास क्या रहा है। भारत ने 17 सितंबर 1950 को इजराइल को मान्यता दे दी थी। लेकिन दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित होने में करीब चार दशक लग गए। 29 जनवरी 1992 को भारत और इजराइल के पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए। उस समय भारत की विदेश नीति में फिलिस्तीन का मुद्दा बहुत अहम था। भारत अरब देशों के साथ अपने संबंधों को भी ध्यान में रखता था। इसीलिए इजराइल के साथ औपचारिक रिश्ते बनाने में काफी समय लग गया। लेकिन 1992 के बाद तस्वीर तेजी से बदली।

रक्षा, कृषि, विज्ञान, तकनीक और व्यापार के क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग बढ़ने लगा और फिर आया 1999 का कारगिल युद्ध। जब पाकिस्तान ने कारगिल में घुसपैठ की तब भारत के सैन्य उपकरणों और निगरानी तकनीक की जरूरत थी। उस मुश्किल समय में इजराइल ने भारत को सैन्य साजो सामान और तकनीकी मदद पहुंचाई। सरचा ड्रोन, निगरानी प्रणाली और लेजर गाइडेड बम जैसे इक्विपमेंट्स ने भारत की सैन्य क्षमता को मजबूत करने में मदद की। कारगिल युद्ध के बाद भारत ने इजराइल को एक भरोसेमंद रक्षा साझेदार के रूप में देखना शुरू किया। इसके बाद दोनों देशों के बीच ड्रोन, रडार, मिसाइल, एयर डिफेंस सिस्टम और निगरानी तकनीक के क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ता चला गया।

पुराने पाप नहीं धुलेंगे, अखिलेश यादव ने किया अयोध्या को सनातन राजधानी बनाने का वादा तो भाजपा ने कसा तंज

लखनऊ

उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने वादा किया था कि अगर 2027 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वे अयोध्या को सनातन तीर्थयात्रा की वैश्विक राजधानी के रूप में विकसित करेंगे। चौधरी ने 12 दिसंबर को राम मंदिर जाने वाले यादव की भगवान राम के प्रति निष्ठा पर सवाल उठाए और उन पर इस मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए करने का आरोप लगाया। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान 1990 में कार सेवकों पर हुई गोलीबारी का भी जिक्र किया और सपा प्रमुख से माफी की मांग की। चौधरी ने कहा अगर यह भगवान राम के नाम पर कोईराजनीतिक स्टंट नहीं, बल्कि सच्चा पश्चाताप है, तो 12 दिसंबर के बजाय 6 दिसंबर को राम मंदिर जाएं। सैकड़ों राम भक्तों की हत्या का आदेश देने जैसे गंभीर पाप के लिए माफी मांगें। यह मत सोचिए कि आपके पुराने पाप धुल जाएंगे। इसके उलट, भगवान राम के प्रति भक्ति का यह दिखावा आपकी बची-खुची राजनीतिक हस्ती को भी खत्म कर सकता है। इस बीच, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के नेता पर तंज कसते हुए कहा कि कम से कम पार्टी ने अयोध्या का नाम लेना तो शुरू किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले इस पार्टी के नेता अयोध्या और भगवान राम का जिक्र आने पर असहज हो जाते थे।अखिलेश यादव अब भाजपा के राजनीतिक क्षेत्र में आ गए हैं। अखिलेश यादव ने अयोध्या को सनातन तीर्थयात्रा की वैश्विक राजधानी बनाने का वादा किया। भाजपा की यह टिप्पणी तब आई जब अखिलेश यादव ने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह अयोध्या को सनातन तीर्थयात्रा की वैश्विक राजधानी में बदल देंगे। राम मंदिर के पारदर्शी प्रबंधन, विश्व स्तरीय बुनियादीढांचे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और मंदिर नगरी में जमीन के सौदों में कथित अनियमितताओं की गहन जांच कराने का भी वादा किया। एक्स पर अपनी पोस्ट में सपा प्रमुख ने कहा कि अयोध्या आने वाले भक्तों और तीर्थयात्रियों की संख्या लगातार घट रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर से जुड़ी चोरी के कारण पैदा हुई परेशानी ने स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डाला है। हम अयोध्या नगरी के सम्मान और गरिमा को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बदरीनाथ धाम में भीड़ के बीच माता-पिता से बिछड़ी नन्हीं अग्रिमा, पुलिस ने सकुशल परिजनों से मिलाया

चमोली, (वार्ता)। उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच एक नन्हीं बच्ची अग्रिमा अचानक अपने माता-पिता से बिछड़ गई। अनजान चेहरों के बीच अकेली और मायूस खड़ी बच्ची को देखकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उसे सहारा दिया और मंगलवार को सकुशल परिजनों से मिलवा दिया। जानकारी के अनुसार बीते दिन बदरीनाथ धाम में दर्शन के दौरान अग्रिमा अपने माता-पिता से बिछड़ गई थी। इसी बीच ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की नजर बच्ची पर पड़ी। पुलिस जवानों ने उससे बातचीत कर जानकारी जुटाई और तत्काल परिजनों की तलाश शुरू कर दी। इसके लिए पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से लाउडहेलर पर लगातार अनाउंसमेंट कराया गया, ताकि बच्ची के परिजनों तक सूचना पहुंच सके। पुलिस की तत्परता और लगातार किए गए प्रयासों के बाद बच्ची के परिजन पुलिसकर्मियों तक पहुंच गए। अपनी बेटी को सकुशल देखकर परिजनों की चिंता दूर हुई। उन्होंने बदरीनाथ पुलिस के मानवीय व्यवहार, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के लिए आभार जताया। बदरीनाथ पुलिस की इस पहल ने एक बार फिर साबित किया कि वर्दी केवल कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी ही नहीं निभाती, बल्कि जरूरत के समय मानवता और संवेदनशीलता का भी परिचय देती है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन



एटली और प्रिया ने मनाई शादी की 12वीं सालगिरह, प्यार और परिवार के खूबसूरत सफर का किया जश्न

दक्षिण भारतीय फिल्मों के चर्चित निर्देशक एटली और उनकी पत्नी प्रिया ने अपनी शादी की 12वीं सालगिरह मनायी। इस खास मौके पर दोनों के प्यार, विश्वास और साथ के खूबसूरत सफर की चर्चा हो रही है। दोस्ती से शुरू हुई उनकी प्रेम कहानी आज एक खुशहाल पारिवारिक जीवन में बदल चुकी है। एटली और प्रिया की पहली मुलाकात कुछ साझा दोस्तों के माध्यम से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती गहरी हुई और यह प्यार में बदल गयी। कई वर्षों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने 09 नवंबर 2014 को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शादी कर ली। एटली के फिल्मी करियर के उतार-चढ़ाव और सफलता के सफर में प्रिया हमेशा उनके साथ खड़ी रहीं। इस जोड़ी के जीवन में खुशियों का नया अध्याय 31 जनवरी 2023 को जुड़ा, जब उनके घर बेटे मीर का जन्म हुआ। इसके बाद 20 अप्रैल 2026 को उनके परिवार में बेटी मियू के आगमन से खुशियां दोगुनी हो गयीं। दो बच्चों के माता-पिता बनने के बाद उनका पारिवारिक जीवन और भी खुशनुमा हो गया है।



57 वर्ष की हुईं अभिनेत्री नीलम

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री नीलम आज 57 वर्ष की हो गयीं।नीलम कोठारी का जन्म 09 नवंबर 1969 को हांगकांग में हुआ था। उनके पिता शिशिर कोठारी और मां परवीन कोठारी है। बचपन के दिनों से ही नीलम को गीत-संगीत के प्रति रूचि थी। उन्होंने कीबोर्ड बजाना और जैज़ बैले नृत्य सीखा।उनके परिवार का पारंपरिक आभूषण बनाने का व्यवसाय है।उनकी शिक्षा आइलैंड स्कूल में हुई।जब वह किशोरी थी, तो उसका परिवार बैंकॉक चला गया । एक बार जब नीलम मुंबई में छुट्टियां मना रही थीं, तो उन्हें निर्देशक रमेश बहल ने संपर्क किया। उन्होंने वर्ष 1984 में नीलम और करण शाह को लेकर फिल्म जवानी बनायी। नीलम ने इसके बाद वर्ष 1986 में गोविंदा के साथ हिट फिल्म इल्जाम में काम किया। नीलम ने गोविंदा के साथ बहुत लोकप्रिय जोड़ी बनाई औरउन्होंने 14 फिल्मों में साथ में अभिनय किया। उनकी जोड़ी वाली हिट फिल्मों में लव 86, खुदगर्ज, हत्या और ताकतवर शामिल हैं। उन्होंने चंकी पांडे के साथ पांच हिट फिल्में आग ही आग , पाप की दुनिया ,खतरों के खिलाड़ी , मिट्टी और सोना और घर का चिराग में काम किया।उन्होंने प्रोसेनजीत चटर्जी के साथ बंगाली फिल्म बदनाम (1990) में भी काम किया है। वर्ष 1998 में नीलम ने सुपरहिट फिल्म कुछ कुछ होता है में काम किया, जिसमें उन्होंने वीजे की भूमिका निभाई थी। उन्होंने पारिवारिक ड्रामा सुपरहिट फिल्म हम साथ साथ हैं (1999) में भी अहम सहायक भूमिका निभाई थी।अभिनय में अपना करियर बनाने के दौरान नीलम को आभूषण डिजाइनिंग में रुचि थी और वे अपने पारिवारिक व्यवसाय में शामिल थीं। उन्होंने मुंबई में आभूषण-डिजाइनिंग का कोर्स किया । वर्ष 2001 में अस्थायी रूप से फ़िल्में छोड़ने के बाद, नीलम ज्वेल्स के नाम से अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया। उन्होंने 2004 में मुंबई में एक शोरूम खोला। उन्होंने 2011 में नीलम कोठारी फाइन ज्वेल्स के नाम से मुंबई में अपना आभूषण स्टोर लॉन्च किया।नीलम ने बीना मिस्त्री के हॉट हॉट हॉट म्यूज़िक वीडियो में काम किया है। यह गाना 1995 के बीएमजी रिलीज़ में डांस हिट्स के संकलन का हिस्सा है, जिसका शीर्षक चैनल [वी] हिट्स्-द अल्टीमेट डांस कलेक्शन है। यह गाना तब हिट हुआ जब इसे बेंड इट लाइक बेकहम (2002) के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में दिखाया गया। वर्ष 2000 में, नीलम ने यू.के. के एक व्यवसायी के बेटे ऋषि सेठिया से शादी की, लेकिन जल्द ही उनका तलाक हो गया। नीलम ने इसके बाद समीर सोनी के साथ वर्ष 2011 में शादी कर ली। उन्होंने एक बेटी को गोद लिया और उसका नाम अहाना रखा है। वर्ष 2020 में उन्होंने सीरीज %फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स% के साथ अभिनय की दुनिया में वापसी की है।

शादी में जरूर आना के नौ साल पूरे, आरती शुक्ला के किरदार ने सामाजिक रूढ़ियों को दी चुनौती



बॉलीवुड फिल्म शादी में जरूर आना के प्रदर्शन के नौ साल पूरे हो गये हैं। फिल्म में आरती शुक्ला का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपने अभिनय से एक ऐसी महिला की कहानी को जीवंत किया था, जो प्रेम और विवाह के साथ अपने करियर, स्वतंत्र पहचान और आत्मसम्मान को भी समान महत्व देती है। फिल्म की कहानी केवल प्रेम, बिछड़ने और रिश्तों में आये उतार-चढ़ाव तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके माध्यम से महिलाओं की सामाजिक स्थिति और पारंपरिक अपेक्षाओं पर भी सवाल उठाये गये थे। आरती का किरदार उन युवतियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो शादी को जीवन का एकमात्र लक्ष्य मानने के बजाय अपने सपनों को पूरा करना चाहती हैं। आरती की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह अपने करियर और भविष्य को लेकर स्पष्ट सोच रखती थी। वह परिवार और रिश्तों को महत्व देने के साथ अपनी अलग पहचान भी बनाना चाहती थी। उसका किरदार इस धारणा को चुनौती देता है कि एक अच्छी बेटी या पत्नी बनने के लिए महिला को अपनी इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं का त्याग करना चाहिए। फिल्म में आरती के आत्मसम्मान को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। प्रेम संबंध में धोखे और भावनात्मक आघात का सामना करने के बावजूद वह परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय अपने लिए खड़े होने का साहस दिखाती है। उसका किरदार यह संदेश देता है कि किसी भी रिश्ते में प्यार और विश्वास के साथ आत्मसम्मान का होना भी जरूरी है।

गौशालाओं में गोवर्धन पूजन का हुआ समारोहपूर्वक आयोजन

गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार से सम्मानित हुए गौसेवक



सिवनी। गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर जिले की गौशालाओं में आज श्रद्धा और उल्लास का वातावरण दिखाई दिया। मध्यप्रदेश शासन की मंशानुरूप मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड भोपाल में पंजीकृत जिले की शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं में गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम गौशाला कारीरात में गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

बरघाट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कलबोड़ी स्थित राधामोहन गौशाला में विधायक श्री कमल मर्सकोले की उपस्थिति में गोपूजन किया गया। इस अवसर पर गौसेवा और संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार श्रीमती चमरी बाई सावनलाल कोहरे, द्वितीय पुरस्कार श्री नंदकिशोर भागचंद ठाकुर तथा तृतीय पुरस्कार श्रीमती अनिता मोहनलाल कोहरे को प्रदान किया गया। विजेताओं को शाल-श्रीफल से सम्मानित किया गया।

भोपाल से सीधे पहुंची सम्मान की सौगात- गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार के विजेताओं के लिए यह अवसर और भी खास रहा। रविन्द्र भवन भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से विजेताओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 1 लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपये की राशि सीधे अंतरित की गई।

जिले की सभी पंजीकृत गौशालाओं में टेलीविजन के माध्यम से भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। गोवर्धन पूजा के साथ गौसेवा, गौसंरक्षण और गौसंवर्धन के संकल्प का संदेश भी जिलेभर में पहुंचा।



छपारा की दुखद घटना पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोक संवेदना व्यक्त की

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता के निर्देश

सिवनी।

सिवनी जिले के छपारा में हुई आगजनी की दुखद घटना में एक ही परिवार के 6 सदस्यों के निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहयोग एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। सोमवार को विधायक श्री दिनेश राय, विधायक श्री रजनीश ठाकुर,डीआईजी श्री राकेश सिंह, कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी ने छपारा पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

उन्होंने घटना की जानकारी लेते हुए मौके की स्थिति का जायजा लिया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा ढांढस बंधाया।

ससुराल जाने घर से निकला युवक लौगुर घाटी में सड़क हादसे का शिकार, मौके पर मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। मंगलवार की सुबह बालाघाट-बैहर मार्ग पर लौगुर घाटी के आम गोलाई के पास हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान चिखलाझोड़ी निवासी 32 वर्षीय रोशन पिता सुदेलाल उइके के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, 10 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे रोशन मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 जेड 6339 से अपने ससुराल ग्राम बोदल बेहरा, थाना रूपझर जाने के लिए घर से निकला था। रोशन मिस्त्री का काम करता था और उसका एक बेटा है। वह अपने गंतव्य तक पहुंच पाता, इससे पहले ही लौगुर घाटी के आम गोलाई के पास हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई। दुर्घटना में उसे गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक तौर पर बाइक अनियंत्रित होकर फिसलने की बात सामने आई है, हालांकि हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस दुर्घटनाग्रस्त वाहन और हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इधर, रोशन की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, गांव में शोक का माहौल है।

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में मृत मिला नर तेंदुआ

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन वनमंडल अंतर्गत खापा बफर परिक्षेत्र की सरेखा बीट में वन गश्ती के दौरान एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में मिला। तेंदुए का शव 9 नवंबर 2026 को कक्ष क्रमांक 1131 में पाया गया। इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। तेंदुए के शव का परीक्षण पशु चिकित्सा अधिकारी बैहर डॉ. सुनील गोयल एवं सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी परसवाड़ा डॉ. नेहा आहके द्वारा किया गया। शव परीक्षण के दौरान तेंदुए की मृत्यु स्वाभाविक एवं प्राकृतिक कारणों से होना प्रतीत हुई। शव परीक्षण के बाद निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार तेंदुए का विधिवत भस्मीकरण किया गया। इस दौरान क्षेत्र संचालक, कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला, नायब तहसीलदार बैहर, प्रोजेक्ट ऑफिसर, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रतिनिधि, सहायक संचालक उपस्थित थे।

भाजपा संगठन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल, आखिर सुजीत मिश्रा और पंकज बघेल पर कार्रवाई कब

विधानसभा चुनाव में हार के बावजूद दोबारा मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी, अब शासकीय भूमि विवाद और ग्रामीणों को धमकी देने के आरोपों से संगठन की मुश्किलें बढ़ीं

धनोरा स्वतन्त्रमत।

सिवनी जिले के धनोरा विकासखंड में भाजपा संगठन की कार्यप्रणाली को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। आखिर भाजपा संगठन धनोरा मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा एवं भाजपा युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल से जुड़े विवादों पर संज्ञान क्यों नहीं ले रहा है? लगातार सामने आ रहे विवादों के बावजूद संगठन की चुप्पी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। गौरतलब है कि धनोरा मंडल से विधानसभा चुनाव में भाजपा को लगभग 9700 मतों से हार का सामना करना पड़ा था जबकि केवलारी विधानसभा में भाजपा पार्टी इतने अधिक मतों से कभी नहीं हारी। इसके बावजूद संगठन ने दोबारा सुजीत मिश्रा को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी। वहीं धनोरा क्षेत्र में भाजपा के कुछ नेताओं और स्थानीय नागरिकों के बीच उनकी कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष होने की बात भी सामने आती रही है।

पूर्व में प्रकाशित खबरों में भी इस विरोध और नाराजगी का उल्लेख किया गया था। वर्तमान में ग्राम पंचायत सुनवारा में शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला सुर्खियों में है। इस मामले में सुजीत मिश्रा और पंकज बघेल के परिजनों से जुड़े लोगों पर शासकीय भूमि पर कब्जे के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि राजस्व विभाग द्वारा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई के दौरान विवाद की स्थिति निर्मित हुई और कब्जा हटाने को लेकर विरोध किया गया। मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया, जब शिकायतकर्ताओं और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद सुजीत मिश्रा एवं पंकज बघेल ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए सिर फोड़कर मारने और



जान से मारने जैसी धमकियां दीं। बताया जा रहा है कि जिस समय यह घटनाक्रम हुआ, उस दौरान राजस्व अमला और पुलिस प्रशासन के कर्मचारी भी मौके पर मौजूद थे। यदि ये आरोप सही हैं तो यह न केवल कानून व्यवस्था बल्कि जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक पदाधिकारियों के आचरण से जुड़ा गंभीर सवाल है। वहीं राजनीतिक संरक्षण को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। सूत्रों के हवाले से यह दावा किया जा रहा है कि सुजीत मिश्रा और पंकज बघेल को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। इनमें मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और भाजपा जिला अध्यक्ष मीना बिसेन सहित अन्य नेताओं के नाम लिए जा रहे हैं। हालांकि इस कथित संरक्षण को लेकर संबंधित नेताओं की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा जिला संगठन इन विवादों का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराएगा? क्या शासकीय भूमि से जुड़े मामले में राजस्व विभाग स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करेगा? और क्या ग्रामीणों को कथित धमकी देने के मामले में पुलिस प्रशासन जांच कर उचित कार्रवाई करेगा? धनोरा की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच उठ रहे इन सवालों का जवाब संगठन को देना चाहिए। आखिर पार्टी की छवि से बड़ा किसी पदाधिकारी का व्यक्तिगत प्रभाव कैसे हो सकता है?

खैरलांजी में परंपरागत रूप से संपन्न हुई खिलामुठिया गोवर्धन पूजा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।



दीपोत्सव के अंतिम दिन 10 नवंबर को खैरलांजी में गोवारी समाज द्वारा अपनी वर्षों पुरानी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का निर्वहन करते हुए पारंपरिक खिलामुठिया गोवर्धन पूजा एवं गाय खिलाने का कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी सदस्यों ने भगवान श्रीकृष्ण के पीतांबर स्वरूप से प्रेरित होकर पीले वस्त्र धारण किए तथा गले में कौड़ियों की माला पहनकर पारंपरिक वेशभूषा में आयोजन में सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत राजेंद्र साहारे के निवास स्थान से पारंपरिक रूप से डार निकालकर की गई। इसके पश्चात विधि-विधान से खिलामुठिया का पूजन किया गया और गायों को खिलाने की रस्म संपन्न कराई गई। इस दौरान ग्रामीणजन भी अपने-अपने गायों को लेकर गौठान के समीप पहुंचे और इस धार्मिक परंपरा में शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि गोवर्धन पूजा का धार्मिक महत्व भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत धारण कर ब्रजवासियों और गौवंश की रक्षा की थी। इसी आस्था के चलते गोवर्धन पूजा पर गायों के पूजन और उन्हें भोजन कराने की परंपरा निभाई जाती है। खैरलांजी में गोवारी समाज द्वारा आयोजित खिलामुठिया पूजा इसी धार्मिक आस्था के साथ स्थानीय लोकसंस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। आयोजन में छोटे बच्चों को भी शामिल कर उन्हें अपनी पुरातन परंपराओं से परिचित कराया गया।

इस संबंध में राजेंद्र साहारे ने बताया कि खिलामुठिया पूजा और गाय खिलाने की परंपरा पूर्वजों के समय से चली आ रही है। गोवारी एकता संगठन खैरलांजी के माध्यम से समाज के सभी लोग एकजुट होकर इसका आयोजन करते हैं और भविष्य में भी इस परंपरा को निरंतर जारी रखेंगे। इस अवसर पर मनोहर राऊत, दिनेश राऊत, अतुल सहारे, राहुल राऊत, अरुण राऊत, कृष्ण वाघाड़े, मदन वाघाड़े, दद्दू कोहरे, नरेंद्र राऊत, जितेंद्र राऊत, पप्पू राऊत सहित समाज के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार संजय नेमा को वापस मिले 20 लाख

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। ऑनलाइन साइबर ठगी के एक मामले में बालाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साइबर ठगों द्वारा वार्ड क्रमांक 20, राम गली निवासी संजय नेमा के साथ की गई 20 लाख रुपये की धोखाधड़ी की पूरी राशि पुलिस ने वापस दिला दी है। साइबर नोडल थाना की तत्परता और संबंधित बैंक के अधिकारियों से प्रभावी समन्वय के चलते पीड़ति को उसकी पूरी रकम वापस मिल सकी। जानकारी के अनुसार, संजय नेमा ने साइबर नोडल थाना बालाघाट में ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि अज्ञात साइबर ठगों ने ऑनलाइन माध्यम से उनके साथ 20 लाख रुपये की ठगी की है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज की। इसके बाद साइबर नोडल थाना पुलिस ने पोर्टल और अधिकृत ई-मेल के माध्यम से संबंधित बैंक के नोडल अधिकारियों से संपर्क कर संदिग्ध लेन-देन की राशि होल्ड कराने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस के त्वरित प्रयासों और बैंक अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय के परिणामस्वरूप ठगी की पूरी 20 लाख रुपये की राशि होल्ड करा ली गई। आवश्यक बैंकिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद संपूर्ण राशि पीड़ति संजय नेमा के बैंक खाते में वापस करा दी गई।

पुलिस अधीक्षक मलय जैन के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में साइबर नोडल थाना प्रभारी संदीप भारतीय के नेतृत्व में महिला प्रधान आरक्षक मेघा तिवारी एवं महिला प्रधान आरक्षक चांदनी शांडिल्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बालाघाट पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते की गोपनीय जानकारी अथवा अन्य वित्तीय जानकारी साझा न करें।

जुए के फड़ पर पुलिस की दबिश, 7 आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस ने 1.56 लाख रुपये नकद और ताश के पत्ते जब्त



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। शहर में अवैध गतिविधियों और जुए के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए जीरो टालरेंस नीति के तहत कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मार्डीकल गली स्थित एक मकान के पोर्च में चल रहे जुए के फड़ पर पुलिस ने दबिश दी। मौके से सात लोगों को जुआ खेलते पकड़ा और उनके कब्जे तथा फड़ से कुल एक लाख 56 हजार रुपये नकद और ताश के पत्ते जब्त किए।

पुलिस के अनुसार, सोमवार को सूचना मिली थी कि वार्ड-25 में गुरमीत सिंह के मकान की छत (पोर्च) पर जुआ खेला जा रहा है। सूचना से थाना प्रभारी निरी. अजय गुर्जर को अवगत कराया गया। उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

मौके पर पहुंचकर पुलिस ने घेराबंदी कर दबिश दी। पकड़े गए सात आरोपियों में तीन छिंदवाड़ा जिले के रहने वाले हैं। आरोपितों में वसीम इमाम (38), चंगेज शमशेर खान (42) और अमित चौरसिया (45) तीनों निवासी छिंदवाड़ा हैं। इनके साथ बालाघाट के दीपक सोमानी (39), गुरमीत जुनेजा (52), गोविंदा वाधवानी और धीरज रूसिया (50) निवासी वारासिवनी को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने 82,100 रुपये और जुए के फड़ से 73,900 रुपये (कुल 1,56,000) बरामद किए हैं। आरोपितों के विरुद्ध जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। जुए के अड्डे पर दबिश देकर आरोपितों की गिरफ्तारी में प्रआर. गजेंद्र माटे, रामकिशोर पटले, आर. प्रियांक श्रीवास, गजेंद्र यादव, शेख शहजाद और अजय उपाध्याय की अहम भूमिका रही।

लापरवाह बीईओ एवं बीआरसी को नोटिस

जनसुनवाई में 24 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जनसुनवाई की श्रृंखला में 10 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 24 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला डोंगरगांव संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मेंढकी के सेवानिवृत्त शिक्षक नंदलाल बोकडे एरियर की द्वितीय किश्त का भुगतान नही करने संबंधी शिकायत लेकर आए थे। सेवानिवृत्त शिक्षक नंदलाल बोकडे का कहना था कि वे 31 जनवरी 2022 को सेवानिवृत्त हो गए है। शासन के आदेशानुसार उन्हें प्रथम नियुक्ति से पूर्ण वेतनमान का एरियर्स दो किश्तों में दिया जाना था। उन्हें 01 लाख 28 हजार 140 रुपए की प्रथम किश्त का भुगतान कर दिया गया है लेकिन 01 लाख 71 हजार 450 रुपए की द्वितीय किश्त का भुगतान 02 वर्ष 10 माह बीत जाने के बाद भी नही किया गया है। इस प्रकरण में कलेक्टर श्री सिंह ने वारासिवनी के बीईओ एवं बीआरसी को नोटिस जारी कर जवाब तलब करने के निर्देश दिये है। इसके साथ ही द्वितीय किश्त का शीघ्र भुगतान करने कहा गया है। किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा निवासी भवानी तिवारी अपनी निजी भूमि पर बिना अनुमति गेट एवं बैनर लगाए जाने और आवागमन बाधित किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि सलीम खान, जावेद खान, शानू खान एवं उनके साथियों ने उनकी निजी भूमि पर बिना अनुमति गेट और बैनर लगा दिए हैं, जिससे उन्हें अपनी ही जमीन पर आने-जाने में परेशानी हो रही है। इस प्रकरण में एसडीएम किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोली के डामेंद्र कुमार धानेश्वर शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के लोक सूचना अधिकारी पर तीन आरटीआई आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में जवाब नहीं दिये जाने की शिकायत लेकर आये थे।इस प्रकरण में अपर कलेक्टर को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है। ग्राम अमोली के ही डामेंद्र कुमार द्वारा त्यौहारों के समय भोपाल-इंदौर से बालाघाट चलने वाली बसों का किराया बहुत अधिक बढा दिये जाने की शिकायत की गई और इस पर रोक लगाने की मांग की गई। इस पर जिला परिवहन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये ।



एक साथ निकली 6 अर्थियों से नम हुई आँखें

कटनी (स्वतंत्रमत)

बरही नगर में दीपावली की रात एक क्रॉकरी दुकान सह हाउस में लगी भीषण आग से एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मृत्यु हो गई। मृतकों में 77 साल के पूर्ण अग्रवाल, उनकी पत्नी, बहू, दो नतीनें और 2 महीने का मासूम शामिल है। रात करीब 12 बजे भड़की इस आग ने पूरी तीन इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। सुबह जब एक साथ छह अर्थियां निकली, तो पूरा बरही नगर पूर्वोत्तर एशिया में डूब गया और हर किसी की तरह नाम हो गया।

काल बन गई दीवाली, अग्निकांड में उजड़ गया हँसता-खेलता परिवार



मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 4-4 लाख रूपये की सहायता राशि के दिए निर्देश



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बरही अग्नि हादसा में छह लोगों की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह सोमवार को बरही पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर शोकाकुल परिवार जनों से भेंट की।

पीड़ित परिवार से मिलकर जताया शोक, मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर छह सदस्यों के असामयिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया तथा उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए यह ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई किसी भी प्रकार से संभव नहीं है। इस कठिन समय में राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और हरसंभव मदद उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिला प्रशासन और स्थानीय विधायक से चर्चा कर प्रत्येक मृतक के परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

30 दिन में जांच पूरी करने के निर्देश

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने कलेक्टर आशीष तिवारी को घटना की परिस्थितियों, राहत एवं बचाव कार्यों में संभावित लापरवाही के सभी पहलुओं की मजिस्ट्रियल जांच 30 दिन में पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या चूक सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संजय पाठक पहुंचे थे घटनास्थल, परिजनों से मिलकर साझा किया था दुख



इस हृदयविदारक घटना पर विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने भी गहरा दुख व्यक्त किया था। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने श्रद्धांजलि संदेश जारी कर शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की थीं। इसके बाद संजय पाठक स्वयं बरही पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। विधायक संजय पाठक ने पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल की परिस्थितियों का जायजा लिया और हादसे से जुड़े पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद वे शोकाकुल अग्रवाल परिवार के परिजनों के बीच पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और इस कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। संजय पाठक ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा था कि पूरन अग्रवाल सहित परिवार के छह सदस्यों के असामयिक निधन से उनका मन अत्यंत व्यथित है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवार को शासन-प्रशासन के माध्यम से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए वे तत्पर हैं।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने बरही अग्नि हादसा दुर्घटना पर जताया गहरा शोक



दीपावली पर्व के दौरान कटनी जिले के बरही में बीती देर रात आग लगने से हुई दुखद दुर्घटना में मृतको के प्रति राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अग्नि हादसे में मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

बरही अग्निकांड की मजिस्ट्रियल जांच शुरू,नगर परिषद के रिकॉर्डों की हो रही जांच



बरही में हुये अग्नि हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। हादसे के कारणों और अग्निशमन व्यवस्था में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए प्रशासन ने जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। मंगलवार को जांच दल ने बरही नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर प्रारंभिक पड़ताल शुरू की। जांच के दायरे में फायर ब्रिगेड की उपलब्धता, उसकी कार्यप्रणाली, रखरखाव और नगर में अग्नि सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा गठित जांच दल के अध्यक्ष एवं अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा के निर्देश पर जांच दल के सदस्य एसडीओपी वीरेन्द्र धार्वे ने नगर परिषद कार्यालय में संबंधित अभिलेखों का बारीकी से परीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी लेकर पूछताछ भी की। इस दौरान एसडीएम विजयराघवगढ़ विवेक गुप्ता भी उपस्थित रहे। जांच टीम द्वारा नगर परिषद में उपलब्ध फायर ब्रिगेड की स्थिति, उसके रखरखाव, संचालन एवं आपातकालीन परिस्थितियों में उसकी कार्यप्रणाली की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही शासन द्वारा जारी अग्निशमन एवं सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों के पालन की स्थिति का भी परीक्षण किया जा रहा है। अग्निशमन व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों का अवलोकन करने के साथ आवश्यक अभिलेखों को जब्त करने की कार्रवाई भी प्रारंभ की गई है।

अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित

कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मजिस्ट्रियल जांच समिति की अध्यक्षता अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र करेंगे। समिति में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजयराघवगढ़ विजय धारेवे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कैमोर मनीष परते और सहायक यंत्री विद्युत सुरक्षा कटनी ज्योति यादव को सदस्य बनाया गया है। कलेक्टर ने समिति को घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर 30 दिवस के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

आग कैसे लगी, सुरक्षा इंतजाम थे या नहीं, हर पहलू की होगी जांच

जांच समिति बरही निवासी पूरनलाल पिता भगवत प्रसाद के आवासीय भवन और उसमें संचालित क्रॉकरी दुकान में लगी आग की परिस्थितियों की विस्तृत पड़ताल करेगी। समिति आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के साथ भवन और दुकान के संचालन से संबंधित नियमों तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन की स्थिति की भी जांच करेगी। इसके अलावा हादसे के दौरान पुलिस, राजस्व और अग्निशमन विभाग द्वारा किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के बयान होंगे दर्ज, जिम्मेदारियों का होगा निर्धारण

समिति घटना से जुड़े संबंधित व्यक्तियों, प्रत्यक्षदर्शियों और प्रभावित पक्षों के बयान दर्ज करेगी। इसके साथ ही उपलब्ध दस्तावेजों, विभागीय अभिलेखों और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया जाएगा। जांच में यदि किसी व्यक्ति या विभाग की लापरवाही अथवा चूक सामने आती है तो उससे संबंधित जिम्मेदारियों का निर्धारण किया जाएगा। जांच समिति भविष्य में इस तरह की हृदयविदारक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुझाव भी अपनी रिपोर्ट में शामिल करेगी।

छह मौतों के बाद जागा प्रशासन

दीपावली की खुशियों के बीच बरही नगर में हुए भीषण अग्निकांड ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। तीन मंजिला आवासीय भवन सह क्रॉकरी दुकान में लगी आग ने एक ही परिवार के छह सदस्यों की जिंदगी छीन ली। दो माह के मासूम से लेकर 77 वर्षीय बुजुर्ग तक इस अग्निकांड की चपेट में आ गए। इस हृदयविदारक घटना के बाद अब जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष तिवारी ने अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच समिति गठित कर 30 दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस जांच के जरिए आग लगने के वास्तविक कारणों से लेकर राहत एवं बचाव कार्यों में हुई कार्रवाई, भवन और दुकान में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम तथा संभावित लापरवाही की पड़ताल की जाएगी। प्रशासन यह भी पता लगाएगा कि इस दर्दनाक हादसे में कहीं किसी स्तर पर चूक या लापरवाही तो नहीं हुई।

दीपावली की रात आग ने छीन लीं एक परिवार की छह जिंदगियां

गौरतलब है कि दीपावली की रात बरही नगर के मुख्य बाजार स्थित पूरन अग्रवाल और रितेश अग्रवाल की तीन मंजिला क्रॉकरी दुकान सह मकान में रात करीब 12 बजे अचानक आग भड़क उठी थी। देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। आग और जहरीले धुएं के कारण परिवार के सदस्य ऊपरी मंजिलों में फंस गए। हादसे के दौरान कुछ सदस्य किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन परिवार के छह सदस्य अंदर ही घिर गए। स्थानीय लोगों और बचाव दल ने रातभर उन्हें बचाने के प्रयास किए। सुबह करीब 4:30 बजे 77 वर्षीय पूरन अग्रवाल को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद सुबह करीब 6:30 बजे जेसीबी की मदद से इमारत की दीवार तोड़कर बचाव अभियान आगे बढ़ाया गया। इस अग्निकांड में पूरन अग्रवाल (77 वर्ष), उनकी पत्नी चंद्रकला अग्रवाल (74 वर्ष), बहू पूनम अग्रवाल, 14 वर्षीय आर्या, 6 वर्षीय अन्वी और महज दो माह के मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई।

घायल रितेश अग्रवाल का जाना स्वास्थ्य

प्रभारी मंत्री श्री सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरही पहुंचे और अग्नि हादसे में जीवित बचे उपचाररत 43 वर्षीय रितेश अग्रवाल के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर इलाज और समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पहले घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर आशीष तिवारी, एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने घटना स्थल पर सबेरे से शाम तक मौजूद रहे। बीती रात को ही बरही नगर परिषद सहित कैमोर, विजयराघवगढ़ नगर परिषद और नगर निगम कटनी के दमकल वाहनो और पुलिस के सहयोग से आग पर काबू पाया गया । कलेक्टर श्री तिवारी ने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर, शोक जताया और परिवार को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक, कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम विजयराघवगढ़ विवेक गुप्ता, एसडीएम कटनी जितेंद्र पटेल एवं नगर परिषद अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल उपस्थित रहें।

नन्हवारा कलां में मकान में लगी भीषण आग

दमकल पहुंची तो टैंकर में था महज एक ड्रम पानी ग्रामीणों ने मिलकर बुझाई आग

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत नन्हवारा कलां में आगजनी की एक घटना ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं और आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। जगदीश मंदिर के समीप स्थित रोहित दुबे के कच्चे मकान में 7 सितंबर की रात्रि अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते मकान में रखा घरेलू सामान और कृषि सामग्री इसकी चपेट में आ गई। नक्शे देखें। प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान मालिक रोहित दुबे गाय-भैंसों को मच्छरों से बचाने के लिए धुआं कर रहे थे। इसी दौरान कंडों के ढेर में संभवत: कोई जलता हुआ तिनका पहुंच गया, जिससे आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा, दमकल का इंतजार करते रहे लोग

आग लगने की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। ग्रामीणों की सामूहिक मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना डायल 112 को भी दी गई। वहीं, करीब एक घंटे बाद कैमोर थाने के माध्यम से दमकल दल मौके पर पहुंचा। लेकिन दमकल वाहन की स्थिति देखकर ग्रामीण भी हैरान रह गए। बताया जा रहा है कि दमकल वाहन में पानी की मात्रा बेहद कम थी और उसमें महज एक ड्रम पानी



ही उपलब्ध था। ऐसे में सवाल उठने लगे कि यदि आग और अधिक विकराल होती या आसपास के अन्य मकानों तक फैल जाती, तो सीमित पानी वाला दमकल वाहन आखिर कितनी प्रभावी भूमिका निभा पाता।

बड़ी घटना टली, लेकिन व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल-गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि मकान में रखा घरेलू सामान, कृषि सामग्री और कंडों का ढेर आग की भेंट चढ़ गया। ग्रामीणों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना ने क्षेत्र की अग्निशमन व्यवस्था की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। ग्रामीणों के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि आपातकालीन परिस्थितियों में दमकल वाहन को पर्याप्त पानी और आवश्यक संसाधनों के साथ मौके पर पहुंचना चाहिए, लेकिन यदि दमकल वाहन में ही पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होगा तो आग बुझाने की व्यवस्था कितनी कारगर साबित होगी।

अजगर की चाल से चल रही प्रशासनिक व्यवस्था-विजयराघवगढ़ क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों को लेकर इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का मानना है कि आगजनी जैसी घटनाओं में हर मिनट कीमती होता है। ऐसे में करीब एक घंटे बाद दमकल का पहुंचना और वाहन में महज एक ड्रम पानी होना व्यवस्था की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस घटना से सबक लेते हुए दमकल व्यवस्था को दुरुस्त करने, वाहनों में पर्याप्त पानी रखने और आपातकालीन सेवाओं को तत्पर बनाने के लिए क्या कदम उठाते हैं, या फिर प्रशासनिक व्यवस्था इसी तरह अजगर की चाल से चलती रहेगी।

कटनी में ठंड के तीखे तेवर : पचमढ़ी पीछे छूटा

कटनी (स्वतंत्रमत)

करौंदी में पारा 10.4 डिग्री पर अगले चार दिन और बढ़ेगी ठिठुरन मध्य प्रदेश में इस बार नवंबर की शुरुआत से ही ठंड ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मैदानी इलाके हिल स्टेशनों से भी ज्यादा ठंडे होने लगे हैं, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण कटनी जिला बना है। जिले का करौंदी इलाका न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस के साथ न सिर्फ कटनी बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में सबसे ठंडा दर्ज किया गया है। हैरानी की बात यह है कि राज्य के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी रात का पारा इससे ज्यादा यानी 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।



प्रदेश के अन्य प्रमुख जिलों और इलाकों का न्यूनतम तापमानरू- करौंदी (कटनी) के अलावा प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी रात का पारा तेजी से नीचे गिरा है: अमरकंटक 11.4 डिग्री सेल्सियस, कल्याणपुर 11.8 डिग्री सेल्सियस, दमोह 12.5 डिग्री सेल्सियस, रायसेन 12.6 डिग्री सेल्सियस, उमरिया 13.0 डिग्री सेल्सियस, जबलपुर 13.4 डिग्री सेल्सियस, पचमढ़ी 13.4 डिग्री सेल्सियस, छिंदवाड़ा 13.5 डिग्री सेल्सियस, मलाजखंड और रीवा 13.6 डिग्री सेल्सियस, मंडला 13.8 डिग्री सेल्सियस, भोपाल और इंदौर 14.0 डिग्री सेल्सियस, नौगांव 14.5 डिग्री सेल्सियस।

भौगोलिक स्थिति है मुख्य वजह- कटनी के करौंदी में पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंड पड़ने के पीछे यहां की भौगोलिक बनावट है। करौंदी विंध्याचल पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों के ढलान पर स्थित है। रात के समय पहाड़ियों की ऊपरी सतह की ठंडी हवा भारी होकर नीचे की ओर बहने लगती है, जिसे कैटाबेटिक विंड्स और थर्मल इन्वर्जन कहा जाता है। इस प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण मैदानी और ढलान वाले इलाकों में रात के वक्त तापमान तेजी से नीचे गिर जाता है।

आगे कैसा रहेगा मौसम-मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में ठंड का यह असर और अधिक तेज होगा। अगले चार दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि अभी बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने और उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण नवंबर के दूसरे सप्ताह से कटनी सहित पूरे संभाग में ठिठुरन और बढ़ने के पूरे आसार हैं।

चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में स्वच्छता अभियान उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ

कटनी (स्वतंत्रमत)



आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं मुनि श्री 108 पुंगव सुधासागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से निर्मित चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में 8 नवंबर, रविवार को प्रात: 8 बजे सामूहिक स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान हर्ष, उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। जैन समाज के श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए तीर्थक्षेत्र की स्वच्छता, सुंदरता एवं संरक्षण के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। इस अभियान के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण, सहयोग एवं एकता की भावना का संदेश दिया गया। सभी समाजजनों ने संकल्प लिया कि तीर्थक्षेत्र की स्वच्छता एवं सुरक्षा केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही इस पावन स्थल की गरिमा एवं सुंदरता को बनाए रखा जा सकता। चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में अब प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं अन्य रचनात्मक सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

भारत को शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और ब्रॉन्ज

ईशा, मनु और दिव्या ने 25 मीटर पिस्टल टीम इवेंट जीता, पुरुषों की टीम तीसरे स्थान पर



दोहा

भारत ने आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में मंगलवार को एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता। ईशा सिंह, मनु भाकर और दिव्या थाडिगोल सुब्बाराजू की तिकड़ी ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल टीम इवेंट में गोल्ड अपने नाम किया। वहीं ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, अखिल श्योराण और नीरज कुमार ने पुरुषों के 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस टीम इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। महिलाओं की टीम ने कुल 1761 पॉइंट हासिल किए। साउथ कोरिया 1748 पॉइंट के साथ दूसरे और वियतनाम 1745 पॉइंट लेकर तीसरे स्थान पर रहा। यह इस चैंपियनशिप में भारत का दूसरा गोल्ड है। इससे पहले पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल टीम ने भी गोल्ड जीता था। 25 मीटर पिस्टल टीम इवेंट में भारत की तीनों खिलाड़ियों के स्कोर को जोड़कर टीम की रैंकिंग तय होती है। ईशा ने 590, मनु ने 587 और दिव्या ने 584 पॉइंट हासिल किए। ईशा का स्कोर टीम में सबसे ज्यादा रहा। इस इवेंट में खिलाड़ियों को दो हिस्सों में निशाना लगाना होता है। पहले प्रिसिजन राउंड में निशाना लगाने के लिए ज्यादा समय मिलता है। इसके बाद रैपिड राउंड होता है, जिसमें तय समय के भीतर तेजी से फायर करना पड़ता है। ईशा ने प्रिसिजन में 292 और रैपिड में 298 पॉइंट बनाए। मनु ने दोनों राउंड में क्रमश: 289 और 298 पॉइंट हासिल किए। दिव्या के खाते में प्रिसिजन के 289 और रैपिड के 295 पॉइंट आए। भारतीय टीम ने रैपिड राउंड में खास तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया। तीनों खिलाड़ियों ने इस हिस्से में कुल 891 पॉइंट जुटाए।

ईशा और मनु व्यक्ति गत फाइनल में पहुंचीं

टीम गोल्ड के साथ ईशा और मनु ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी जगह बनाई। दो दिन तक चले क्वालिफिक्रेशन राउंड में ईशा 590 पॉइंट के साथ तीसरे और मनु 587 पॉइंट के साथ छठे स्थान पर रहीं। दिव्या 584 पॉइंट के साथ 10वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। ईशा ने सोमवार के प्रिसिजन राउंड में 292 पॉइंट बनाए थे। मंगलवार के रैपिड राउंड में उन्होंने 100ए 98 और 100 पॉइंट की सीरीज के साथ 298 पॉइंट जुटाए। वहीं मनु ने भी प्रिसिजन में 289 पॉइंट बनाने के बाद रैपिड राउंड में 99, 99 और 100 पॉइंट हासिल कर वापसी की। हालांकि व्यक्तिगत फाइनल में दोनों खिलाड़ी मेडल नहीं जीत सकीं। मनु 27 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहींए जबकि ईशा 11 हिट के साथ आठवें स्थान पर रहीं।

व्यक्ति गत मेडल से मिलेगा ओलिंपिक कोटा

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा का फाइनल भारत के लिए इसलिए भी अहम था, क्योंकि इसके तीनों मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों के देशों को 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक का कोटा प्लेस मिलेगा। ईशा और मनु दोनों के फाइनल में पहुंचने से भारत के पास दो कोटा प्लेस हासिल करने का मौका था। इस चैंपियनशिप में भारत के लिए जयपाल मालवीय पहले ही ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर जीतकर लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के लिए भारत का पहला शूटिंग कोटा दिलाया था।

सहवाग के आतिशी शतक से अंडर 19 एशिया कप के सेमीफाइनल में भारत

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से होगा मुकाबला

अल अमीरात



आर्यवीर सहवाग 160 के आतिशी शतक से भारत अंडर 19 ने यूएई अंडर 19 को मंगलवार को 70 रन से रौंदकर अंडर.19 एशिया कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने ग्रुप ए मैच में 50 ओवर में सात विकेट पर 309 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद यूएई को 50 ओवर में 239 रन पर समेट दिया। भारत का सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला होगा। भारत की जीत के मुख्य सूत्रधार रहे आर्यवीर रहे, जिनके 168 गेंदों पर 17 चौकों और सात छक्कों की मदद से बने 160 रनों की बदौलत ही भारतीय टीम इतना बड़ा स्कोर खड़ा कर पाई। सहवाग ने शुरुआत में संभलकर खेलाए लेकिन शतक पूरा करने के बाद उन्होंने अपने असली रंग में आकर शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने सही गेंदों को चुना और उन पर बेहतरीन शॉट खेले। इस पारी के लिए सहवाग को प्लेयर ऑफद मैच का पुरस्कार मिला।

बाएं हाथ के बल्लेबाज वीके विनीत (67) ने भी सहवाग का अच्छा साथ दिया और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 193 रन जोड़े। हालांकि अंत में यूएई ने कुछ विकेट जरूर लिएए लेकिन भारत 300 से ज्यादा का स्कोर बनाने में कामयाब रहा। इस स्कोर को पार करना यूएई टीम के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती साबित हुआ। अन्वय द्रविड़ 12 रन बनाकर आउट हुए।

भारत सेमीफाइनल में पहुँचने के लिए जीत की ज़रूरत थी और उन्होंने वह हासिल कर ली। ऐसा लग रहा था कि यूएई के लिए इस लक्ष्य का पीछा करना हमेशा से ही मुश्किल था। भारतीय गेंदबाज़ी में बहुत धार और सटीकता थी। उन्होंने बहुत सधी हुई लाइन और लेंथ पर गेंदबाज़ी की और इसका उन्हें फ़ायदा भी मिला। पारी के अंत में अहमद खुदादाद (74) और नूरुल्लाह आयोबी (39) ने कुछ तेज़ी से रन बनाए, जिससे हार का अंतर थोड़ा कम हो गया। ईशान सूद सबसे बेहतरीन गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 37 रन पर 4 विकेट लिए। उन्होंने बहुत अच्छी यॉर्कर गेंदें डालीं, जिसकी बदौलत उन्हें ये विकेट मिले।

पंत न्यूजीलैंड टेस्ट के लिए तैयार

12 नवंबर को होगा आखिरी फिटनेस टेस्ट



बेंगलुरु। उम्मीद है कि 12 नवंबर को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ऋषभ पंत का आखिरी फिटनेस और सिमुलेशन टेस्ट होगा। भारत के यह विकेटकीपर.बल्लेबाज न्यूजीलैंड में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल होने की दौड़ में हैं। क्रिकबज को जानकारी मिली है कि इस टेस्ट के बाद उन्हें सीओई से फाइनल क्लीयरेंस मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक सीओई में पंत ने अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की है, और नेट्स में वे काफी सहज दिखे। सोशल मीडिया पर उनकी बल्लेबाजी के जो फोटो सामने आए हैंए उनमें वे अच्छी फॉर्म में लग रहे हैं। पहले टेस्ट से काफी पहले न्यूजीलैंड पहुंच जाएंगे। पहला टेस्ट 17 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में शुरू होगा। सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहलेए पंत को भारत ए के तीन मैचों के लिए चुना गया था, लेकिन सीओई से क्लीयरेंस न मिलने के कारण वे इनमें से किसी भी मैच में नहीं खेल पाए। श्रीनगर में श्रेस्ट ऑफ इंडिया और जम्मू.कश्मीर के बीच हुए ईरानी कप मैच के दौरान उन्हें साइड स्ट्रेन पसलियों के पास खिंचावद्ध हो गया था। कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफदूसरे टेस्ट के बाद से पंत ने कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। इसके बाद उन्हें भारत ए की टीम से हटा दिया गया और वे सीओई में अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखे हुए हैं। अगले कुछ दिनों में उन्हें फाइनल क्लीयरेंस मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद वे न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं।

रावलपिंडी टेस्ट पर पाकिस्तान की पकड़ मजबूत

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने रावलपिंडी टेस्ट पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है। दूसरे दिन मंगलवार का खेल खत्म होने तकए श्रीलंका के शीर्ष तीन बल्लेबाजों को आउट करने के बाद पाकिस्तान के पास पहली पारी में अच्छी बढ़त है।

डेब्यू कर रहे साकिब खान के दो विकेट लेने के बाद कामिंडू मेंडिस और धनंजय डी सिल्वा ने मिलकर नाबाद 49 रनों की साझेदारी की। लेकिन खराब रोशनी के कारण खेल को समय से पहले रोकना पड़ा। पहले दो दिनों में अब तक लगभग 45 ओवरों का खेल खराब हो चुका है। पाकिस्तान ने पहले दिन कई अर्धशतकों की मदद से मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया था। 281ध्5 के स्कोर से आगे खेलते हुएए सऊद शकील और गाजी गौरी ने बिना किसी बड़ी परेशानी के बल्लेबाजी जारी रखी।

भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द

टॉस हुआ लेकिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी

हैमिल्टन



लगातार बारिश के कारण मंगलवार को सेडन पार्क में भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच रद्द करना पड़ा। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज में भारत की 2.0 की बढ़त बनी हुई है। बारिश के बार.बार आने से मैदान खेलने लायक नहीं बचा था, जिसके चलते बिना एक भी गेंद फेंके मैच को रद्द कर दिया गया। अंपायरों ने अंतिम फैसला लेने से पहले कई बार मैदान की स्थिति का जायजा लिया। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने भी कहा कि लगातार बारिश के बाद मैदान की स्थिति तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती थी। दोनों टीमों ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी थी, लेकिन लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण मैच शुरू नहीं हो सका। भारत ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया, जबकि न्यूजीलैंड ने एक बदलाव करते हुए जैकब टिकनर की जगह मैथ्यू फिशर को शामिल किया। मैच रद्द होने का मतलब है कि शुरुआती दो मैच जीतने वाली भारतीय टीम ने सीरीज में 2.0 की अजेय बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड के पास अभी भी बाकी बचे दो मैच जीतकर सीरीज बराबर करने का मौका है। अब दोनों टीमें अपना ध्यान चौथे वनडे पर लगाएंगी, जो शुक्रवार को खेला जाना है। सीरीज का आखिरी मैच रविवार को होगा। मैच रद्द होने के समय दोनों टीमों के कई खिलाड़ी आगामी टेस्ट सीरीज के लिए अपनी-अपनी टेस्ट टीमों से जुड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

केकेआर की सह.मालिक जूही चावला चाहती हैं जनवरी में हो टूर्नामेंट

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स फ्रेंचाइज़ी की सह.मालिक जूही चावला नहीं चाहतीं कि आईपीएल का आयोजन गर्मियों की शुरुआत यानी आमतौर पर मार्च से मई के बीच हो। उनकी जगह इसे साल के ठंडे महीनों में, जनवरी में आयोजित करने की इच्छा है। सोमवार को एक्स पर उन्होंने लिखा आईपीएल को अब क्रिकेट कैलेंडर में अपनी जगह तलाशने की ज़रूरत नहीं है। उसने कैलेंडर को प्रभावित करने का हक़ हासिल कर लिया है। टूर्नामेंट के पहले चेयरमैन ललित मोदी ने भी उनके सुझाव का समर्थन किया। चावला ने लिखा दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट को साल के सबसे गर्म महीनों में क्यों खेलते रहना चाहिए और अगर कैलेंडर पर दोबारा विचार हो रहा है, तो अप्रैल-मई की जगह जनवरी क्यों नहीं?

आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च

मुंबई। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह नया इक्विटी निवेश विकल्प कंपनी की ज्यादातर यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) के साथ उपलब्ध होगा। इस फंड के माध्यम से निवेशकों को मजबूत वित्तीय स्थिति और शेयर की कीमतों में सकारात्मक रुझान वाली कंपनियों में निवेश करने का अवसर मिलेगा।

यह इंडेक्स फंड निवेशकों को लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दिलाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके तहत बीएसई 500 की सूची में शामिल 50 ऐसे शेयरों का विविध पोर्टफोलियो बनाया जाएगा, जो दो प्रमुख मानकों- मोमेंटम और क्वालिटी पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। फंड के लॉन्च पर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर मनीष कुमार ने कहा, आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड निवेशकों को मजबूत कारोबारी मॉडल, कमाई की बेहतर संभावनाओं और शेयर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी वाली कंपनियों में निवेश के माध्यम से लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का प्रभावी अवसर देता है। खास बात यह है कि निवेशकों को ऐसी कंपनियों के पोर्टफोलियो में निवेश का मौका मिलेगा, जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत है। कंपनियों का चयन रिटर्न ऑन इक्विटी, डेट टू इक्विटी और प्रति शेयर आय (ईपीएस) जैसे वित्तीय मानकों के आधार पर किया जाता है। साथ ही, इन कंपनियों के शेयरों की कीमतों में पिछले 12 महीनों के दौरान अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, यह इंडेक्स फंड बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच ग्राहकों को लंबी अवधि के निवेश से मिलने वाले कंपाउंडिंग के लाभ का फायदा उठाने में सक्षम बनाने की कंपनी की रणनीति के अनुरूप है। इसके माध्यम से ग्राहकों को एक व्यवस्थित निवेश विकल्प मिलेगा, जो लगातार होने वाली वृद्धि को उनके परिवार की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा में बदलने में मदद करेगा।

भारत में बंपर बिक्री से सुजुकी मोटर का राजस्व 16.8 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई



जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन का राजस्व चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 16.8 प्रतिशत बढ़कर 1,713 अरब येन पर पहुंच गया। इसमें भारतीय कारोबार का योगदान सबसे अधिक रहा जहां मारुति सुजुकी इंडिया के जरिए उसकी सबसे अधिक उत्पादन और बिक्री है। मारुति सुजुकी में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की हिस्सेदारी 58.72 प्रतिशत है। मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को सुजुकी मोटर के वित्तीय परिणामों के बारे अपडेट जारी किया। इसमें बताया गया है कि दूसरी तिमाही में जापानी कंपनी का परिचालन लाभ एक साल पहले के मुकाबले 0.6 प्रतिशत घटकर 134 अरब येन रह गया। वित्त वर्ष की पहले छमाही में राजस्व 19.4 फीसदी बढ़कर 3,419 अरब येन पर और परिचालन लाभ 5.5 प्रतिशत बढ़कर 292 अरब येन पर पहुंच गया। छमाही के दौरान यात्री वाहनों के कारोबार से कंपनी को 3,090 अरब येन की कमायी हुई जिसमें भारतीय कारोबार से राजस्व में 28.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,391 अरब येन हो गया। कंपनी ने बताया कि इन छह महीनों में परिचालन लाभ में हुई वृद्धि में विदेशी मुद्रा विनिमय का योगदान 52 प्रतिशत सकारात्मक और कच्चे माल की कीमत में बदलाव का 151 प्रतिशत नकारात्मक रहा है। इस दौरान डॉलर और यूरो के मुकाबले येन की मजबूती का उसे फायदा हुआ है। साथ ही रुपये की तुलना में येन की कमजोरी भी उसके लिए सकारात्मक रही। अप्रैल से सितंबर के दौरान कंपनी के यात्री वाहनों की कुल बिक्री 19.18 लाख इकाई रही। इसमें अकेले भारत में उसने 11.47 लाख वाहन बेचे। यह एक साल पहले की तुलना में 31.6 प्रतिशत अधिक है। भारत में यात्री वाहनों का उत्पादन 13.30 लाख इकाई रहा जो सालाना आधार पर 26.6 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है।

सुजुकी मोटर भारत में अपनी मोटरसाइकिलें अकेले बनाती है। पहली छमाही में इस खंड में उसकी बिक्री 11.67 लाख इकाई रही जिसमें भारतीय बाजार में उसने 6.13 लाख मोटरसाइकिलें बेची हैं। यह पिछले साल की समान छमाही से 8.4 प्रतिशत अधिक है। भारत में मोटरसाइकिलों का उसका उत्पादन 7.2 फीसदी बढ़कर 6.68 लाख हो गया।

बजाज फाइनेंस में 5,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी बजाज फिनसर्व



मुंबई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस में उसकी प्रवर्तक कंपनी बजाज फिनसर्व करीब 5,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। बजाज फाइनेंस के निदेशक मंडल की विशेष समिति की मंगलवार को हुई बैठक में बजाज फिनसर्व को वरीयता के आधार पर 5,74,25,740 करोड़ परिवर्तनीय वारंट आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इस वारंट को बाद में शेयर में बदला जा सकेगा। हर वारंट एक रुपये अंकित मूल्य वाले एक इक्विटी शेयर के बराबर होगा। कंपनी ने बताया कि 1,010 रुपये प्रति वारंट की दर से जारी वारंट के उसे कुल 57,99,99,97,400 रुपये की पूंजी प्राप्त होगी। बजाज फाइनेंस का शेयर सोमवार 09 नवंबर 2026 को 1,065 रुपये पर बंद हुआ था।

इस निवेश से बजाज फाइनेंस को अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए पूंजी की जरूरत पूरी करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय में एनबीएफसी से ऑनलाइन ऋण लेने वाले ग्राहकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यहां तक कि एनबीएफसी अधिसूचित बैंको से ऋण लेकर अपनी पूंजी की जरूरत पूरी कर रहे हैं।

बजाज फाइनेंस में इस समय बजाज फिनसर्व की हिस्सेदारी 51.3 प्रतिशत है। वारंट जारी होने, उनके इक्विटी शेयर और ईएसओपी में बदले जाने के बाद उसकी हिस्सेदारी घटकर 51.23 प्रतिशत रह जाएगी। वारंट जारी होते समय बजाज फिनसर्व तत्काल 25 प्रतिशत राशि का भुगतान करेगी। शेष 75 प्रतिशत का भुगतान वारंट को इक्विटी शेयर में बदलवाते समय किया जाएगा। डेढ़ साल के भीतर वारंट को शेयर में नहीं बदलवाने पर पहले भुगतान की गई 25 फीसदी राशि जब्त हो जाएगी।

चीनी-चावल, गेहूं-दालों में तेजी, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चीनी के दाम बढ़ गए। चीनी के साथ चावल, गेहूं और दालों में भी तेजी रही जबकि खाद्य तेलों में घट-बढ़ का रुख देखा गया। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत नौ रुपये बढ़कर 5,635 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गुड़ 62 रुपये महंगा हुआ और 6,077 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 16 पैसे बढ़कर 60.61 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 85 रुपये बढ़कर 4,464 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। गेहूं भी 37 रुपये महंगा हुआ और 2,993 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे का भाव भी 16 रुपये बढ़ गया। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 126 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 77 रुपये और मूंग दाल 51 रुपये महंगी हुई। चना दाल 42 रुपये और तुअर दाल 41 रुपये ऊपर बोली गई।



मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज दिवाली का अवकाश रहा। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.66 प्रतिशत मजबूत होकर 62.65 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 199 रुपये और सूरजमुखी तेल की 23 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। वनस्पति 65 रुपये और सरसों तेल 51 रुपये महंगा हुआ। सोया तेल 16 रुपये और पाम ऑयल 15 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।

वाणिज्य मंत्री की मिस्र यात्रा से तीन क्षेत्रों में भारतीय व्यवसायों के लिए खुलेंगे नए रास्ते: फियो

नयी दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स (फियो) का कहना है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल की मिस्र की आगामी यात्रा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को नई गति देगी। इसके साथ ही यह भारतीय व्यवसायों के लिए व्यापक क्षेत्रीय अवसर भी खोलेगी। श्री गोयल की इसी सप्ताह शुरू हो रही मिस्र यात्रा में उनके साथ उद्यमियों और व्यवसायियों का एक उच्च-स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि यह भारत-मिस्र की लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत व्यावसायिक संबंधों में बदलने का एक बेहतरीन अवसर है। उन्होंने कहा, मिस्र में एक बड़ा घरेलू बाज़ार, एक रणनीतिक स्थान और व्यापक क्षेत्रीय व्यापार संपर्क मौजूद है। श्री गोयल की यह यात्रा भारतीय व्यवसायों को इन फायदों का लाभ उठाने, निर्यात बढ़ाने, विनिर्माण क्षेत्र में साझेदारी करने और क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद कर सकती है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत और मिस्र के बीच वस्तुओं का व्यापार 6.5 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जिसमें भारत से 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात और 2.6 अरब डॉलर का आयात शामिल था।

चूँकि भारत मिस्र के लिए आयात का पाँचवाँ सबसे बड़ा स्रोत बनकर उभरा है, इसलिए यह यात्रा निर्यात सूची में विविधता लाने, बाज़ार तक पहुँच को गहरा करने और आयात के एक पसंदीदा -स्रोतज् के रूप में भारत की स्थिति को मज़बूत करने का अवसर प्रदान करती है। श्री गोयल इस यात्रा के दौरान वहां के मंत्रियों और वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों के साथ होने वाली चर्चाओं में व्यापार का विस्तार करने, निवेश को प्रोत्साहित करने, और स्टार्टअप, फिनटेक, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स तथा बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे सकते हैं।

पिरामल फाइनेंस ने मप्र के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी ऋण सेवाओं का विस्तार किया

मुंबई। पिरामल फाइनेंस प्रमुख अपर-लेयर एनबीएफसी कंपनी ने मध्य प्रदेश में अपनी सेवाओं का विस्तार किया है। कंपनी ने कमल फिनकैप प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित की जा रही 12 ग्रामीण ऋण शाखाओं का संचालन अपने हाथ में ले लिया है। इस बदलाव के बाद पिरामल फाइनेंस इन सभी 12 शाखाओं का संचालन सीधे करेगी। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को बिना किसी परेशानी के सेवाएं देना, उनके साथ बेहतर संबंध बनाना और उनकी बदलती जरूरतों के अनुसार वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। भरोसेमंद वित्तीय सेवाओं की उपलब्धता ग्रामीण परिवारों, स्वरोजगार करने वाले लोगों और छोटे व्यवसायियों की आर्थिक जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपनी शाखाओं का संचालन सीधे अपने हाथ में लेकर पिरामल फाइनेंस का उद्देश्य ग्राहकों को लगातार वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी जरूरतों के अनुसार व्यक्तिगत सहायता देना है।

तीर्थ क्षेत्रों के विकास से उज्जैन में सम्पूर्ण बदलाव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन में 17 नवंबर को किया जाएगा जू एंड रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन, 1211.34 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत कैसे बदला है, देश की जनता और दुनिया इसकी गवाह है। मध्यप्रदेश सहित देशभर में धार्मिक पर्यटन को गति दी जा रही है, उज्जैन में तीर्थाटन में हुई वृद्धि से बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदृष्टि के परिणामस्वरूप ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और बाबा महाकाल महालोक का निर्माण हुआ। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन, तीर्थ क्षेत्रों के विकास में सम्पूर्ण बदलाव हुआ है। राज्य सरकार ने उज्जैन सहित प्रदेश के टियर 2 शहरों में अधोसंरचना विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पर्व-त्योहारों को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, जिनमें प्रदेश की जनता पूर्ण रूप से सहभागी बन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के भव्य



और दिव्य आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सिंहस्थ कुंभ 12 वर्ष में एक बार आता है। शहर के विकास के लिए उज्जैन में आज 1200 करोड़ से अधिक के नए विकास कार्यों और जीर्णोद्धार कार्यों का भूमि-पूजन किया गया है। इसमें शिप्रा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध अंगारेश्वर महादेव मंदिर भी शामिल है। पृथ्वी पर जीवों की 84 लाख योनियों के आधार पर ही यह प्राचीन शिव मंदिर, 84 महादेव यात्रा में प्रमुख स्थान रखता है। उज्जैन में उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ गढ़कालिका माता के तीर्थ क्षेत्र में भी विकास कार्यों का भूमि-पूजन हो रहा है। श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम के कारण भी उज्जैन का अपना अलग स्थान है। उज्जैन स्थित सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नई सड़कों और सीवर लाइन का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में 17 नवंबर को बहुप्रतीक्षित जू (चिड़ियाघर) और रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन किया जाएगा। उज्जैन में सड़कों के चौड़ीकरण कार्य के लिए स्वेच्छा से अपना मकान छोड़ने वाले परिवारों को मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में नि:शुल्क आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार जिनकी दुकानें टूटी हैं, उन्हें उज्जैन की खाली जमीन पर मार्केट विकसित कर दुकानें दी जाएंगी। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए किसानों को जमीन अधिग्रहण के 4 गुना मुआवजा के चेक प्रदान किए गए हैं। हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ, सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को भाईदूज की शुभकामनाएं दी।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेडा, सतीश मालवीय, यूडीए अध्यक्ष रवि सोलंकी, मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल, पूर्व सांसद डॉ. सत्यनाराण जटिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती, संजय अग्रवाल उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश में अब तबादला फैक्ट्री बदल गया तबादला उद्योग में: जीतू पटवारी

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आईएएस-आईपीएस अधिकारियों के लिए न्यूनतम दो वर्ष का कार्यकाल सुनिश्चित करने की मांग



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश में अधिकारियों के लगातार हो रहे तबादलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकारें बदलती हैं, लेकिन तबादलों की राजनीति नहीं बदलती। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में मध्यप्रदेश की राजनीति में तबादला उद्योग शब्द प्रचलित हुआ था, लेकिन अब मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यकाल में यह व्यवस्था और व्यापक हो गई है। अंतर सिर्फ इतना है कि शिवराज सरकार में तबादला उद्योग चलता था और आपके कार्यकाल में मध्यप्रदेश में बाकायदा तबादला फैक्ट्री खुल गई है। श्री पटवारी ने मुख्यमंत्री को सुझाव देते हुए मांग की है कि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं महत्वपूर्ण विभागीय पदों पर पदस्थ आईएएस-आईपीएस अधिकारियों का सामान्य परिस्थितियों में न्यूनतम दो वर्ष का कार्यकाल सुनिश्चित किया जाए। समय से पहले तबादले की स्थिति में उसके लिखित कारण सार्वजनिक किए जाएं। केवल राजनीतिक असहमति, जनप्रतिनिधियों की नाराजगी अथवा सत्ता-संगठन के दबाव को तबादले का आधार नहीं बनाया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों, उनके कार्यकाल तथा समय से पूर्व स्थानांतरण के कारणों पर श्वेतपत्र जारी किया जाए और बार-बार तबादलों से प्रभावित विभागों एवं जिलों की प्रशासनिक कार्यक्षमता का स्वतंत्र मूल्यांकन कराया जाए। उन्होंने पत्र में कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़े प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करते हैं। दिसंबर 2023 से जुलाई 2025 के बीच महज 20 महीनों में मध्यप्रदेश में 325 से अधिक आईएएस अधिकारियों के तबादले हुए। यानी औसतन हर महीने 16 से अधिक आईएएस अधिकारियों की पदस्थापना बदली गई।

प्रशासनिक स्थिरता के बजाय लगातार पदस्थापनाएं बदलने की प्रवृत्ति हावी

उन्होंने कहा कि यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। 23 जुलाई 2026 के बाद लगभग 36 आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली जा चुकी हैं। पिछले तीन महीनों में करीब दो दर्जन जिलों के कलेक्टर और लगभग एक दर्जन जिलों के पुलिस अधीक्षक भी बदले गए हैं। मई 2026 में ही 62 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए। सितंबर 2025 में भी एक बड़े फेरबदल में 30 आईपीएस और 15 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण की रिपोर्ट सामने आई थी।



जनसुनवाई में 66 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशो के तहत कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 व्यारमा में आयोजित जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे ने जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 66 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय.सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 6 आधार अपडेशन एवं 20 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर राकेश मोहन त्रिपाठी, एसडीएम संजय दुबे, डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

जरारूधाम गौ अभ्यारण्य को प्रशिक्षण, जैविक खाद उत्पादन और स्वावलंबन का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा

अटल प्रशिक्षण केंद्र में नवनिर्मित शेड का हुआ लोकार्पण, 150 लोगों को प्रशिक्षण और 50 लोगों के ठहरने की होगी व्यवस्था

दमोह (स्वतंत्र मत)। जरारूधाम गौ अभ्यारण्य में अन्नकूट पूजन एवं दीपावली मिलन समारोह धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल एवं बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कथावाचक महंत विपिन बिहारी दास जी महाराज विशेष रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर विधिविधान से पूजा.अर्चना कर गौमाताओं का पूजन किया गया तथा उन्हें अन्नकूट का भोजन कराया गया। जरारूधाम गौ अभ्यारण्य को केवल गौवंश संरक्षण तक सीमित न रखते हुए प्रशिक्षणए जैविक खाद उत्पादनए प्लांटेशन के लिए नर्सरी और स्वावलंबन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। यह बात प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल ने जरारूधाम गौ अभ्यारण्य में नवनिर्मित अटल प्रशिक्षण केंद्र के शेड का लोकार्पण करते हुए कही मंत्री श्री पटेल ने कहा संस्थान को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए यहां प्रशिक्षण केंद्र,



जैविक खाद उत्पादन केंद्र, पौधरोपण के लिए नर्सरी तथा स्वावलंबी गौ अभ्यारण्य विकसित किया जाएगा। परिसर में 10 भवनों के निर्माण का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा गौसेवकों के लिए आवास निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। आगामी दो वर्षों में 50 लोगों के ठहरने की क्षमता वाली डोरमेट्री तथा एक समय में 150 लोगों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। परिसर में अटल पथ का निर्माण कराने के साथ ही आय के स्थायी स्रोत भी विकसित किए जाएंगेए जिससे संस्थान अपने संसाधनों से संचालित हो सके। मंत्री श्री पटेल ने गौवंश के लिए हरे चारे और घास की पर्याप्त उपलब्धता, परिसर में हरियाली, भोजन एवं दवाओं की समुचित व्यवस्था को आवश्यक बताते हुए कहा कि गौमाता की सेवा के लिए सभी जरूरी सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए।

मंत्री श्री पटेल ने गौ अभ्यारण्य में मृत गौवंश के सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार एवं समाधि की व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिदिन लगभग 10 से 12 गौवंश की मृत्यु हो जाती है। ऐसी स्थिति में मृत गौवंश के चमड़े के उपयोग एवं प्रसंस्करण की व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस कार्य में रुचि रखने वाले लोगों से आगे आकर इसे व्यवस्थित व्यवसाय के रूप में शुरू करने का आह्वान किया, जिससे गौ अभ्यारण्य की व्यवस्थाओं को भी आर्थिक सहयोग मिल सके। भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि जरारूधाम गौशाला परिसर में जैविक खाद निर्माण की प्रक्रिया का अवलोकन किया गया तथा नवनिर्मित शेड का लोकार्पण किया गया। समारोह में ग्वाल टोलियों द्वारा बुंदेलखंड की पारंपरिक संस्कृति से जुड़े मोनिया बरेदी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं।

भाई दूज पर तिलक लगाकर बहनों ने मांगी भाइयों की लंबी उम्र की दुआ

घर-घर दिखा प्रेम और परंपरा का अनूठा संगम



हटा (स्वतंत्र मत)। भाई-बहन के अटूट प्रेमए विश्वास और स्नेह का प्रतीक पर्व भाई दूज मंगलवार को हटा सहित पूरे दमोह जिले में पारंपरिक उल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर मनाए जाने वाले इस पावन पर्व पर सुबह से ही घरों में उत्सव जैसा माहौल नजर आया। बहनों ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कर अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और भगवान से उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की कामना की। पर्व को लेकर सुबह से ही बहनों ने घरों में पूजन की तैयारियां शुरू कर दी थीं। शुभ मुहूर्त में भाइयों को तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी गई और मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति प्रेम और सम्मान प्रकट किया। भाई दूज के अवसर पर परिवारों में मिलन और खुशियों का माहौल रहा। जिले भर में भाई-बहन एक-दूसरे के घर पहुंचे और पारंपरिक रीति.रिवाजों के साथ पर्व मनाया। ग्रामीण अंचलों में भी भाई दूज की विशेष रौनक देखने को मिली। कई गांवों में परंपरा के अनुसार दोज के आयोजन किए गए और मेले भी भरेए जहां लोगों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन भाई अपनी बहन के घर जाकर तिलक करवाता है और उसके हाथों से भोजन ग्रहण करता है तो उसे यमराज का आशीर्वाद प्राप्त होता है भय दूर होता है। इसी आस्था के साथ बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूची का प्रकाशन 12 को

मण्डला (स्वतंत्रमत)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जनवरी की अर्हता तिथि के मान से निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के अंतर्गत जिले में प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 12 नवंबर को किया जाएगा। प्रारूप नामावली के प्रकाशन के अवसर पर 12 नवंबर को अपराह्न 3 बजे जिला योजना भवन मंडला के सभाकक्ष में जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

पुस्तिका का हुआ विमोचन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडीकल कालेज जबलपुर के प्रेक्षागृह में जाबालिपुरम सृजन संस्था का वार्षिक आयोजन संस्था अध्यक्ष सुरेश शर्मा अधिवक्ता के संयोजन में आयोजित किया गया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मिठाई दुकानों का औचक निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा दमोह शहर स्थित मिठाई दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की कार्यवाही में दमोह शहर में स्टेशन चौराहा स्थित गुप्ता स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। परिसर में संग्रहित मावा बर्फी एवं दूध का हलवा के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी तरह नारायण नमकीन एंड स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। परिसर में विक्रय हेतु संग्रहित सेव नमकीन के नमूने जांच हेतु लिए गए। इन मिठाइयों एवं नमकीन के नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेद प्रकाश चौबे एवं माधवी



हटा-पन्ना मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

अनियंत्रित होकर पलटी इको कार, एक की मौत, आधा दर्जन से अधिक घायल

हटा (स्वतंत्र मत)। प्रयागराज से अस्थि विसर्जन कर वापस लौट रहे एक परिवार के लोग हटा-पन्ना राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गए। गैसाबाद थाना क्षेत्र के नकटी के पास तेज रफ्तार इको कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसा इतना गंभीर था कि कार में सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गईए जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गैसाबाद थाना पुलिस स्टाफ हटा थाना पुलिस स्टाफ भी घटनास्थल पर पहुंची। कार में फंसे लोगों को निकालने के लिए दोनों थाना पुलिस ने काफी मशक्कत की और रेस्क्यू कर सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी को उपचार के लिए सिविल अस्पताल हटा पहुंचाया गया। हादसे में वृंदावन पिता मन्नूलाल रजक 65 वर्ष निवासी मेनवार थाना बटियागढ़ की मौत हो गई। वहीं घायलों में रामबाबू रजकए फूलरानीए झल्लू रजक, छोटेलाल रजक, हीरालाल, पवन रजक, खिलौनाबाई और झंकू सहित अन्य लोग शामिल हैं। ये सभी बटियागढ़ए नरसिंहगढ़ और मड़ियादो थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। सिविल अस्पताल हटा में प्राथमिक उपचार के बाद चार गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए दमोह और सागर रेफर किया गया है। घटना के बाद गैसाबाद थाना पुलिस सिविल अस्पताल हटा पहुंची और मृतक के शव का पंचनामा कर आवश्यक कार्रवाई की।

प्रकृति संरक्षण, गौ सेवा और समृद्धि का संदेश देती है गोवर्धन पूजा : राज्यमंत्री लोधी

मारुताल स्थित वैष्णवी गौशाला में आयोजित हुआ गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट पर्व





दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय त्योहार केवल धार्मिक परंपराओं तक सीमित नहीं हैंए बल्कि प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाहित किए हुए है। इस आशय के विचार संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मारुताल स्थित वैष्णवी गौशाला मे आयोजित जिला स्तरीय गोवर्धन पूजन कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का लाइव प्रसारण देखा व श्रवण किया गया स राज्यमंत्री लोधी ने कहा गोवर्धन पूजा, गौ पूजा एवं अन्नकूट का पर्व हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, गौवंश के संरक्षण और सेवा का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है, उन्होंने कहा गोवर्धन पूजा का मूल उद्देश्य प्रकृति की ओर लौटना, पर्यावरण का संरक्षण करना तथा गौ सेवा को प्रोत्साहित करना है। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सनातन संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। दशहरा पर शस्त्र पूजन, होली और दीपावली पर गोवर्धन पूजा जैसे आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। सांसद श्री लोधी ने कहा मुख्यमंत्री ने प्रदेश के हजारों गोपालकों के खातों में प्रोत्साहन राशि अंतरित की गई है। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को एक लाख रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 50 हजार रुपये दिए गए हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देनेए यूरिया मुक्त खेती की दिशा में आगे बढ़ने और गौ संवर्धन को प्रोत्साहित करने का संकल्प दोहराया। साथ ही वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है तथा बलराम महोत्सव के माध्यम से किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

सुख-समृद्धि की कामना - विधायक श्री मलैया ने कहा दीपावली के पावन पर्व पर जिलेभर में लोगों ने विधि.विधान के साथ मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात गोवर्धन पूजन का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। विधायक श्री मलैया ने कहा जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं उत्तम सेवाएं प्रदान करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले चयनित लोगों को प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में पदक प्रदान किये गए। भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा शासनए प्रशासन और आमजन के सामूहिक प्रयासों से धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर मारुताल स्थित वैष्णवी गौपालक परिसर में गोवर्धन पूजा के अवसर पर दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने गौसेवा, सनातन संस्कृति और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर गौ माता के लिए एक नए शेड का भूमिपूजन भी किया गया।

सिहोरा थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस



महिला ने किया जहरीली वस्तु का सेवन, हालत गंभीर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम मकुरा में बबीता चक्रवर्ती (30) निवासी ग्राम मकुरा ने अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। महिला की हालत देखकर परिजन घबरा गए और बिना देर किए उसे ऑटो से सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने महिला का उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के मुताबिक उसकी हालत गंभीर है और लगातार निगरानी रखी जा रही है। फिलहाल महिला ने किन परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन किया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना को लेकर परिजन भी कुछ बता नहीं पाए हैं।

कलेक्टर ने सुनीं आमजनों की समस्याएं, दिए निर्देश



कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई, पहुंचे 35 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में पहुंचे आमजन की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 35 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 9 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कलेक्टर कार्यालय में पहुंचे लोगों से भी भेंट की। उन्होंने सभी आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आए आवेदनों में नामांतरण, सीमाकंन, कब्जा, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता, पेंशनए तथा विभिन्न व्यक्तिगत समस्याओं के आवेदन शामिल थे।

धारदार हथियार से युवक की हत्या, इधर दोहरे हत्याकांड के आरोपियों को मारने दौड़े स्थानीय लोग

अलग-अलग क्षेत्रों में हुई हत्याओं से दहला शहर, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)



शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर हुई चाकूबाजी में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक और आरोपी दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस के मुताबिक गोरखपुर के सेटी नगर (एसएफसीआई के पास) निवासी 24 वर्षीय आदित्य उर्फ अड्डू बेन का इलाके के ही केशू बेन से पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही खूनी संघर्ष में बदल गई। विवाद के दौरान केशू बेन ने आदित्य पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल आदित्य को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह पुरानी रंजिश सामने आई है। पुलिस के अनुसार मृतक आदित्य और आरोपी केशू बेन दोनों ही क्षेत्र के निगरानीशुदा बदमाश रहे हैं। दोनों के खिलाफ थाने में पूर्व से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी केशू बेन को अभिरक्षा में ले लिया है और घटना के सटीक कारणों व पूरे घटनाक्रम को लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

दोहरे हत्याकांड के आरोपियों का पुलिस ने निकाला जुलूस



इधर घमापुर थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मंगलवार दोपहर पुलिस जब आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर पहुंची और उनका जुलूस निकाला तो मृतकों के परिजन भड़क गए। उन्होंने आरोपियों को मारने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह आरोपियों को परिजनों से बचाया और फिर कांचघर तक पैदल जुलूस निकाला। इस दौरान मृतक कार्तिक उर्फ बाबू चौधरी की छोटी बहन हाथ में पत्थर लेकर आरोपियों को मारने के लिए दौड़ पड़ी। बता दें कि दीपावली की रात जुआं खेलते समय कांचघर स्थित संत रविदास मंदिर के पास करीब 10 युवकों की भीड़ ने कार्तिक उर्फ बाबू चौधरी (21) और करण पासी (24) को घेरकर चाकू और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी प्रिंस चौधरी सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जब आरोपियों को सिद्धबाबा मंदिर लेकर पहुंची तो अचानक भारी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद परिजन और स्थानीय लोग आरोपियों को मारने के लिए दौड़े। बहरहाल पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।



अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ महिलाओं, बच्चों ने किया जमकर प्रदर्शन

हाथों में तख्तियां लेकर पुलिस-आबकारी विभाग पर लगाया आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मझौली क्षेत्र के ग्राम सुहजनी में अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ ग्रामीण महिलाओं ने मंगलवार दोपहर मझौली थाने का घेराव किया। महिलाएं और बच्चियां हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचीं और विरोध जताया। बता दें कि सुहजनी गांव की पहचान धार्मिक स्थल सुहजनी वाली माता के नाम से भी है। इस दौरान प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि गांव में लंबे समय से अवैध शराब बिक रही है। उनके मुताबिक, इससे सामाजिक माहौल खराब हो रहा है और कई परिवारों को परेशानी हो रही है।

कानूनी कार्यवाही करने की मांग -महिलाओं का आरोप है कि जिम्मेदार विभागों को इस समस्या की जानकारी है, फिर भी कार्यवाही नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि इससे शराब बेचने वालों के हौसले बढ़ रहे हैं। इधर महिलाओं ने पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने गांव में अवैध शराब की बिक्री रोकने और कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। प्रदर्शन में क्षेत्र की रामकेश बाई चौधरी, मुन्नी बाई चौधरी, आशा बाई चौधरी, रामवती बाई चौधरी आदि शामिल रहीं।

टिकट चेकिंग अभियान से पमरे ने कमाया 80.46 करोड़ का राजस्व



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल द्वारा बिना टिकट, अनियमित टिकट एवं बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन टिकट चेकिंग अभियानों से चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम सात माह में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। इस अवधि में कुल 9 लाख 63 हजार मामले पकड़े गए, जिनसे अतिरिक्त किराये एवं जुर्माने सहित ?80 करोड़ 46 लाख का राजस्व अर्जित हुआ। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं रेलवे स्टेशनों पर नियमित रूप से टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही रेलवे मजिस्ट्रेट चेकिंग के माध्यम से भी अनियमित यात्रियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। पश्चिम मध्य रेल ने गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि में अर्जित 75 करोड़ 82 लाख के राजस्व की तुलना में इस वर्ष 4 करोड़ 64 लाख अधिक राजस्व प्राप्त किया है। इस प्रकार टिकट चेकिंग से प्राप्त राजस्व में 6.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे संतों के विचार: राकेश सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)



लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मंगलवार को गौरीघाट स्थित श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम, कालीघाट भटौली में संत कालिकानंदजी महाराज के षोडशी महोत्सव एवं श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मां नर्मदा के पावन तट और महर्षि जाबालि की तपोभूमि पर संतों का सान्निध्य एवं आशीर्वाद सदैव मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि संतों का जीवन कभी समाप्त नहीं होता। उनके विचार, संस्कार और आशीर्वाद सदैव समाज का मार्गदर्शन करते रहते हैं। पूज्य महाराजजी का व्यक्तित्व सदैव परोपकार और देने की भावना से परिपूर्ण था। वर्षों तक उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कभी अपनी शारीरिक पीड़ा या कष्टों की चर्चा नहीं की। वे हमेशा ही कहते थे कि खुश रहो और प्रसन्नता से जीवन जीओ। मंत्री श्री सिंह ने भावुक होते हुए बताया कि महाराजजी ने अपनी डायरी में अंतिम समय में भी यही संदेश लिखा था सदा खुश रहो, जीवन सदैव प्रसन्नता के साथ व्यतीत करो। उन्होंने कहा कि ऐसे संत महापुरुष भले ही आज शरीर हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी स्मृतियां विचार और दिव्य आशीर्वाद आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में संतजन, विधायक अशोक रोहाणी, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रानीताल फ्लाईओवर पर भीषण हादसा, दम्पति घायल



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के रानीताल फ्लाईओवर पर मंगलवार शाम एक सड़क हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार बुलेट सवार ने स्कूटी से जा रहे पति-पत्नी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर में पति-पत्नी स्कूटी समेत सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। अचानक हुई दुर्घटना से फ्लाईओवर पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद घायलों की मदद के लिए लोग मौके पर पहुंचे। हादसे में घायल दंपति को तुरंत लोगों ने अस्पताल भेजा।

फील्ड पर सतर्कता दिखाने वाले 6 रेल कर्मियों को मिला उत्कृष्ट संरक्षा पुरस्कार



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अक्टूबर 2026 के दौरान ड्यूटी पर सजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटनाओं को रोकने और रेल परिचालन को सुरक्षित बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पश्चिम मध्य रेल के छह कर्मचारियों को महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने 'उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार' प्रदान कर सम्मानित किया। अक्टूबर माह के पुरस्कृत कर्मचारियों में मो. तसलीम अंसारी/वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर/सतना (जबलपुर मंडल), विजय/स्टेशन मास्टर/बखलेटा (जबलपुर मंडल), महेंद्र सिंह यादव/लोको पायलट/बीना (भोपाल मंडल), संजीव कुमार मीणा/ट्रेन मैनेजर (गुड्स)/गुना (भोपाल मंडल), दिनेश चन्द्र गुर्जर/ट्रेन मैनेजर (गुड्स)/कोटा (कोटा मंडल) एवं मुनेश सिंह जादौन/वरिष्ठ पॉइंट्समैन-ए/श्रीमहावीरजी (कोटा मंडल) शामिल हैं। इन रेलकर्मियों ने ड्यूटी एवं रेलखंडों पर गश्त के दौरान अपनी सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता और सतर्कता से कई गंभीर तकनीकी अनियमितताओं की समय रहते पहचान की। इनमें हैमरिंग की आवाज के साथ पहियों में अनुमत सीमा से अधिक फ्लैट टायर, हॉट एक्सल लोको के अंडरफ्रेम से धुआं निकलने के साथ एक्सल लॉक होना, वैगन के एक्सल के पास आग लगना, जुड़े हुए वैगनों के बीच बफर की ऊंचाई में अंतर तथा ओएचई तारों में चिंगारियां दिखाई देना जैसी स्थितियां शामिल थीं। कर्मचारियों ने तत्काल आवश्यक सूचना देकर एवं निर्धारित संरक्षा प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित कर संभावित दुर्घटनाओं को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शराब के लिए रूपए ना देने पर युवक के पेट पर मारा चाकू



सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 स्थित बाबाताल मंदिर के पास सोमवार रात शराब के लिए 500 नहीं देने पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। आरोपी ने युवक के पेट में चाकू से वार किया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घायल को उसके दोस्तों ने सिहोरा सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 9 निवासी सनी कोल (20) सोमवार रात अपने तीन दोस्तों के साथ शिव मंदिर बाबाताल के पास से चाय पीकर घर लौट रहा था। जैसे ही वह मंदिर के आगे गोदाम के पास पहुंचा, वहां उसे वार्ड नंबर 8 निवासी सचिन करी मिला। आरोप है कि सचिन शराब के नशे में था और उसने सनी से शराब पीने के लिए 500 मांगे। सनी ने रुपए देने से मना कर दिया। इसी बात पर सचिन ने चाकू निकालकर उसके पेट पर जोरदार वार कर दिया। हमले में सनी गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

भू-स्वामित्व योजना की धीमी प्रगति पर कलेक्टर हुए सख्त



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भू स्वामित्व योजना और सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा के लिए कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में रजिस्ट्रेशन, सत्यापन और आवेदन प्रक्रिया की धीमी गति पर कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिले में प्रतिदिन 4 हजार रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन किसी भी तहसील में लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। समीक्षा में शहपुरा, पनागर और सिहोरा में अपेक्षाकृत बेहतर काम सामने आया। वहीं कटंगी और मझौली सहित अन्य क्षेत्रों में धीमी प्रगति हुई है। कलेक्टर ने पटवारियों की अनुपस्थिति और तहसीलदारों की आईडी पर लंबित सत्यापन के प्रकरणों पर नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को गंभीर अनुशासनहीनता का मामला बताया। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की भी समीक्षा हुई। अपर कलेक्टर श्री रविशंकर राय ने कमिश्नर कार्यालय से वापस आईं छह शिकायतों के जवाबों पर चर्चा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के जवाब स्वयं पढ़ें और उनका वास्तविक एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें।

एक अभ्यर्थी के लिए अलग से दोबारा परीक्षा आयोजित करने का निर्देश नहीं दिया जा सकता: हाईकोर्ट

नीट-पीजी परीक्षा के दौरान माउस खराब होने का दावा, हाईकोर्ट ने खारिज की दोबारा परीक्षा की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

धार की एक छात्रा ने नीट-पीजी परीक्षा के दौरान कंप्यूटर माउस खराब होने और समय बर्बाद होने का दावा करते हुए दोबारा परीक्षा कराने की मांग की थी। इस संबंध में दायर याचिका मप्र हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। इस मामले में न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसी एक अभ्यर्थी के लिए अलग से दोबारा परीक्षा आयोजित करने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि माउस खराब होने की शिकायत परीक्षा केंद्र प्रभारी से तत्काल करने का कोई ठोस दस्तावेजी प्रमाण रिकॉर्ड पर नहीं है। दरअसल धार के केलवाड़ा में रहने वाली छात्रा जयश्री पाटीदार ने 30 अगस्त 2026 को प्रशांति इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परीक्षा केंद्र पर नीट-पीजी की परीक्षा दी थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि परीक्षा के दौरान उसे उपलब्ध कराया गया कंप्यूटर माउस खराब हो गया था। इसके कारण उसका



समय बर्बाद हुआ और वह कई प्रश्न हल नहीं कर सकी। छात्रा ने इसी आधार पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

निष्पक्ष जांच करने की मांग - याचिकाकर्ता ने तकनीकी खराबी की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी। इसके लिए परीक्षा केंद्र के सीसीटीवी फुटेज, कंप्यूटर सिस्टम लॉग और निरीक्षक की रिपोर्ट सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड अदालत में प्रस्तुत कराने का अनुरोध किया था। साथ ही दोबारा परीक्षा आयोजित कराने या उचित राहत देने की मांग की थी। इस मामले में प्रतिवादियों की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जान्हवी पंडित पेश हुईं। फैसले में कोर्ट ने कहा कि यदि परीक्षा के दौरान माउस में कोई खराबी आई थी, तो अभ्यर्थी को तत्काल केंद्र प्रभारी को इसकी जानकारी देनी चाहिए थी। हालांकि, रिकॉर्ड पर ऐसी शिकायत दर्ज कराने का कोई ठोस दस्तावेजी प्रमाण उपलब्ध नहीं था। हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि याचिकाकर्ता ने परीक्षा में सभी प्रश्न अटेम्प्ट किए थे। ऐसे में केवल बाद में किए गए दावे के आधार पर उसे दोबारा परीक्षा का अवसर नहीं दिया जा सकता। हाईकोर्ट ने दोबारा परीक्षा कराने की मांग स्वीकार नहीं की और रिट याचिका खारिज कर दी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**